THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 295 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.3, 2082 बुधवार, 21 जनवरी-2026

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मुख्यमंत्री जन आवास योजना

RERA REG. NO.: RAJ/P/2025/4228
https://rera.rajasthan.gov.in/

जयपुर में आवासीय फ्लैट्स

के द्वितीय चरण हेतु लॉटरी द्वारा आवंटन

वाटिका इन्फोटेक सिटी,
अजमेर रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3A

के तहत जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित एवं रेरा में पंजीकृत
नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा विकसित आवासीय योजना

90% तक लोन उपलब्ध
विश्वस्तरीय क्लब हाउस व स्विमिंग पूल
केन्द्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉर्पोरेट्स एवं प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए
1 लाख रुपये तक की विशेष छूट।

नितल

स्टूडियो और 3 बीएचके अपार्टमेंट

आवेदन की अंतिम तिथि
24 जनवरी, 2026

उपलब्ध फ्लैट	पंजीकरण राशि	मूल कीमत
स्टूडियो फ्लैट	₹66,000	₹23.0 लाख*
3 BHK फ्लैट	₹96,000	₹44.0 लाख*

आवेदन हेतु SCAN करें
www.nitalcmjanawas.in

9785 30 7000
9772 51 1112

विकासकर्ता -
नितल इंफ्राप्रॉजेक्ट्स एलएलपी

*Terms & Conditions Apply

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 21 जनवरी, 2026 2

सुविचार
हमारे जीवन में क्रोध और आंधी एक सामान है क्योंकि, इनके जाने के बाद ही हमें अपने नुकशान का पता चलता है!

कॉरपोरेट और फासीवादी ताकतें संसदीय लोकतंत्र को चुनौती दे रही हैं : भट्टी

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि आज धार्मिक भावनाओं के नाम पर कॉरपोरेट और फासीवादी ताकतें आर्थिक एवं सामाजिक मुद्दों से ध्यान भटका रही हैं और देश में संसदीय लोकतंत्र को चुनौती दे रही हैं। वे मंगलवार को खम्मम जिला मुख्यालय में सीपीआई के शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। भट्टी विक्रमार्क ने वामपंथी दलों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर आगे बढ़ें और संयुक्त संघर्षों के माध्यम से संसदीय लोकतंत्र को चुनौती देने वाली कॉरपोरेट ताकतों तथा आर्थिक व सामाजिक मुद्दों पर देश को गुमराह करने वाली शक्तियों पर अंकुश लगाएं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वामपंथ को केवल शोषक बनाम शोषित के दृष्टिकोण तक सीमित न रहकर, देश की बदली हुई राजनीतिक परिस्थितियों के अनुरूप आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि खम्मम जिला विविध विचारधाराओं के प्रसार का स्वागत करता है और आतिथ्य का प्रतीक है। उन्होंने देशभर से खम्मम पहुंचे वामपंथी नेताओं का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सीपीआई के 100 वर्षों के इतिहास में अनेक बलिदान और उतार-चढ़ाव रहे हैं तथा भारत के स्वतंत्रता संग्राम में पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा, संविधान की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है, अन्यथा आम आदमी अपने मूल अधिकारों से वंचित हो जाएगा। भाजपा-नेतृत्व वाली केंद्र सरकार मतदान अधिकारों को कमजोर कर रही है और संविधान में संशोधन का प्रयास कर रही है। भट्टी विक्रमार्क ने इस बात पर बल दिया कि कांग्रेस और वामपंथी दलों को देश में एक दीर्घकालिक राजनीतिक यात्रा साथ मिलकर तय करनी चाहिए।

नगरपालिका आरक्षण से नेताओं की उम्मीदों पर पानी फिरा

कई उम्मीदवार अब दूसरे वार्डों की तलाश में

करीमनगर, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका आरक्षण की घोषणा ने पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में आगामी नगरपालिका चुनावों की तैयारी कर रहे कई राजनीतिक नेताओं की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। चुनाव लड़ने की जमीन तैयार कर चुके कई नेता अब दुविधा में पड़ गए हैं। राज्य में नगरपालिकाओं और नगर निगमों के चुनाव की प्रक्रिया के तहत नगर प्रशासन विभाग ने अध्यक्ष पदों, मंडलों और वार्डों के लिए आरक्षण को अंतिम रूप दे दिया है। विभिन्न कारणों से कुछ अध्यक्षों, मंडलों और वार्डों के आरक्षण में बदलाव किया गया है। आरक्षण में बदलाव के चलते कई ऐसे नेताओं की उम्मीदें टूट गई हैं, जो अध्यक्ष, पार्षद या वार्ड सदस्य के रूप में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे।

कुछ उम्मीदवार दूसरे क्षेत्रों से चुनाव लड़ने की योजना बना रहे हैं, जबकि कुछ असमंजस की स्थिति में हैं। कई नेता महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों पर अपनी पत्नियों को उम्मीदवार बनाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं उच्च जाति वर्ग के कुछ उम्मीदवारों ने चुनाव से दूरी बना ली है क्योंकि उनके वार्ड पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित हो गए हैं।

बताया गया कि कई नेताओं ने पिछले एक साल से अपने-अपने वार्डों और मंडलों में मतदाताओं को लुभाने के प्रयास शुरू कर दिए थे। उन्होंने सामाजिक गतिविधियों में भाग लिया, स्थानीय लोगों से संपर्क बढ़ाया और त्योहारों के दौरान कार्यक्रम आयोजित किए। कुछ नेताओं ने विनायक पंडालों के लिए चंदा दिया और दशहरा के दौरान दावतें भी दीं। आरक्षण की घोषणा से ठीक एक सप्ताह पहले कोरुटला नगरपालिका में एक इच्छुक उम्मीदवार ने अपने वार्ड के हर घर में चिकन और ठंडे पेय वितरित किए थे। कुछ अन्य लोगों ने भी अलग-अलग अवसरों के बहाने स्थानीय युवाओं के लिए पार्टियां आयोजित की थीं।

दबाव की राजनीति से नहीं डरेगी बीआरएस

कांग्रेस पर संविधान का सम्मान न करने का आरोप

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं को डराने-धमकाने के लिए अपनाई जा रही दबाव की रणनीति कारगर नहीं होगी। यह बात बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मंगलवार को कही। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल की घटनाएं यह साबित करती हैं कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कांग्रेस पार्टी में संविधान और कानून के प्रति सम्मान की कमी है। केटी रामाराव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट द्वारा सबूतों के अभाव में आरोप खारिज किए जाने के बावजूद पूर्व मंत्री टी. हरीश राव को फोन टैपिंग मामले में नोटिस भेजे जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे हथकंडे बीआरएस को कांग्रेस सरकार से सवाल करने से नहीं रोक सकते।

उन्होंने कहा कि चाहे 1000 नोटिस जारी कर दिए जाएं या 100 और विशेष जांच दल गठित कर दिए जाएं, बीआरएस सरकार की विफलताओं पर सवाल उठाती रहेगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने दोहराया कि पार्टी न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है और झूठे व मनगढ़ंत मामलों के खिलाफ कानूनी लड़ाई जारी रखेगी। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए रामाराव ने कहा कि पार्टी को 'स्कैमग्रेस' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक कांग्रेस मंत्री को 20 प्रतिशत कमीशन मंत्री कहा जाता था और खुद मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी वोट के बदले पैसे लेने के मामले में रंगे हाथों पकड़े गए थे। उन्होंने कहा कि इसी कारण कांग्रेस अन्य नेताओं पर भी ऐसे आरोप लगाने की कोशिश कर रही है।

रामाराव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के बहनोई सृजन रेड्डी से जुड़े सिंगारेनी टेंडर घोटाले को उजागर करने के बाद ही हरीश राव को नोटिस भेजा गया। उन्होंने दावा किया कि मुख्यमंत्री के परिवार ने अब तक नौ सिंगारेनी टेंडरों में हेराफेरी की है और यह सब एक विशेष कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि भले ही उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने नैनी कोयला ब्लॉक के टेंडर रद्द होने की बात कही हो, लेकिन अन्य टेंडरों में भी वही अनियमितताएं जारी हैं। साथ ही उन्होंने कांग्रेस सरकार पर मीडिया में झूठी जानकारियां लीक कर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया।

फोन टैपिंग मामले पर सवाल उठाते हुए रामाराव ने कहा कि यदि आरोप सही थे तो किसी अधिकारी ने सार्वजनिक बयान क्यों नहीं दिया। उन्होंने भाजपा की चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी को सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश से पूरे सिंगारेनी टेंडर घोटाले की जांच करानी चाहिए। अंत में रामाराव ने कहा कि रेवंत रेड्डी और उनके इशारों पर काम करने वाले पुलिस अधिकारियों को यह याद रखना चाहिए कि बीआरएस दो साल में सत्ता में वापस आएगी और झूठे मामलों में शामिल लोगों को इसके परिणाम भुगतने होंगे।

दो तेंदुए दिखने से गांव में दहशत

मेदक, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को तुप्रान मंडल के गुंड्रेड्डीपल्ली गांव के पास एक छोटी पहाड़ी पर दो तेंदुओं को एक साथ देखे जाने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। तुप्रान से मलकपुर जाने वाली सड़क से गुजर रहे राहगीरों ने तेंदुओं को देखा और अपने मोबाइल फोन से उनकी तस्वीरें और वीडियो बना लिए। दोनों तेंदुए कुछ देर तक पहाड़ी पर बैठे नजर आए। बाद में सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो गए। घटना से चिंतित किसानों ने वन अधिकारियों से तेंदुओं को पकड़कर घने जंगलों में छोड़ने की मांग की है। इस बीच, वन विभाग के अधिकारियों ने किसानों और पशुपालकों को सलाह दी है कि वे अकेले जंगल क्षेत्रों में न जाएं।

घरेलू विवाद में महिला की हत्या, पति फरार

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार रात बोराबंडा इलाके में घरेलू विवाद के बाद एक 32 वर्षीय महिला की कथित तौर पर उसके पति ने हत्या कर दी। घटना से इलाके में दहशत फैल गई। मृतका की पहचान सरस्वती के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार उसके पति अंजनेयुलु ने चक्की के पत्थर से उस पर हमला किया। आरोपी वारदात के बाद से फरार है। बताया गया है कि अंजनेयुलु को अपनी पत्नी की वफादारी पर शक था, इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था।

सोमवार रात दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते हिंसक हो गई। आरोप है कि इसी दौरान अंजनेयुलु ने चक्की का पत्थर उठाकर सरस्वती पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

बंजारा हिल्स डिवीजन में विकास कार्यों की समीक्षा

मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने बस्तीवासियों से की बैठक

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने बंजारा हिल्स डिवीजन में बस्तीवासियों और जीएचएमसी अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की। यह बैठक मेयर कैंप कार्यालय में संपन्न हुई, जिसमें बंजारा हिल्स डिवीजन में प्रस्तावित मल्टी पर्पस फंक्शन हॉल के उद्घाटन तथा अब तक हुए विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। मेयर ने कहा कि मल्टी पर्पस फंक्शन हॉल के शुरू होने से स्थानीय लोगों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की सुविधा मिलेगी, जिससे क्षेत्र के समग्र विकास को और बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बस्तीवासियों की समस्याएं और सुझाव ध्यानपूर्वक सुने तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। बैठक में बंजारा हिल्स डिवीजन में चल रहे सड़क, ड्रेनेज, स्ट्रीट लाइट, पार्कों के विकास और स्वच्छता से जुड़े कार्यों की भी समीक्षा की गई। मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विकास कार्यों के पूर्ण होने तक नियमित निगरानी रखी जाए। इस समीक्षा बैठक में जीएचएमसी के डिप्टी कमिश्नर, अधीक्षण अभियंता (एसई), डिवीजन अधिकारी, जल बोर्ड एवं विद्युत विभाग के अधिकारी, बस्ती प्रतिनिधि और स्थानीय नेता उपस्थित रहे।

डीसीपी को भी मिले फर्जी ट्रैफिक चालान संदेश

नागरिकों को साइबर धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों के बीच खैरताबाद जोन की डीसीपी के. शिल्पावल्ली ने समय रहते चेतावनी जारी करते हुए खुलासा किया कि उन्हें भी हाल ही में अपने मोबाइल फोन पर फर्जी ट्रैफिक चालान से जुड़े संदेश प्राप्त हुए थे। डीसीपी के अनुसार तीन दिनों के भीतर उन्हें कई फर्जी एसएमएस मिले, जिनमें ट्रैफिक चालान जारी होने का दावा किया गया था और आधिकारिक पोर्टल जैसा दिखने वाला संदिग्ध लिंक भी भेजा गया था।

धोखाधड़ी की आशंका को भांपते हुए डीसीपी ने लिंक पर क्लिक नहीं किया। इसके बजाय उन्होंने केंद्र सरकार के संचार साथी (एसएफसी) पोर्टल पर इन संदेशों की तुरंत रिपोर्ट की और जन जागरूकता के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की। मंगलवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने नागरिकों को अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने की चेतावनी दी। डीसीपी ने लोगों से अपील की कि वे ऐसे संदिग्ध संदेशों की तुरंत रिपोर्ट करें, ताकि वित्तीय धोखाधड़ी को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए जागरूकता और त्वरित रिपोर्टिंग बेहद जरूरी है।

मोबाइल की लत से परेशान युवती ने की आत्महत्या

मेदक, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को हवेलीघनपुर मंडल के मुथैपल्ली गांव में मोबाइल की लत के कारण एक 19 वर्षीय युवती ने आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान सिरिशा के रूप में हुई है। बताया गया कि वह स्मार्टफोन की आदी थी और लगातार मोबाइल पर गेम खेलती रहती थी। इसी बात को लेकर उसकी मां ने उसे समझाया और थप्पड़ भी मारा था। पुलिस के अनुसार सोमवार को, जब उसके माता-पिता घर से बाहर थे, सिरिशा ने घर में रखी चूहे मारने वाली दवा पी ली। दोपहर में घर लौटने पर परिजनों ने उसे बेहोश अवस्था में पाया और तुरंत अस्पताल ले गए। मंगलवार तड़के इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच की जा रही है।

फोन टैपिंग नोटिस कोयला घोटाले से ध्यान भटकाने की कोशिश : कोप्पुला ईश्वर

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने मंगलवार को आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी सरकार ने फोन टैपिंग मामले में पूर्व मंत्री और बीआरएस नेता टी. हरीश राव को नोटिस जारी कर कथित कोयला खदान घोटाले से जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास किया है।

उन्होंने इस कदम की निंदा करते हुए कहा कि हरीश राव को पहले ही सर्वोच्च न्यायालय से क्लीन चिट मिल चुकी है। ईश्वर ने आरोप लगाया कि ये नोटिस मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के बहनोई सुजान रेड्डी को बचाने के उद्देश्य से जारी किए गए हैं, जो कथित रूप से कोयला खदान आवंटन घोटाले में शामिल हैं।

कोप्पुला ईश्वर ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से कई घोटाले सामने आए हैं, जिनमें सम्मक्का सारलम्मा टेंडरों, एचएएम सड़क परियोजनाओं, औद्योगिक भूमि आवंटन और करीब 1,600 करोड़ रुपये के कोयला खदान अनुबंध से जुड़े विवाद शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार से सवाल पूछने वालों को जांचों और नोटिसों के जरिए परेशान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री पर ध्यान भटकाने की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए ईश्वर ने कहा कि विपक्ष कथित अनियमितताओं को उजागर करता रहेगा। उन्होंने सभी आरोपित घोटालों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन की मांग की।

जीएम ने गुंतकल मंडल का किया सुरक्षा निरीक्षण

लोको पायलटों व ट्रेन प्रबंधकों से संवाद किया

गुंतकल, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को गुंतकल मंडल के अंतर्गत बल्लारी-गुंतकल-दोने-नंद्याल रेलखंड का विस्तृत सुरक्षा निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ गुंतकल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श चंद्रा एस. गुप्ता, प्रधान विभागाध्यक्ष तथा मुख्यालय व मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। महाप्रबंधक ने बल्लारी से रियर विंडो निरीक्षण की शुरूआत की, जिसमें उन्होंने रेलवे ट्रैक की सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान कर्व संख्या 19 (कि.मी. 283) एवं कर्व संख्या 22 (कि.मी. 238), लेवल क्रॉसिंग संख्या 118 एवं 154, सिग्नलिंग प्रणाली, पुलों तथा प्रमुख स्टेशनों का निरीक्षण किया। उन्होंने गेटमैनों से बातचीत कर कार्य स्थितियों की जानकारी ली। गुंतकल में महाप्रबंधक ने मेडिकल रिलीफ वैन एवं दुर्घटना राहत ट्रेन की तैयारियों एवं उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। इसके बाद गुंतकल रेलवे स्टेशन पर आयोजित सुरक्षा संगोष्ठी में भाग लेते हुए स्वचालित सिग्नलिंग एवं राइट हैंड सिग्नलों के स्थानों से संबंधित जानकारी पुस्तिकाओं का विमोचन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गुंतकल के क्रू लॉबी का दौरा किया, लोको पायलटों व ट्रेन प्रबंधकों से संवाद किया तथा रनिंग रूम में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। महाप्रबंधक ने धोने अमृत स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की भी समीक्षा की, जो 46.41 करोड़ रुपये की लागत से किए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने तथा यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए समय पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। पन्यम स्टेशन पर उन्होंने प्लेटफॉर्म पर यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा दिव्यांग शौचालयों का भी अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान पूर्व सांसद सूर्य प्रकाश रेड्डी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने महाप्रबंधक से मुलाकात कर स्थानीय आवश्यकताओं से संबंधित ज्ञापन सौंपे। श्रीवास्तव ने कर्मचारियों से भी बातचीत कर परिचालन संबंधी चुनौतियों की जानकारी ली और समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने मीडिया कर्मियों से भी संवाद किया।

जीओ 229 से सरकार और डॉक्टरों में टकराव

टीजीएमसी में नौकरशाही हस्तक्षेप का आरोप

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सरकारी आदेश 229 जारी होने के बाद राज्य सरकार और चिकित्सा जगत के बीच मतभेद और गहरे हो गए हैं। राज्य भर के वरिष्ठ डॉक्टरों ने तेलंगाना राज्य चिकित्सा परिषद (टीजीएमसी) में नौकरशाही हस्तक्षेप की आशंका जताते हुए नाराजगी जाहिर की है। सरकारी आदेश (जीओ एमएस संख्या 229) में मौजूदा चार पदेन सदस्यों के अलावा चार अतिरिक्त पदेन सदस्यों को टीजीएमसी में नामित करने का प्रस्ताव किया गया है। राज्य सरकार के इस कदम का डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने कड़ा विरोध किया है। बीते कई हफ्तों से वे राज्य भर में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

टीजीएमसी के वरिष्ठ सदस्यों ने कहा कि चिकित्सा जगत हमेशा से स्वनियमन की परंपरा पर गर्व करता रहा है, लेकिन यह आदेश स्वनियमन पर सीधा हमला है। उनका कहना है कि जिन नौकरशाहों को नैदानिक वास्तविकताओं और चिकित्सा नैतिकता की समझ नहीं है, वे डॉक्टरों की निगरानी कैसे कर सकते हैं। विभिन्न संगठनों से जुड़े डॉक्टरों का आरोप है कि यह आदेश मेडिकल काउंसिल द्वारा झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ की जा रही सख्त कार्रवाई को कमजोर करने का प्रयास है। पिछले 18 महीनों में टीजीएमसी ने हैदराबाद और आसपास के जिलों में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ करीब 500 एफआईआर दर्ज की हैं। हालांकि हाल के महीनों में निरीक्षण टीमों को छापेमारी के दौरान विरोध का सामना करना पड़ रहा है।

टीजीएमसी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कहा कि झोलाछाप डॉक्टरों का दुस्साहस बढ़ गया है और वे स्थानीय राजनीतिक प्रतिनिधियों की मदद से निरीक्षणों में बाधा डालते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि झोलाछाप चिकित्सा जनस्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। तेलंगाना स्थित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने भी चिंता जताते हुए कहा कि यदि मेडिकल काउंसिल सरकार के लिए केवल रबर स्टैंप बनकर रह गई, तो अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर गंभीर असर पड़ेगा और मरीजों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। परिषद के सदस्यों ने बताया कि आने वाले दिनों में वे इन मुद्दों को लेकर वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारियों और स्वास्थ्य मंत्री से दोबारा मुलाकात करेंगे और उम्मीद जताई कि सरकार उनकी बातों को गंभीरता से सुनेगी।

ऑटो चालकों की हड़ताल से यात्रियों को परेशानी

कई इलाकों में झड़प, यातायात प्रभावित

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ऑटो चालकों के संगठन अनौपचारिक श्रमिक एवं श्रमिक संघ (आईएलडब्ल्यूएफ) द्वारा मंगलवार को घोषित हड़ताल के दौरान शहर के विभिन्न इलाकों में यात्रियों और यूनियन सदस्यों के बीच झड़पें हुईं, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। आईएलडब्ल्यूएफ ने सरकार से जिले में पंजीकृत ऑटो और ऑटो कैब सेवाओं पर प्रतिबंध लगाने तथा महिलाओं के लिए महा लक्ष्मी मुफ्त बस यात्रा योजना लागू होने के बाद ऑटो चालकों को घोषित 12,000 रुपये की वित्तीय सहायता जारी करने की मांग को लेकर धरना और हड़ताल का आह्वान किया था।

सुबह से ही ऑटो यूनियन के सदस्य सड़कों पर चल रहे ऑटो रिक्शाओं को रोकते नजर आए और यात्रियों से उतरने के लिए कहते रहे। इससे कई स्थानों पर तनाव की स्थिति बन गई। कुछ इलाकों में पुलिस ने स्थिति संभालने की कोशिश की, लेकिन हड़ताल के चलते यात्रियों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालात पर नजर रखी जा रही है।

IN THE COURT OF THE HON'BLE PRL. SENIOR CIVIL JUDGE, AT: HYDERABAD
S.O.P: No. 2 OF 2026

BETWEEN:
Mrs. Rita Mishra & Others ...Plaintiff
AND
1. VENTURA Securities LTD,
2. All Concerned. ... Defendants

WHEREAS the above-named Petitioner/ Plaintiff has made as application to this Court Under Order VII Rule 1 & 2. You are i.e., D2 hereby wanted to appear in this court in person or by a pleader duly instructed on the **27th day of February 2026 at 10:30 O' Clock** in the forenoon to show cause of against the application, failing which the said application will be heard and determined ex-perty.

(BY ORDER OF THE HON'BLE COURT)
M/s K.RAMESH GOUD, G. SHILPA GOUD, Advocates,
H.No: 5-7, Shanthinagar, Hydershakote Village, Gandiapte Mandal, Ranga Reddy District, Telangana -500091.
Cell No: 9963631942

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I , SHABEEBUNNI, Legally Wedded Spouse of HAV SHAIK MASTHAN VALLI R/O: H.NO.14/52, MAHABOOB NAGAR, RANGA SAMUDRAM, PORUMAMILLA, CUDDAPAH, ANDHRA PRADESH – 516193 have changed my name from SHABEEBUNNI to SHAIK HABEEBUNNI and my Date of Birth is: 04-06-1989 vide affidavit dt.20/01/2026

I , No 14668261A, NK, Beerpal Singh , R/o, Dist: Mathura, Uttar Pradesh, changed my Mother's name from Pooran Devi to Puran Dei, vide Affidavit No 284370 dt. 19.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14647630Y, Hav, Amit Kumar Pandey, R/o, Dist: Hardoi, Uttar Pradesh, changed my Daughter's name from Puja to Puja Pandey, vide Affidavit No 284379 dt. 20.01.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 295 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.3, 2082 बुधवार, 21 जनवरी-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

समीर वानखेड़े के खिलाफ सीएटी ने रद्द किए अनुशासनात्मक आरोप, सीबीआईसी को लगाई फटकार

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) की प्रधान पीठ ने सोमवार को समीर वानखेड़े को बड़ी राहत दी। सीएटी ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) की ओर से भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी समीर वानखेड़े के खिलाफ लगाए गए अनुशासनात्मक आरोप को रद्द कर दिया। साथ ही अधिकारियों को आरोप पत्र के आधार पर आगे की कार्यवाही करने से रोक दिया। न्यायमूर्ति रंजीत मोरे (अध्यक्ष) और राजिंदर कश्यप (प्रशासनिक सदस्य) की पीठ ने 18 अगस्त 2025 को लगाए गए आरोपों को रद्द करते हुए कहा कि यह कानून और नियमों के अनुरूप नहीं है।

मैं कार्यकर्ता, वे मेरे बॉस : मोदी

> नबीन बने भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। नितिन नबीन मंगलवार को भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में उनके नाम का ऐलान किया गया। नितिन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। सोमवार को फुल टाइम अध्यक्ष पद के लिए उनका इकलौता नामांकन आया था, इसके बाद वे निर्विरोध पार्टी अध्यक्ष बन गए।

नए अध्यक्ष के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में पीएम मोदी ने उन्हें माला पहनाई। मोदी ने 55 मिनट के भाषण में कहा, भाजपा ऐसी पार्टी है, जहां लोगों को लगता होगा कि मोदीजी इतनी छोटी उम्र में मुख्यमंत्री बन गए। हेड ऑफ द गवर्नमेंट बन गए हैं। इन सबसे बड़ी चीज है कि मैं बीजेपी का कार्यकर्ता हूं। मैं मानता हूं कि नितिनजी मेरे बॉस हैं, मैं कार्यकर्ता हूं। अब वे मेरे काम का आकलन करेंगे। बतौर अध्यक्ष नितिन नबीन का पहला भाषण करीब 20 मिनट का रहा। उन्होंने कहा, हम ऐसे राजनीतिक दल से जुड़े हैं, जहां राजनीति सत्ता नहीं, साधना है। राजनीति भोग नहीं, त्याग है। राजनीति ऐशो-आराम नहीं, तपस्या है। राजनीति कोई पदभार नहीं, उत्तरदायित्व है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मेरा निर्वाचन एक साधारण कार्यकर्ता की असाधारण यात्रा को मिला सम्मान है। मोदी और नितिन नबीन से पहले पार्टी के पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा 10 मिनट बोले। उन्होंने कहा, नबीन की लीडरशिप में पार्टी नई राज्यों में अपनी पहुंच बढ़ाएगी। उन क्षेत्रों में भी कमल खिलेगा जहां अब तक भाजपा को सफलता नहीं मिली है, जैसे बंगाल, पुडुचेरी, तमिलनाडु, असम और केरल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने उत्तर भारत की उपेक्षा की। भाजपा ने उत्तर भारत को दिल से जोड़ा और दिल्ली से भी। उन्होंने कहा कि जिसे किसी ने पूछा नहीं, उसे मोदी ने पूजा है।

> नितिन ने कहा-साधारण कार्यकर्ता को असाधारण सम्मान मिला

पीएम मोदी ने कहा कि कभी भाजपा ने एक अलग तरह की पार्टी के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी। आज भाजपा सुशासन की पार्टी भी है। देश ने आजादी के बाद शासन के अलग-अलग मॉडल देखे हैं, कांग्रेस के परिवारवाद का मॉडल, लेफ्ट का मॉडल, क्षेत्रीय दलों का मॉडल, अस्थिर सरकारों का दौर... लेकिन आज देश, स्थिरता, सुशासन और संवेदनशीलता वाला भाजपा का विकास मॉडल देख रहा है। उन्होंने कहा, ये भाजपा ही है जिसने सामाजिक न्याय के नारे को सच्चे स्वरूप में जमीन पर उतारा है। हमने गरीब कल्याण की योजनाओं को सरकारी फाइलों से निकालकर गरीब के घर तक पहुंचाया है। आजादी के 70 वर्ष बाद सिर्फ तीन करोड़ ग्रामीण परिवारों तक ही पाइप से पानी पहुंच पाया था। माताओं बहनों की पीड़ा, पानी के लिए उनके संघर्ष की सुध लेने वाला कोई नहीं था। वो दर्द मैंने देखा है। मैं धरती की सच्चाई से जुड़ा था। माताओं-बहनों की पीड़ा, अपनी आंखों के सामने देखी थी और तब हम 'जल जीवन मिशन' लेकर आए हैं। सिर्फ 5-6 साल में 12 करोड़ से ज्यादा परिवारों को नल से जल की सुविधा से जोड़ा गया है।

महाराष्ट्र नतीजों ने बताया भाजपा पहली पसंद :

भाजपा सिर्फ संसद और विधानसभा की ही नहीं, बल्कि नगरपालिकाओं और नगर निगमों में भी पहली पसंद है। इसका ताजा उदाहरण महाराष्ट्र है।

> घुसपैठियों को देश लूटने नहीं देंगे

आज देश के सामने बहुत बड़ी चुनौती घुसपैठियों की है। दुनिया के समर्थ देश भी अपने देश में घुसपैठियों की जांच पड़ताल कर रहे हैं और उनको पकड़-पकड़ कर निकाल रहे हैं। दुनिया में कोई अपने देश में घुसपैठियों को स्वीकार नहीं करता, भारत भी घुसपैठियों को अपने गरीबों, युवाओं के हक लूटने नहीं दे सकता। घुसपैठिए देश की सुरक्षा के लिए बहुत बड़ा खतरा है, उनकी पहचान करके उन्हें वापस उनके देश भेजना बहुत जरूरी है। इसके अलावा ऐसे राजनीतिक दल जो वोट बैंक की राजनीति में घुसपैठियों को बचा रहे हैं, उन्हें हमें पूरी शक्ति से जनता के सामने बेनकाब करना होगा।

> कांग्रेस अपने पतन की जिम्मेदार

आज देश को याद भी नहीं होगा कि 1984 में कांग्रेस को 400 से अधिक सीटें मिली थीं और देश ने कांग्रेस को करीब-करीब 50 प्रतिशत वोट दिया था, लेकिन आज कांग्रेस 100 सीटों के लिए तरस गई है। कांग्रेस अपने इस घनघोर पतन की कभी समीक्षा नहीं करती, क्योंकि अगर समीक्षा करेंगे और पतन के कारणों पर जाएंगे तो उसी परिवार पर सवाल उठेंगे, जिस परिवार ने कांग्रेस पर कब्जा कर रखा है। और इसलिए बहाने ढूंढते रहते हैं। पतन का सही कारण ढूंढने की हिम्मत तक खो चुके हैं।

'मदर ऑफ ऑल डील्स' की दहलीज पर भारत

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। वैश्विक व्यापार में अनिश्चितताओं के बीच भारत और यूरोपीय संघ एक 'ऐतिहासिक व्यापार समझौते' के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच के दौरान संकेत दिया कि दोनों पक्ष इस बहुप्रतीक्षित समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तैयार हैं। इसे कुछ हलकों में मदर ऑफ ऑल डील्स कहा जा रहा है, जो दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्रों में से एक का निर्माण करेगा। उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने अपने संबोधन में साफ किया कि यह समझौता महज एक कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगा। माना जा रहा है कि सरकार एफटीए पर गणतंत्र दिवस के दौरान बड़ी घोषणा की तैयारी कर रही है।

राहुल गांधी को दादा फिरोज का खोया ड्राइविंग लाइसेंस मिला

रायबरेली में एक परिवार ने सहेजकर रखा था

रायबरेली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी रायबरेली दौरे पर थे। राहुल को उनके दादा और पूर्व सांसद फिरोज गांधी का दशकों पहले खोया हुआ ड्राइविंग लाइसेंस सौंपा गया। जिसे देखकर राहुल भावुक हो उठे। राहुल ने लाइसेंस को बड़े गौर से देखा और तुरंत उसकी तस्वीर अपने मोबाइल से अपनी मां सोनिया गांधी को वॉट्सऐप के जरिए भेजी। लाइसेंस को रायबरेली में एक परिवार ने सहेज कर रखा था। राहुल ने मंगलवार को रायबरेली प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया।

आयोजन समिति के सदस्य विकास सिंह ने राहुल गांधी को मंच पर फिरोज गांधी का लाइसेंस सौंपा। विकास सिंह ने बताया- कई साल पहले रायबरेली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उनके ससुर को यह ड्राइविंग लाइसेंस मिला था। उन्होंने इसे सुरक्षित रखा और उनके निधन के बाद उनकी पत्नी ने भी इसे संभालकर रखा। परिवार इस दस्तावेज को एक अमानत मानता था, जिसे सही समय पर गांधी परिवार को लौटाना उनका नैतिक कर्तव्य था। जब हमें पता चला कि राहुल गांधी रायबरेली आ रहे हैं, तो हमने तय किया कि यह अमानत उन्हें सौंप दी जाए। >14

'राष्ट्रगान का सम्मान किया जाना चाहिए'

राज्यपाल आरएन रवि नाराज होकर विधानसभा से निकले बाहर

चेन्नई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि मंगलवार को अपने उद्घाटन भाषण से पहले ही विधानसभा से बाहर चले गए। उन्होंने राष्ट्रगान के प्रति अनादर की भावना व्यक्त करते हुए निराशा जताई।

उन्होंने यह भी दावा किया कि कार्यवाही के दौरान उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया था। राज्यपाल ने कहा, मैं निराश हूं। राष्ट्रगान को उचित सम्मान नहीं दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके भाषण में बाधा डाली गई। सदन के अंदर स्थिति की वजह से तीखी बहस हुई। इसमें विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावु ने राज्यपाल से विधानसभा के नियमों और रीति-रिवाजों का पालन करने का आग्रह किया। बाद में राजभवन ने राज्यपाल के वॉकआउट के कारणों को साफ करते हुए एक बयान जारी किया। इस बयान में कहा गया, राज्यपाल का माइक बार-बार बंद कर दिया गया और उन्हें बोलने नहीं दिया गया। इसमें यह भी दावा किया गया कि दलितों के खिलाफ अत्याचार और दलित महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा जैसे मुद्दे तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन भाषण में इन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया गया। बयान में आगे आरोप लगाया गया कि राष्ट्रगान का एक बार फिर अपमान किया गया है और मौलिक संवैधानिक कर्तव्य की अवहेलना की गई है। यह इस तरह की पहली घटना नहीं थी। पिछले साल भी इसी तरह की एक घटना घटी थी जब राज्यपाल रवि विधानसभा से यह कहते हुए बाहर चले गए थे कि उन्हें गहरा दुख हुआ है और उन्होंने आरोप लगाया था कि भारत के संविधान और राष्ट्रगान का अपमान किया गया है।

गरीबों को भूखा रखना चाहती है सरकार : राहुल गांधी

रायबरेली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मनरेगा को खत्म करके सरकार वीबी-जी-राम-जी नाम से एक नया कानून लेकर आई है। इसे लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गाधी ने मोदी सरकार पर गरीबों के बजाय नौकरशाहों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। मनरेगा के विरोध में कांग्रेस देश भर में मनरेगा बचाओ अभियान चला रही है।

मनरेगा पर मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सत्ता को केंद्रीकृत करने, इसे नौकरशाही को सौंपने और गरीब नागरिकों को भूखा मरने के लिए छोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा मनरेगा का मकसद बेरोजगार ग्रामीणों को पैसे कमाने का जरिया देना था। लेकिन प्रधानमंत्री ऐसा नहीं चाहते, वे सत्ता को केंद्रीकृत करना चाहते हैं और इसे नौकरशाही को सौंपना चाहते हैं। वह गरीबों को भूखा मरने के लिए छोड़ना चाहते हैं। एक्ट में सुधार के नाम पर गरीबों का सुरक्षा कवच हटाया गया है। उन्होंने एक्ट से महात्मा गांधी के नाम को हटाने की भी निंदा की। कांग्रेस सांसद अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दो दिवसीय दौरे पर हैं। आज उन्होंने राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में यूथ स्पोर्ट्स एकेडमी रायबरेली द्वारा आयोजित रायबरेली प्रीमियर लीग का उद्घाटन किया। इसके साथ ही वे मनरेगा को खत्म करने के खिलाफ जनसभा को संबोधित किया। सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के कामों का भी उद्घाटन किया। दूसरे दिन के लिए, कांग्रेस सांसद की अपने गेस्ट हाउस में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक बैठक करेंगे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि नए कानून के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए एक व्यापक कार्यक्रम की योजना बनाई गई है।

पूर्व मंत्री हरीश राव को फोन टैपिंग मामले में समन, भड़की बीआरएस

> 'सीएम रेवंत जनता का ध्यान भटकाने में माहिर'

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर जनता का ध्यान भटकाने वाली राजनीति करने का आरोप लगाया।

बीआरएस की नेता सत्यवती राठौड़ ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री हरीश राव निर्दोष हैं और उनके खिलाफ फोन टैपिंग मामले में की जा रही कार्रवाई केवल जनता का ध्यान भटकाने के लिए है। यह बयान ऐसे समय आया है जब फोन टैपिंग मामले में नोटिस मिलने के बाद हरीश राव पूछताछ के लिए जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन पहुंचे। मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) को लेकर सत्यवती राठौड़ ने कहा कि एसआईटी के गठन को लगभग दो साल हो चुके हैं, लेकिन अब नए-नए नाम सामने लाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, आज एसआईटी अधिकारियों ने हमारे पूर्व मंत्री हरीश राव को पूछताछ के लिए बुलाया है। हरीश राव ने कोई गलत काम नहीं किया है। एसआईटी बने हुए लगभग दो साल हो गए हैं, फिर भी अब इस मामले में नए नाम जोड़े जा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी कमजोर पड़ रही है और लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ऐसे हथकंडे अपना रही है। रेवंत रेड्डी जनता का ध्यान भटकाने में विशेषज्ञ हैं।

इससे पहले हरीश राव ने फोन टैपिंग मामले में मिले नोटिस को राजनीतिक हथकंडा करार देते हुए खारिज किया। जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन पहुंचते समय उन्होंने मीडिया से कहा, यह सब राजनीतिक हथकंडे हैं। वहीं, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने भी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपने बहनोई सृजन रेड्डी से जुड़े कथित कोयला घोटाले में नाम सामने आने के बाद जनता का ध्यान भटकाने के लिए हरीश राव को फोन टैपिंग मामले में नोटिस भिजवाए हैं।

चिरंजीवी फिल्म टिकट दर वृद्धि मामला

सीवी आनंद को हाईकोर्ट का अवमानना नोटिस

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने फिल्म टिकटों की कीमतों में वृद्धि को लेकर एक बार फिर अहम आदेश जारी किए हैं।

मंगलवार को हाईकोर्ट ने फिल्म 'माना शंकरवरप्रसाद गारू' के टिकट दाम बढ़ाने की अनुमति देने वाले गृह विभाग के मेमो को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। इस मामले में न्यायालय ने गृह विभाग के प्रधान सचिव सीवी आनंद को स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) लेते हुए अवमानना नोटिस जारी किया। अदालत ने पूर्व आदेशों की अवहेलना करते हुए फिल्म टिकटों की कीमतें बढ़ाने के आदेश जारी किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। इस मामले में दायर याचिका पर अधिवक्ता विजय गोपाल ने दलीलें पेश कीं। उन्होंने तर्क दिया कि गृह विभाग के अधिकारी पहले दिए गए आदेशों का उल्लंघन कर रहे हैं। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि अधिकारियों ने अदालत से यह तथ्य छिपाया कि फिल्म 'माना शंकर वरप्रसाद' के टिकटों के दाम बढ़ा दिए गए हैं। इसके बाद हाईकोर्ट ने सीवी आनंद को अवमानना नोटिस जारी किया। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि टिकटों की कीमतें तेलंगाना सिनेमा विनियमन अधिनियम-1955 के अनुसार ही तय की जानी चाहिए। साथ ही अदालत ने आदेश दिया कि किसी भी फिल्म के टिकटों की कीमत बढ़ाने का निर्णय कम से कम 90 दिन पहले घोषित किया जाना चाहिए। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि पूर्व निर्देशों का पालन किए बिना इस तरह के आदेश दोबारा जारी न किए जाएं।

'फोर्ट विलियम में बैठकर बीजेपी का काम कर रहा सेना अधिकारी'

> ममता के आरोपों को लेकर राज्यपाल से मिले आर्मी के अफसर

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। इंडियन आर्मी की ईस्टर्न कमांड ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हालिया आरोप के संबंध में राज्यपाल सीवी आनंद बोस से दखल देने की मांग की है। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया था कि एक वरिष्ठ सेना अधिकारी फोर्ट विलियम में कमांड बेस का इस्तेमाल कर रहा था और बीजेपी के इशारे पर एसआईआर अभ्यास पर काम कर रहा था।

लोक भवन के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, कमांड हेडक्वार्टर फोर्ट विलियम के दो आर्मी जनरलों ने पिछले हफ्ते राज्यपाल बोस से मुलाकात की और एक पत्र सौंपा। इसमें कथित तौर पर बनर्जी के दावों पर आपत्ति जताई गई थी। हालांकि, बैठक में क्या हुआ यह तुरंत साफ नहीं हो पाया, लेकिन लोक भवन के अधिकारी ने कहा कि बोस ने मामले को गंभीरता से लिया है और इसे केंद्र में अधिकारियों के ध्यान में लाया है।

अधिकारी ने बताया, ऐसा समझा जाता है कि सेना अधिकारियों ने राज्यपाल से बात की और मामले में उनके दखल का अनुरोध किया। सेना मुख्यमंत्री की हालिया टिप्पणियों से नाराज है, जिसमें कहा गया था कि फोर्ट विलियम में तैनात रहते हुए फोर्स का एक कमांडेंट बीजेपी के लिए काम कर रहा था। संबंधित अधिकारी की पहचान के बारे में और ज्यादा डिटेल दिए बिना मुख्यमंत्री ने 13 जनवरी को दावा किया था कि सेना कर्मी राज्य में एसआईआर के मद्देनजर राजनीतिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कमांड बेस का इस्तेमाल कर रहा था। बनर्जी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा था, मेरे पास जानकारी है कि फोर्ट विलियम में एक कमांडेंट एसआईआर पर काम कर रहा है ताकि बीजेपी को समर्थन दिया जा सके। वह वहां बैठकर बीजेपी पार्टी कार्यालय का काम कर रहा है। >14

सिर्फ गाली-गलौच एससी/एसटी एक्ट का अपराध नहीं हो सकता

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के किसी सदस्य के विरूद्ध केवल अपशब्दों का प्रयोग करना अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत अपराध नहीं हो सकता। यह कानून तभी लागू किया जा सकता है जब आरोप जातिगत नाम से अपशब्द कहने का हो और वह भी सार्वजनिक रूप से।

आरोपों से यह स्पष्ट होना चाहिए कि अपशब्दों में जातिगत नाम का प्रयोग किया गया था, या जातिगत नाम का प्रयोग अपशब्द के रूप में किया गया था। उपरोक्त से यह स्पष्ट होता है कि धारा 3(1)(एस) में भी अपमान का तत्व मौजूद है। >14

'शहरीकरण से बढ़ा कूड़ा और उससे आवारा कुत्ते होते हैं इकट्ठा'

सुप्रीम कोर्ट में वकील की दलील

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को आवारा कुत्तों के मामले पर सुनवाई की। इस दौरान एक वकील ने दलील देते हुए कहा कि नगर पालिका के अधिकारी कूड़ा नहीं उठाते हैं, जिसकी वजह से वहां कुत्ते इकट्ठा हो जाते हैं। वकील ने कहा कि शहरीकरण की वजह से कूड़ा बढ़ा है।

शीर्ष अदालत में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ के समक्ष आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई के दौरान पीठ ने मुख्य रूप से संस्थागत परिसरों में आवारा कुत्तों के मुद्दे और नगर निगम अधिकारियों की विफलता पर ध्यान दिया।

मेनका गांधी के वकील से सुप्रीम कोर्ट ने पूछा क्या सवाल

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक आवारा कुत्तों के मामले में सुनवाई के दौरान एक अन्य वकील ने दलील देते हुए कहा कि नसबंदी आदि की जिम्मेदारी अधिकारियों की है। वहीं, मेनका गांधी की ओर से पेश हुए वकील रामचंद्रन की एक दलील पर न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने सवाल पूछते हुए कहा, आपकी मुवक्किल मंत्री रह चुकी हैं और पशु अधिकार कार्यकर्ता हैं। हमें बताए कि आपके आवेदन में बजट आवंटन का जिक्र क्यों नहीं है। इन क्षेत्रों में आपके मुवक्किल का क्या योगदान रहा है? इस पर वकील रामचंद्रन ने कहा कि मैं इसका मौखिक उत्तर नहीं दे सकता।

सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने दलील दी, कुत्ते पालने वाले लोग कुत्तों के व्यवहार को समझते हैं। वे बीमार कुत्तों की पहचान कर सकते हैं। खाना खिलाने से कुत्ते इधर-उधर भटकना बंद कर देते हैं, आपस में लड़ते नहीं हैं। कोई बीमारी नहीं फैलती। प्रति कुत्ता प्रति वर्ष 18250 रुपये का खर्च आता है।

वकील की दलील- सहानुभूति को दंडित नहीं किया जा सकता

उन्होंने कहा, हम कुत्तों को क्यों हटाने की कोशिश कर रहे हैं? इस पैसे का इस्तेमाल लोगों (जैसे अनाथ बच्चों) को फुटपाथ से हटाने के लिए किया जा सकता है।

खाना खिलाने वाले लोग जनहित में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, एक खाना खिलाने वाले के रूप में मैं भी इन सभी बातों के दायरे में आता हूं। तंजानिया में भी कुत्तों की संख्या और काटने की घटनाओं में कमी आई है। सहानुभूति को दंडित नहीं किया जा सकता।

बिहार में जमीन माप प्रक्रिया होगी तेज, पारदर्शी और समयबद्ध : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पटना, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यवासियों को बड़ी राहत देते हुए जमीन माप प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने यह जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर की है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बताया कि 20 नवंबर 2025 को नई सरकार के गठन के बाद बिहार को देश के सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के उद्देश्य से 'सात निश्चय-3 (2025-30)' कार्यक्रम लागू किया गया है। इसके सातवें निश्चय 'सबका सम्मान–जीवन आसान' का मूल उद्देश्य आम नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली परेशानियों को कम करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अक्सर यह देखने को मिलता है कि जमीन मापी के लिए आवेदन देने के बाद प्रक्रिया पूरी होने में काफी समय लग जाता है। इससे न केवल लोगों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, बल्कि समय पर मापी नहीं होने के कारण भूमि विवाद भी उत्पन्न हो जाते हैं। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने भूमि मापी व्यवस्था में व्यापक सुधार करने का निर्णय लिया है।

नीतीश कुमार ने आगे बताया कि 31 जनवरी 2026 तक विशेष भूमि मापी अभियान चलाकर जमीन मापी से जुड़े सभी लंबित आवेदनों का निपटारा कर दिया जाएगा। इसके साथ ही 1 अप्रैल 2026 से नई व्यवस्था लागू की जाएगी, जिसके तहत अविवादित जमीन माप के लिए शुल्क जमा होने के अधिकतम 7 कार्य दिवस के भीतर माप सुनिश्चित की जाएगी। वहीं, विवादित जमीन की माप अधिकतम 11 कार्य दिवस में पूरी की जाएगी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि माप प्रक्रिया पूरी होने के बाद अमीन द्वारा मापी का प्रतिवेदन अनिवार्य रूप से आवेदक की आवेदन तिथि के 14वें दिन निर्धारित पोर्टल पर अपलोड करना होगा। इससे पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी और आवेदकों को समय पर जानकारी मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर जमीन माप सुनिश्चित करने के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग आवश्यक कर्मचारियों और संसाधनों की व्यवस्था करेगा। साथ ही पूरी प्रक्रिया की सख्त निगरानी भी की जाएगी ताकि किसी स्तर पर लापरवाही न हो।

नीतीश कुमार ने विश्वास जताया कि जमीन मापी प्रक्रिया को सरल बनाने की यह पहल प्रदेशवासियों के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होगी और भूमि विवादों में कमी आएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि इस नई व्यवस्था को लेकर कोई अन्य सुझाव हों, तो वे 25 जनवरी तक निर्धारित माध्यमों से अपने बहुमूल्य सुझाव सरकार तक अवश्य पहुंचाएं।

एटा हत्याकांड का खुलासा

घर का मुखिया ही निकला माता-पिता, पत्नी और बेटी का कातिल

एटा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। एटा में हुए सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पूरे परिवार को खत्म करने वाला कोई और नहीं, बल्कि बेटी ही निकला। उसने माता-पिता, पत्नी और बेटी को बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपी ने हत्या की बात को स्वीकार किया है। दोपहर में डीआईजी अलीगढ़ रेंज औपचारिक रूप से घटना का खुलासा करेंगे। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार कमल सिंह ने इस हत्याकांड को दहेज के लिए मांगी गई रकम के लिए अंजाम दिया। तीन दिन पूर्व उसका मां से विवाद हुआ था। उसने अपनी मां से बेटी ज्योति के विवाह में दहेज देने के लिए कुछ रकम मांगी थी। मां ने देने से मना कर दिया, जिसके बाद घर में झगड़ा हो गया था। उधर मंगलवार सुबह एक साथ चार लाशें पहुंची, तो देखने वालों के आंसू भी छलक पड़े।

इंजीनियर युवराज की मौत मामले की जांच में जुटी एसआईटी

नोएडा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मॉल के बेसमेंट के लिए नोएडा में खोदे गए गड्ढे में भरे पानी में डूबकर युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत पर बढ़ते आक्रोश के बीच राज्य सरकार ने नोएडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) लोकेश एम को हटा दिया।

इस घटना की निष्पक्ष और गहन जांच के लिए मुख्यमंत्री के आदेश पर तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। एसआईटी ने अपना काम शुरू कर दिया है और नोएडा प्राधिकरण पहुंचकर जांच में जुट गई है। करीब 2 घंटे नोएडा प्राधिकरण दफ्तर में रहने के बाद, एसआईटी घटनास्थल के लिए रवाना हुई। एसआईटी से पांच दिन में जांच रिपोर्ट तलब की गई है। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उधर, मामले में नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस ने एमजेड विजटाउन के मालिक बिल्डर अभय कुमार को गिरफ्तार किया है। एसआईटी का नेतृत्व एडीजी जोन मेरठ करेंगे। उनके साथ

पुलिस ने बिल्डर को किया गिरफ्तार

मंडलायुक्त मेरठ और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के चीफ इंजीनियर को भी टीम में शामिल किया गया है। जांच टीम को हादसे के कारणों, संबंधित विभागों की भूमिका, लापरवाही की जिम्मेदारी और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपायों की विस्तृत पड़ताल करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल

सेक्टर-150 क्षेत्र में भारी जलभराव के दौरान सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार पानी से भरे गड्ढे/अंडरपास में फंस गई थी, जिससे कार समेत व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय प्रशासन, विकास प्राधिकरण और संबंधित एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे।

ये जांच भी करेगी एसआईटी

एसआईटी क्षेत्र में जलनिकासी व्यवस्था, सड़क निर्माण की गुणवत्ता, चेतावनी संकेतों की मौजूदगी और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की भी जांच करेगी।

युवराज की पोस्टमार्टम रिपोर्ट

ग्रेटर नोएडा सेक्टर-150 में सड़क हादसे के बाद दलदल में डूबे सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज की मौत को लेकर पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आ गई है। रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि युवराज की मृत्यु का कारण दम घुटना बताया गया है। पोस्टमार्टम के अनुसार उनके फेफड़ों में करीब साढ़े तीन लीटर पानी भरा हुआ पाया गया, जिससे यह साबित होता है कि वह काफी देर तक पानी में डूबे रहे। डॉक्टरों की रिपोर्ट में कहा गया है कि लंबे समय तक पानी में रहने से उनके फेफड़ों में भारी मात्रा में पानी चला गया, जिससे ऑक्सीजन की आपूर्ति रुक गई और दम घुटने की स्थिति पैदा हुई। इसी दौरान शरीर पर अत्यधिक दबाव पड़ने से हार्ट फेलियर भी हुआ, जो मौत का तत्काल कारण बना।

बांके बिहारी मंदिर की कोटा में मिली 15 हेक्टेयर जमीन, हुआ फैसला

अब देशभर में अन्य संपत्तियों की होगी तलाश

मथुरा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा-वृंदावन स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। मंदिर प्रबंधन की ओर से ठाकुर जी से जुड़ी संपत्तियों की खोज का निर्णय लिया गया है।

दरअसल, राजस्थान के कोटा जिले में मंदिर की करीब 15 हेक्टेयर बेशकीमती जमीन मिली है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनी बांके बिहारी मंदिर की हाईपावर्ड कमेटी ने न केवल इस जमीन को ट्रेस किया है, बल्कि स्थानीय प्रशासन से संपर्क कर इसके मूल दस्तावेज भी हासिल कर लिए हैं। अब इसी तर्ज पर देशभर में बांके बिहारी मंदिर की अन्य संपत्तियों की तलाश की जाएगी।

वृंदावन के लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन में अशोक कुमार की अध्यक्षता में हुई कमेटी की बैठक में 17 अहम बिंदुओं पर चर्चा हुई। कमेटी ने निर्णय लिया है कि वे देशभर के अलग-अलग राज्यों के मुख्य सचिवों से संपर्क करेंगे। इसका उद्देश्य उन जमीनों और संपत्तियों का पता लगाना है जो कागजों में मंदिर के नाम दर्ज हैं लेकिन फिलहाल प्रबंधन की जानकारी में नहीं हैं।

अध्यक्ष ने की घोषणा

श्री बांके बिहारी मंदिर हाई पावर्ड कमेटी के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश अशोक कुमार ने बताया कि कोटा में जमीन मिलने के बाद अब हमारा फोकस देशभर में मंदिर की संपत्तियों को व्यवस्थित करने पर है। इसके लिए राज्यों के शीर्ष अधिकारियों से मदद ली जाएगी। इससे मंदिर की अन्य संपत्तियों का पता लगाया जा सकेगा। इतिहासकारों और प्राचीन ग्रंथों के अनुसार, बांके बिहारी जी की संपत्तियां विभाजन से पूर्व के संयुक्त भारत के उन हिस्सों में भी हैं, जो अब पाकिस्तान में हैं।

मेला प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद को जारी किया नोटिस

कहा-साक्ष्य दें कि आप शंकराचार्य हैं

प्रयागराज, 20 जनवरी (एजेंसियां)। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को नोटिस जारी किया है। 24 घंटे में जवाब मांगा है कि साबित करें की आप ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य हैं। उधर, शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि वह भी मेला प्रशासन को नोटिस जारी करेंगे। कहा कि सुप्रीम कोर्ट के रोक के बाद बी आपने अपने नाम के आगे शंकराचार्य लगाया है, जो कि गलत है।

मौनी अमावस्या पर स्नान को लेकर मेला प्रशासन और शंकराचार्य में काफी विवाद हो गया था। इसके बाद अविमुक्तेश्वरानंद को बिना स्नान किए ही शिविर में लौटा दिया गया था। आरोप है कि पुलिस ने शंकराचार्य के शिष्यों को मारा पीटा और उनका बाल पकड़कर घसीटा। सोमवार को मीडिया के सामने शंकराचार्य ने अपने उन शिष्यों को पेश किया

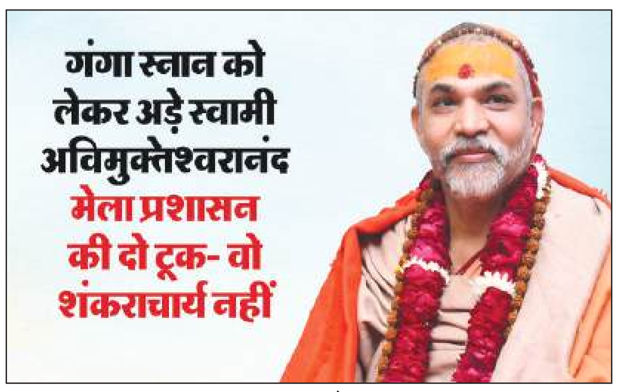

जिनके साथ पुलिस ने ज्यादती की है। शंकराचार्य ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ईशारे पर उनके साथ अभद्रता की गई और उन्हें संगम स्नान करने से रोका गया। उनकी हत्या का प्रयास किया गया। अगर वह रथ से उतर जाते तो उनकी हत्या हो जाती। सादे कपड़ों में पहुंचे पुलिस के जवानों ने उनका अपहरण करने का प्रयास किया। पांच घंटे तक उनको अज्ञात स्थान पर रखा गया और शाम को उनको शिविर के सामने पहुंचा दिया गया। हालांकि मेला प्रशासन ने शंकराचार्य के आरोपों का खंडन किया। कहा कि वह शंकराचार्य नहीं नहीं, इसलिए उनको शंकराचार्य का प्रोटोकाल नहीं दिया गया। अब मेला प्रशासन ने नोटिस जारी करके अविमुक्तेश्वरानंद से उनके शंकराचार्य होने का प्रमाण मांग लिया है। इसके लिए 24 घंटे का समय दिया है। इसका उत्तर देने के लिए अविमुक्तेश्वरानंद ने दोपहर तीन बजे प्रेसवार्ता बुलाई है। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि वह भी मेला प्रशासन को नोटिस जारी करेंगे।

तीसरे दिन भी जारी रहा शंकराचार्य का धरना

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का धरना तीसरे दिन भी जारी है। माघ मेले में त्रिवेणी मार्ग पर वह अपने शिविर के सामने फुटपाथ पर बैठे हुए हैं। यहां पर बड़ी संख्या में साधु संतों के साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग उनके समर्थन में पहुंच रहे हैं।

शंकराचार्य मेला प्रशासन से माफी मांगने पर अड़े हैं। कहा कि वह तब तक शिविर में प्रवेश नहीं करेंगे जब तक कि ससम्मान उनको संगम में स्नान करा कर शिविर में प्रवेश नहीं कराया जाता। यह भी कहा कि वह अगले साल भी मेले में आएंगे और इसी तरह फुटपाथ पर बैठेंगे और शिविर में प्रवेश नहीं करेंगे।

'बकाया तीन लाख दो, तब मिलेगी लाश'

समर्थकों संग अस्पताल पहुंचकर सपा विधायक ने किया हंगामा

लखनऊ, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में गोमतीनगर विस्तार स्थित इकाना मेडिकेयर एंड रिसर्च सेंटर में मरीज की मौत के बाद शव न देने पर रविवार रात सपा विधायक ने समर्थकों के साथ अस्पताल पहुंचकर हंगामा किया। आरोप है कि स्टाफ से अभद्रता भी की। अस्पताल संचालक ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज व साक्ष्य के आधार पर जांच कर रही है। 55 वर्षीय अरबाज गोमतीनगर विस्तार स्थित इकाना मेडिकेयर एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती थे। आंत फटी होने के साथ उन्हें कई अन्य गंभीर समस्याएं थीं।

वह करीब 25 दिन से वेंटिलेटर पर थे। रविवार दोपहर उनकी मौत हो गई। अस्पताल प्रशासन ने बकाया तीन लाख रुपये अदा कर शव ले जाने के लिए कहा। रात करीब 9 बजे सपा विधायक अपने समर्थकों के साथ अस्पताल पहुंच गए और शव रोकने का आरोप लगाकर हंगामा किया। इसके बाद बकाया बिल भुगतान किए ही शव लेकर चले गए। अस्पताल के प्रबंधक निदेशक डॉ. शिवम कृष्णन ने सपा विधायक व उनके समर्थकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए तहरीर दी है।

एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत से मातम

सहारनपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जनपद में सरसावा कस्बे की कौशिक विहार कॉलोनी में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक किराए के मकान में संग्रह अमीन अशोक (40), उनकी पत्नी अंजिता (35), मां विद्यावती (70) और दो बेटे कार्तिक (16) व देव (13) के गोली लगे शव बरामद हुए।

पुलिस के अनुसार अशोक की कनपटी पर गोली लगी थी, जबकि परिवार के अन्य चार सदस्यों को माथे पर गोली मारी गई है। सभी के शव अपने-अपने बिस्तरों पर पड़े मिले। पुलिस ने प्रथम दृष्टया हत्या के बाद आत्महत्या की आशंका जताई है। अशोक मूल रूप से गांव खारीबांस के रहने वाले थे और पिछले दो वर्षों से कौशिक विहार कॉलोनी में मांगे राम के मकान में किराए पर रह रहे थे। सरसावा के सावन विहार में रहने वाली उनकी बहन पिंकेश ने मंगलवार सुबह भाई को फोन किया, लेकिन कॉल रिसीव नहीं हुई। शक होने पर वह अपने बेटे प्रीत के साथ भाई के घर पहुंची। घर का दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज देने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद प्रीत ने सीढ़ी लगाकर घर में प्रवेश किया और किसी तरह दरवाजा खोला। अंदर का दृश्य देख परिवार के होश उड़ गए। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके से पुलिस को एक तमंचा भी बरामद हुआ है। पुलिस प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या का मामला मानकर जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और साक्ष्य जुटाए।

मुझे मजबूर किया गया, टूटी नहीं हूं

राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने कहा, मेरे पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला

प्रतापगढ़, 20 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ के कुंडा विधायक और जनसत्ता पार्टी लोकतांत्रिक प्रमुख रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया और पत्नी भानवी सिंह विवाद में नया मोड़ आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट को मामले में अहम निर्देश जारी किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट से कहा है कि वह इस मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी किए गए समन पर लगी रोक से संबंधित याचिका पर चार महीने के भीतर फैसला सुनाए। राजा भैया की पत्नी पत्नी भानवी सिंह से जुड़ी घरेलू हिंसा के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यह निर्देश जारी किए।

मामला भानवी सिंह की ओर से दायर घरेलू हिंसा की शिकायत से जुड़ा हुआ है। भानवी सिंह ने यह याचिका दिल्ली की एक स्थानीय कोर्ट में दाखिल की थी। अभी वह लंबित है। ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में राजा भैया को समन जारी किया था। कुंडा विधायक मामले में हाई कोर्ट चले गए। दिल्ली हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के समन पर रोक लगा दी। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में हाई कोर्ट को अहम आदेश जारी किए हैं।

भानवी सिंह ने बोला हमला

सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद एक बार फिर भानवी सिंह ने राजा भैया पर हमला बोला। भानवी सिंह ने पति पर लंबे समय से शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया। फिलहाल, दोनों अलग रह रहे हैं और तलाक का केस चल रहा है। राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने इस मामले में मीडिया से बातचीत में कहा कि मैं अपने अधिकारों के लिए लड़ रही हूं और मुझे यह कदम उठाने पर मजबूर किया गया है।

भानवी सिंह ने कहा कि एक महिला की शादी होती है और उसे 'पर्दा' प्रथा मानने के लिए मजबूर किया जाता है। वह तीन बेटियों को जन्म देती है। इसके बाद उसे बताया जाता है कि क्योंकि वह बेटा पैदा नहीं कर पाई, इसलिए उसके पति को दूसरी शादी करनी पड़ेगी। इसके बाद वह इलाज के लिए मुंबई जाती है। बाद में परिवार की वंश परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए दो बेटों को जन्म देती है। इसके बाद भी सम्मान नहीं मिलता।

लगाया गंभीर आरोप

भानवी सिंह ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि दूसरी महिलाओं के जब घर में आने पर आपत्ति की हमें बहुत ज़्यादा घरेलू हिंसा का सामना करना पड़ा।

हमें मेडिकल इलाज भी नहीं दिया जाता था। मेरे जैसी बहुत सी महिलाएं हैं जो यह सब चुपचाप सहती हैं। कुछ बोल नहीं पाती हैं। उन्होंने कहा कि बाद में हमसे प्रॉपर्टी उनके नौकरों, ड्राइवर, कुक और अनजान आदमियों के नाम ट्रांसफर करने के लिए उसके जाली दस्तखत कराए गए।

मायावती ने संसद और राज्य विधानमंडलों के सत्रों के घटते समय और हंगामे पर जताई चिंता

लखनऊ, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने संसद और राज्य विधानमंडलों के सत्रों के लगातार घटते समय, बार-बार होने वाले हंगामे और स्थगन को लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया।

उन्होंने कहा कि लखनऊ में आयोजित 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान विधानमंडलों की कार्यवाही के घटते समय पर व्यक्त की गई चिंता पूरी तरह उचित, सामयिक और सराहनीय है, जिस पर सरकार और विपक्ष दोनों को अति-गंभीर होकर ठोस अमल करना चाहिए। बसपा मुखिया मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''देश में संसद और राज्य विधानमंडलों के सत्र के घटते समय के साथ-साथ हर बार इनके भारी हंगामेदार एवं स्थगन आदि से इनकी जन उपयोगिता का घटता प्रभाव अक्सर गंभीर चिंता का विषय रहा है।

बुखार के बाद 43 हुए दिव्यांग

उम्र 14 माह से 22 साल के बीच, परिवार ने रस्सी से बांधा; 11 गांव में बीमारी

गाजीपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। गाजीपुर जिले के तीन ब्लॉकों के 11 गांवों में 43 बच्चे व युवा ऐसे मिले हैं, जिन्हें बुखार के बाद झटका आया और फिर दिव्यांगता के शिकार हो गए। इस बीमारी के कारण पीड़ित मानसिक रूप से कमजोर हो गए हैं। मां-बाप इनको चेन व रस्सी से बांध कर रखते हैं। पीड़ितों में 14 माह के बच्चे से लेकर 22 साल तक के युवा हैं। प्रभावित छह गांव करीब 5 किमी के दायरे में स्थित हैं। डीएम के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित गांवों में कैंप लगाकर बीमारों की जांच की।

सीएमओं ने जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी है। इधर, बीएचयू के न्यूरोलॉजी विभाग के प्रो. विजयनाथ मिश्रा का कहना है कि बीमारी का अध्ययन करने के लिए एक टीम जाएगी, जो कारणों का पता लगाएगी। समाजसेवी सिद्धार्थ राय ने करीब तीन माह पूर्व एक मुट्ठी अनाज मांगने का

अभियान शुरू किया था, उसी दौरान इस बीमारी का पता चला था। उन्होंने बताया कि सदर, देवकली और मनिहारी ब्लॉक पहुंचे तो बच्चों की यह दशा देख आंखें भर आईं। शहर से करीब पांच से छह किमी दूर स्थित फत्तेहउल्लाहपुर के बहादीपुर में 4 बच्चे, मनिहार ब्लॉक के हरिहरपुर में 4, हाला गांव में 6, देवकली ब्लॉक के शिकारपुर में 8, धारीकला में 4, तारडीह में 7, सदर ब्लॉक के भौरहा में 2, बुढ़नपुर में 2, राठौली सराय 4, खिजीरपुर और खुटहन में 1-1 बच्चे इस बीमारी से ग्रसित हैं।

हाला गांव के बनवारी राम, गोविंद राम, अजय, हरिलाल, राजनाथ, सोनू, जनार्दन यादव, अमरनाथ, हरिहरपुर के चौथीराम, शिवशरण, राजू चौहान, बहादीपुर के सुनील बिंद ने बताया कि यह स्थिति करीब तीन माह से है। कई बच्चों का पीजीआई तक उपचार कराया गया। इसके बावजूद कोई फायदा नहीं हुआ।

सीएमओ के नेतृत्व में मेडिकल टीम पहुंची जांच करने

डीएम अविनाश कुमार ने सीएमओ डॉ. एसके पांडेय को इन गांवों में मेडिकल शिविर लगाकर उपचार करने के निर्देश दिए थे। सोमवार को सीएमओ के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने इन गांवों में कैंप लगाकर बच्चों की जांच की। वहीं, दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी पारसनाथ यादव के नेतृत्व में भी टीम ने जांच शुरू कर दी है।

जंजीरों में बंधा बचपन, मां-बाप हैं बेबस

समाजसेवी सिद्धार्थ राय ने बताया कि बीमारी की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कई गांवों में माता-पिता अपने बच्चों को रस्सियों या लोहे की चेन से बांधकर रखने को विवश हैं। परिजन बताते हैं कि मानसिक संतुलन बिगड़ने के कारण बच्चे भाग जाते हैं या खुद को और दूसरों को चोट पहुंचाते हैं।

'हॉस्टल में छात्रा का मर्डर हुआ तो अब तक हॉस्टल संचालक गिरफ्तार क्यों नहीं'

पटना, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से सांसद और कांग्रेस नेता पप्पू यादव ने पटना की नीट छात्रा की मौत के मामले को हत्या बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हॉस्टल में एक मर्डर हुआ है और पूरे मामले को दबाने की कोशिश की गई।

अभी तक मामले में हॉस्टल संचालक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने मंगलवार को पटना के गर्ल्स हॉस्टल का दौरा किया। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, सब लोग मिले हुए हैं। मैं लगातार कह रहा हूं कि छात्रा की हत्या को लेकर कोई हॉस्टल नहीं ले रहा है। इस हॉस्टल का रजिस्ट्रेशन भी नहीं है। पहले ही मामले को दबाने की कोशिश की गई। पप्पू यादव ने पूछा, मामले को आत्महत्या का रूप क्यों दिया जा रहा है? क्यों हॉस्टल संचालक को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया? पीएमसीएच पर भरोसा क्यों नहीं है? वहां हुए पोस्टमार्टम पर भरोसा क्यों नहीं किया गया? क्या कोई बेटी सुरक्षित है? सीसीटीवी कैमरे बंद क्यों रखे गए हैं? उन्होंने कहा कि हॉस्टल संचालक को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया जाना चाहिए।

इस मामले की गहनता से जांच होनी चाहिए। पप्पू यादव ने कहा कि हम लोग हाईकोर्ट जा रहे हैं और सीबीआई जांच की मांग करेंगे। राहुल गांधी के 'भाजपा और आरएसएस चाहते हैं कि देश के लोग चुप रहें' वाले बयान पर पप्पू यादव ने कहा, सुप्रीम कोर्ट पहले ही यह कह चुका है।

गोशाला में भूख से मरे गोवंश-ग्राम विकास अधिकारी निलंबित, डीएम ने कहा-लापरवाही बर्दाश्त नहीं

बरेली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बरेली जिले के मझगवां ब्लॉक के गांव अनिरुद्धपुर की वृहद गोशाला में भूख से पांच पशुओं की मौत के मामले में ग्राम विकास अधिकारी (सचिव) शिप्रा सिंह को निलंबित कर दिया गया है। ग्राम प्रधान रचना देवी, उसके पति दिनेश कुमार सहित केयरटेकरों के विरुद्ध अलीगंज थाने में पहले ही एफआईआर हो चुकी है। सीडीओ की संस्तुति पर डीएम ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (सीवीओ) डॉ. मनमोहन पांडेय के स्थानांतरण और पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय वर्मा के निलंबन के लिए निदेशक पशुपालन विभाग को पत्र लिखा है।

मणिकर्णिका घाट अपने इतिहास में नया अध्याय जोड़ने की तैयारी में?

काशी के हृदय में धधकती मणिकर्णिका केवल एक श्मशान नहीं है। यह सनातन चेतना का वह शिखर है जहां जीवन और मृत्यु आमने-सामने खड़े होकर भी विरोधी नहीं, पूरक बन जाते हैं। यहीं मृत्यु मंगल बनती है, और यहीं अहंकार का अंतिम संस्कार होता है। लेकिन विडंबना यह है कि आज इसी मणिकर्णिका के कायाकल्प पर सबसे तीखा विरोध वही लोग कर रहे हैं, जिनका इतिहास सनातन से नहीं, सनातन के अपमान से जुड़ा रहा है। यह विरोध विकास का नहीं है; यह मानसिक गुलामी, वैचारिक कुंठा और सत्ता छिनने की बेचैनी का शोर है। लेकिन उन्हें जान लेना होगा कि काशी के महाश्मशान मणिकर्णिका घाट की पहचान अब केवल परंपरा और आस्था तक सीमित नहीं रहने वाली। सदियों से निरंतर जलती चिताओं का साक्षी यह घाट अब अपने इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने जा रहा है।

गंगा तट पर स्थित इस विश्वप्रसिद्ध महाश्मशान की तस्वीर तेज़ी से बदल रही है और इसके पुनर्निर्माण का मॉडल सामने आने के बाद लोगों की जिज्ञासा और बढ़ गई है, आखिर नया मणिकर्णिका घाट कैसा होगा और इसमें शवयात्रियों व परिजनों के लिए क्या-क्या सुविधाएं होंगी? तकरीबन 17.56 करोड़ रुपये की लागत से मणिकर्णिका घाट को नया और सुव्यवस्थित स्वरूप दिया जा रहा है। वर्तमान में घाट की पुरानी सीढ़ियों पर स्ट्रेचर के समतलीकरण का कार्य चल रहा है ताकि शवयात्रियों को कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। परियोजना के तहत घाट पर व्यूइंग गैलरी, रैंप, और बैठने की समुचित व्यवस्था विकसित की जा रही है। इसके साथ ही पर्याप्त लाइटिंग, वेटिंग रूम, शौचालय, पेयजल, वेंडिंग ज़ोन और लकड़ी के भंडारण के लिए विशेष स्थान निर्धारित किए जा रहे हैं। घाट और आसपास की गलियों को गंदगी से मुक्त रखने के लिए आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया जा रहा है, ताकि सीवेज का पानी खुले में न बहे।

पुनर्निर्माण परियोजना के तहत कुल 18 शवदाह संरचनाओं का निर्माण होगा। इनमें 10 पुरानी दाह संरचनाओं का जीर्णोद्धार, 8 नई दाह संरचनाओं का निर्माण शामिल है। इन सभी शवदाह स्थलों को एलिवेटेड प्लेटफॉर्म पर विकसित किया जाएगा, जहाँ कम लकड़ी के उपयोग के साथ पूर्ण शास्त्रीय विधि-विधान से अंतिम संस्कार संपन्न किया जा सकेगा। इससे न केवल पर्यावरण प्रदूषण में कमी आएगी, बल्कि गंगा संरक्षण को भी बल मिलेगा। खास यह है कि जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने स्पष्ट किया है कि इस परियोजना के दौरान मणिकर्णिका घाट पर स्थित किसी भी धार्मिक स्थल या ऐतिहासिक धरोहर को हटाया नहीं जाएगा, बल्कि उनका संरक्षण किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत विष्णुपादुका, दत्तात्रेय पादुका, मणिकर्णिका कुंड सहित अन्य प्राचीन मंदिरों का संरक्षण और सौंदर्यीकरण किया जाएगा, ताकि काशी का सनातन स्वरूप और अधिक स्पष्ट होकर सामने आए। यह परियोजना रूपा फाउंडेशन के सीएसआर फंड से संचालित की जा रही है, जिसकी आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी थी। परियोजना पूर्ण होने के बाद प्रतिदिन 100 से 150 शवों का अंतिम संस्कार सुव्यवस्थित ढंग से किया जा सकेगा। मतलब साफ है यह केवल विकास परियोजना नहीं है, यह वैचारिक पुनर्जागरण है। यह संदेश है कि सनातन अब शर्म से सिर झुकाकर नहीं जिएगा। वह अपने तीर्थों को सहेजेगा, सँवारेगा और गर्व से प्रस्तुत करेगा। अब फैसला साफ होना चाहिए, देश को तय करना होगा, क्या कुछ नेता और वैचारिक गिरोह यह तय करेंगे कि हमारी आस्था कैसी दिखे? या फिर करोड़ों सनातनियों की भावना के अनुसार तीर्थों का विकास होगा? मणिकर्णिका किसी पार्टी की नहीं, किसी नेता की नहीं, यह भारत की आत्मा का हिस्सा है। जो लोग आज इसके उत्थान से डर रहे हैं, वे डरते रहें। काशी रही है, काशी है, काशी रहेगी। काशी की आत्मा मणिकर्णिका केवल एक श्मशान नहीं, बल्कि सनातन दर्शन का जीवंत प्रमाण है, जहाँ मृत्यु भी उत्सव है और अंत भी मोक्ष

सुरेश गांधी

का द्वार। किंतु विडंबना यह है कि आज इसी मणिकर्णिका के स्वरूप सुधार पर सबसे ऊँची आवाज़ वही लोग उठा रहे हैं, जिनका विरोध सनातन से कम और दोगलेपन से अधिक उपजा हुआ प्रतीत होता है।

खुद के लिए आधुनिकता सही, सनातन के लिए नहीं?

जब बाबा विश्वनाथ की सदियों पुरानी तंग, दमघोंटू गलियों से मुक्ति दिलाकर भव्य कॉरिडोर बनाया गया, तब भी यही वर्ग चीख़ उठा। जब मणिकर्णिका की अव्यवस्था, गंदगी और अमानवीय हालात को हटाकर उसे गरिमा, स्वच्छता और दिव्यता दी जा रही है, तब भी इन्हें "परंपरा ख़तरे में" दिखने लगती है। प्रश्न सीधा है क्या आधुनिकता का अधिकार केवल निजी जीवन तक सीमित है? क्या सनातन के पौराणिक स्थल सड़ांध, अव्यवस्था और अवमानना के प्रतीक बने रहें, ताकि तथाकथित प्रगतिशील उन पर व्यंग्य कर सकें? दरअसल, इनका असली डर यह है कि अगर सनातन अपने भव्य स्वरूप में लौट आया, तो उनकी वर्षों की वैचारिक खेती उजड़ जाएगी। वे चाहते हैं कि हम आधुनिक कपड़े पहनें, आधुनिक गाड़ियाँ चलाएँ, आधुनिक सुख-सुविधाएँ लें, लेकिन हमारी आस्था, हमारे तीर्थ और हमारी परंपराएँ उसी सड़ी-गली व्यवस्था में कैद रहें।

आस्था करोड़ों की है, सुधार अपराध नहीं

मणिकर्णिका किसी एक समुदाय या वर्ग की नहीं, करोड़ों सनातनियों की आस्था का केंद्र है। वहाँ स्वच्छता, सुव्यवस्था और सम्मानजनक ढाँचा देना न तो परंपरा का अपमान है और न ही इतिहास का विनाश, बल्कि यह उस परंपरा को आने वाली पीढ़ियों के लिए सहेजने का प्रयास है। जो लोग दशकों तक अवैध निर्माण, गंदगी और अराजकता पर मौन साधे रहे, आज उन्हें अचानक "संवेदनशीलता" याद आ रही है। सच यह है कि यह विरोध विकास का नहीं, नियंत्रण खोने का है।

रावण ने शनि देव को पैरों के नीचे क्यों रखा? रामायण की इस कथा से कांप गए थे तीनों लोक

रामायण में लंकापति रावण को एक ओर महान शिव भक्त और अपार तपस्वी बताया गया है, तो दूसरी ओर उसे अहंकार, अत्याचार और असुरी प्रवृत्ति का प्रतीक भी माना गया है। अपनी असीम शक्तियों के बल पर रावण देवताओं, ऋषियों और मनुष्यों को भयभीत किया करता था। रामायण में वर्णित एक ऐसी ही कथा रावण और कर्मफल दाता शनि देव से जुड़ी है, जिसने तीनों लोकों को हिला कर रख दिया था।

त्रिलोक विजेता रावण और उसका अहंकार

रामायण के अनुसार, रावण ने भगवान शिव और ब्रह्मा जी की कठोर तपस्या कर अनेक वरदान प्राप्त किए थे। वह स्वयं को अजेय मानने लगा था। शिवभक्त होने के बावजूद उसमें अहंकार इतना बढ़ गया था कि उसने देवताओं को भी बंदी बना लिया था। रावण की यही अहंकारी प्रवृत्ति अंततः उसके विनाश का कारण बनी।

सभी ग्रहों को बना लिया था बंदी

रामायण की कथाओं के अनुसार, रावण ने केवल देवताओं को ही नहीं, बल्कि नवग्रहों को भी अपने वश में कर लिया था। उसने सभी ग्रहों को लंका में एक अंधेरी जगह पर कैद कर रखा था। विशेष रूप से शनि देव को उसने अपने सिंहासन के पास जंजीरों में जकड़कर अपने पैरों के नीचे रखा था।

मेघनाद (इंद्रजीत) की कुंडली और ग्रहों की चाल

रावण का पुत्र मेघनाद, जिसे इंद्रजीत कहा जाता था, अत्यंत पराक्रमी था। उसने देवताओं के राजा इंद्र को पराजित कर यह उपाधि प्राप्त की थी। मेघनाद के जन्म के समय ब्रह्मा जी ने भविष्यवाणी की थी कि वह महान योद्धा बनेगा, लेकिन उसके जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे।

इस भविष्यवाणी से चिंतित होकर रावण ने मेघनाद की कुंडली में ग्रहों को अपने अनुकूल रखने का प्रयास किया। उसने सभी ग्रहों को स्थिर कर दिया, लेकिन शनि देव बार-बार अपनी स्थिति बदल रहे थे।

शनि देव को जंजीरों में क्यों जकड़ा?

रावण यह भली-भांति जानता था कि यदि शनि देव की वक्री दृष्टि एक बार उसके राज्य, परिवार या पुत्र मेघनाद पर पड़ गई, तो उसका पतन निश्चित है। इसी भय से रावण ने शनि देव को युद्ध में पराजित कर उन्हें बंदी बना लिया।

शनि देव को जंजीरों में बांधकर अपने पैरों के नीचे रखने का उद्देश्य यही था कि वे अपनी दृष्टि उठाकर लंका, रावण या उसके वंश की ओर न देख सकें।

हनुमान जी ने कराया शनि देव को मुक्त

रामायण के अनुसार, जब हनुमान जी माता सीता की खोज में लंका पहुंचे, तो उन्होंने शनि देव को कैद अवस्था में देखा। हनुमान जी ने शनि देव को मुक्त कराया।

शनि देव ने प्रसन्न होकर हनुमान जी को वरदान दिया कि जो भी भक्त सच्चे मन से हनुमान जी की उपासना करेगा, उस पर शनि की पीड़ा कम होगी।

कथा से मिलने वाला संदेश

यह कथा स्पष्ट करती है कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना ही शक्तिशाली क्यों न हो, कर्मफल और दैवी नियमों से ऊपर नहीं हो सकता। अहंकार और अधर्म अंततः विनाश का कारण बनते हैं।

क्या संकट में मदद करना पूजा तोड़ना है? इस कथा में छुपा है धर्म का सच

वाराणसी में गंगा के किनारे एक गुरु जी रहते थे। उनके कई शिष्य थे। आखिर वह दिन भी आया जब शिक्षा-दीक्षा पूरी होने के बाद गुरुदेव उन्हें अपना आशीर्वाद देकर विदा करने वाले थे। सुबह गंगा में स्नान करने के बाद गुरुदेव और सभी शिष्य पूजा करने बैठ गए।

सभी ध्यान कर रहे थे, तभी एक बच्चे की आवाज सुनाई पड़ी। वह नदी की ओर डूबते हुए मदद के लिए पुकार रहा था। तभी एक शिष्य अपनी जान की परवाह किए बगैर नदी की ओर दौड़ पड़ा। वह किसी भी तरह से उस बच्चे को बचाकर किनारे तक लाया। तब तक सभी शिष्य ध्यान में मग्न थे। गुरु जी यह घटनाक्रम अपनी आंखों से देख रहे थे।

तब गुरु जी ने कहा, ''एक रोते हुए बच्चे की पुकार सुन तुम्हारा एक मित्र बच्चे को बचाने के लिए नदी में कूद पड़ा लेकिन तुम लोग नहीं उठे।''

शिष्यों ने कहा, ''उसने पूजा छोड़कर अधर्म किया है।''

इस पर गुरुदेव ने कहा, ''अधर्म उसने नहीं, तुम लोगों ने किया है। तुमने डूबते हुए बच्चे की पुकार अनसुनी कर दी। पूजा-पाठ, धर्म-कर्म का एक ही उद्देश्य होता है प्राणियों की रक्षा करना। तुम आश्रम में धर्मशास्त्रों, व्याकरणों, धर्म कर्म आदि में पारंगत तो हुए, लेकिन धर्म का सार नहीं समझ सके। परोपकार और संकट में फंसे दूसरे की सहायता करने से बड़ा कोई धर्म नहीं।"

क्या सातों जन्मों में एक ही पति मिलता है?

प्रेमानंद महाराज ने बताया कर्म और भक्ति का रहस्य

सनातन धर्म में पति–पत्नी के रिश्ते को अत्यंत पवित्र माना गया है। अक्सर लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है कि क्या यह संबंध केवल एक जन्म तक सीमित होता है या कई जन्मों तक चलता है। इसी गहरे और भावनात्मक सवाल का उत्तर वृंदावन के संत प्रेमानंद महाराज ने अपने एक वायरल प्रवचन में आध्यात्मिक गहराई के साथ दिया है।

भक्त का सवाल: क्या सातों जन्मों में एक ही पति मिल सकता है?

एक वायरल वीडियो में एक महिला भक्त प्रेमानंद महाराज से प्रश्न करती हैं कि क्या यह संभव है कि उसे सातों जन्मों में एक ही पति प्राप्त हो। यह सवाल केवल जिज्ञासा नहीं, बल्कि प्रेम, लगाव और आध्यात्मिक आशा से जुड़ा हुआ है।

इस पर प्रेमानंद महाराज बेहद शांत और स्पष्ट शब्दों में उत्तर देते हैं कि सामान्य रूप से ऐसा होना आवश्यक नहीं है, क्योंकि प्रत्येक जन्म में जीव के कर्म, प्रारब्ध और संस्कार बदल जाते हैं।

कर्म और प्रारब्ध से तय होता है जीवनसाथी

प्रेमानंद महाराज बताते हैं कि पति–पत्नी का एक साथ मिलना केवल भावनाओं का विषय नहीं है, बल्कि यह संचित कर्म, प्रारब्ध और आत्मा की यात्रा से जुड़ा होता है। उन्होंने कहा—

हर जन्म में जीव की योनि बदल सकती है। यह जरूरी नहीं कि अगला जन्म मनुष्य योनि में ही हो।

वर्तमान जीवन का जीवनसाथी अगले जन्म में उसी रूप में मिले, इसकी कोई गारंटी नहीं।

कर्म का विधान अत्यंत सूक्ष्म है, जिसे केवल इच्छा मात्र से बदला नहीं जा सकता।

भगवान की कृपा से असंभव भी हो सकता है संभव।

हालांकि प्रेमानंद महाराज यह भी स्पष्ट करते हैं कि भगवान की कृपा से असंभव कुछ भी नहीं है। यदि कोई स्त्री या पुरुष भगवान की अनन्य भक्ति करे, पूर्ण समर्पण के साथ प्रभु से प्रार्थना करे, केवल सांसारिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक प्रेम रखे तो भगवान चाहें तो ऐसा विधान लिख सकते हैं कि वही जीवनसाथी कई जन्मों तक साथ मिले।

हाथी और राजकुमारी की मार्मिक कथा

अपनी बात को समझाने के लिए प्रेमानंद महाराज एक भावुक कथा सुनाते हैं। उन्होंने बताया एक जन्म में पति-पत्नी का गहरा प्रेम था। पत्नी भक्ति मार्ग पर चली, लेकिन पति आसक्ति में डूबा रहा। मृत्यु के बाद पत्नी भक्ति के प्रभाव से राजकुमारी बनी। पति मोह और आसक्ति के कारण हाथी की योनि में चला गया। बाद में पत्नी की तपस्या और भगवान की कृपा से पति को उस योनि से मुक्ति मिली और दोनों का पुनर्मिलन संभव हो पाया। यह कथा कर्म और भक्ति के अंतर को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

केवल कर्म नहीं, भक्ति ही निर्णायक है

प्रेमानंद महाराज का स्पष्ट संदेश है कि केवल अच्छे कर्म पर्याप्त नहीं, केवल भावनात्मक लगाव भी काफी नहीं भजन, तपस्या और भगवान की अनन्य आराधना ही निर्णायक भूमिका निभाती है। जब जीवन का केंद्र ईश्वर बन जाता है, तभी भगवान अपने नियमों में विशेष कृपा करते हैं।

प्रेमानंद महाराज के अनुसार, सात जन्मों तक एक ही जीवनसाथी मिलना सामान्य नियम नहीं, बल्कि ईश्वर की विशेष कृपा का विषय है। यह तभी संभव है जब भक्ति जीवन का आधार बन जाए। केवल सांसारिक प्रेम नहीं, बल्कि आध्यात्मिक समर्पण ही आत्माओं को जन्म-जन्मांतर तक जोड़ सकता है।

डिग्रियां बेकार क्यों साबित हुईं, इस कहानी में छुपा है बड़ा संदेश

रूस के प्रसिद्ध लेखक लियो टॉलस्टॉय को एक बार अपना काम-काज देखने के लिए एक सहायक की जरूरत पड़ी। इस बारे में उन्होंने अपने कुछ मित्रों से भी कह दिया कि यदि उनकी जानकारी में कोई ऐसा व्यक्ति हो तो उसे उसके पास भेजें।

कुछ दिनों बाद एक मित्र ने किसी व्यक्ति को उनके पास भेजा। वह काफी पढ़ा-लिखा था और उसके पास कई प्रकार के सर्टिफिकेट और डिग्रियां थीं। वह व्यक्ति टॉलस्टॉय से मिला, लेकिन तमाम डिग्रियां होने के बावजूद टॉलस्टॉय ने उसे नौकरी पर नहीं रखा, बल्कि एक अन्य व्यक्ति जिसके पास कोई डिग्री नहीं थी, टालस्टॉय ने उसका चयन कर लिया। कुछ दिनों के बाद उस मित्र ने टॉलस्टाय से ऐसा करने की वजह पूछी तो टॉलस्टॉय ने बताया कि मित्र जिस व्यक्ति का मैंने चयन किया है उसके पास तो अमूल्य प्रमाणपत्र हैं। उसने मेरे कमरे में आने के पूर्व मेरी अनुमति मांगी। उसने कमरे के अंदर प्रवेश करने से पूर्व दरवाजे पर रखे गए डोरमैट पर जूते साफ किए। उसके कपड़े तो साधारण थे लेकिन साफ-सुथरे थे।

मैंने उससे जो भी प्रश्न किए उसने बिना घुमाए-फिराए उनके संक्षिप्त उत्तर दिए और अंत में मुलाकात पूरी होने पर वह मेरी इजाजत लेकर बड़ी विनम्रतापूर्वक वापस चला गया न तो उसने कोई खुशामद की और न ही किसी की सिफारिश लाया था। अधिक पढ़ा-लिखा न होने के बावजूद उसे अपनी काबिलियत पर पूरा विश्वास था। वहीं आपने जिस व्यक्ति को भेजा था उसके पास इनमें से कोई भी प्रमाण पत्र नहीं था।

वह सीधा ही कमरे में चला आया और तुमसे जान-पहचान के बारे में बताने लगा। तुम्हीं बताओ उसकी इन डिग्रियों की क्या कीमत है? मित्र टॉलस्टॉय की बात समझ गया। वह भी असल प्रमाणपत्रों का महत्व जान चुका था।

भगवान बुद्ध की दृष्टि से मोह–माया और आत्मबोध का संदेश

एक नगर सेठ था। उसने बहुत बड़ी हवेली बनवा रखी थी। एक बार भगवान बुद्ध उधर से गुजरे। नगर सेठ को जैसे ही इसकी जानकारी मिली वह आया, भगवान बुद्ध को अपनी हवेली में आने का निमंत्रण दिया और निवेदन किया आप यहीं प्रवचन और लोगों को ज्ञान का दान दिया कीजिए। जब तक आप इस नगर में रुके हैं, आप मेरा ही आतिथ्य स्वीकार कीजिए।

भगवान बुद्ध ने उसका अनुरोध स्वीकार कर लिया लेकिन जब भी सेठ भगवान बुद्ध के पास आता, हर समय अपनी हवेली की ही बात किया करता। कहता मेरी हवेली बहुत बड़ी है। आसपास ऐसी कोई हवेली नहीं है, मेरा बगीचा आपने देखा ही होगा, बहुत सुंदर है, तरह-तरह के फूल खिले हैं। हमेशा मैं, मैं और अपनी ही बात वह करता रहता।

जब वहां भगवान बुद्ध का प्रवास पूरा हो गया और वह चलने लगे तो उस नगर सेठ से कहा अच्छा ठीक है अब तो मैं जा रहा हूं ऐसा करो कि विश्व का एक नक्शा ले आओ। सेठ कुछ समझ नहीं पाया फिर भी उसने विश्व के नक्शे की व्यवस्था की। भगवान बुद्ध ने उससे पूछा यह नक्शा विश्व का है? सेठ बोला, ''जी हां।''भगवान बुद्ध ने कहा, ''इस नक्शे में भारत देख रहे हो तुम?''सेठ ने कहा, ''हां, यह नीचे जो है, यही भारत है।''भगवान बुद्ध ने फिर पूछा, ''ठीक है तुमने भारत को देख लिया अब यह बताओ कि इसमें तुम्हारा प्रांत कहां है?'' तो सेठ ने नक्शे को थोड़ा ऊपर उठाया और बताया, ''यह है मेरा प्रांत।''भगवान बुद्ध फिर बोले, ''ठीक है तुमने अपना प्रांत देख लिया, क्या तुम यह बता सकते हो कि जिस जिले में रहते हो वह जिला कहां है?''तो नक्शे में उसका जिला एक छोटे से बिंदू के बराबर ही था। एकदम छोटा-सा बिंदू के बराबर उसमें लिखा था जिले का नाम।

भगवान बुद्ध ने फिर पूछा, ''तुमने जिला तो देख लिया इसमें अब जिस तहसील में तुम रहते हो वह तहसील इसमें कहां है?''

सेठ ने कहा, ''जब जिला एक बिंदू जैसा है तो उसके अंदर भी एक छोटा बिंदू होगा उसी में तहसील होगी।''

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 21 जनवरी- 2026

बंगाल के वोटरों को राहत

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब पश्चिम बंगाल में लगभग 1.25 करोड़ मतदाताओं के नाम सार्वजनिक किए जाएंगे, जिन्हें तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में रखा गया था। सुप्रीम अदालत के इस आदेश का मकसद सिर्फ यही है कि लोगों के मताधिकार की हर कीमत पर सुरक्षा की जानी चाहिए। बता दें कि तार्किक विसंगति वह श्रेणी है, जिसमें किसी मतदाता का नाम तो हटाया नहीं जाता, लेकिन उसके द्वारा दी गई जानकारी रेकॉर्ड से मेल नहीं खाती या संदेह पैदा करती है। चुनाव आयोग ऐसे मामलों में संबंधित मतदाताओं को स्पष्टीकरण का मौका देता है। चूंकि पश्चिम बंगाल में इस श्रेणी में बड़े पैमाने पर लोगों को डाल दिए जाने से विवाद खड़ा हो गया था। टीएमसी ने तो यहां तक आरोप लगाया था कि चुनाव आयोग ने जानबूझकर ड्राफ्ट रोल से मतदाताओं के नाम काटे हैं, इसलिए मतदाताओं को उनके मताधिकार का हक मिले। दूसरी ओर चुनाव आयोग ऐसे आरोपों को सिरे से इनकार करता रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इसमें दखल दिया जिससे अब प्रभावित लोगों को आपत्तियों के जवाब और संबंधित दस्तावेज जमा करने में सुविधा मिलेगी। इस श्रेणी का मतलब नाम न कटना हो, लेकिन आम लोगों के लिए छोटी-छोटी बातें भी कई बार फसाना बन जाती हैं। यह संख्या ही अपने आप में इतनी बड़ी है, जिनकी आपत्तियों के निपटारे के लिए पर्याप्त समय और धैर्य चाहिए था। प्रक्रिया को लेकर जो शिकायतें उठ रही हैं, अदालत के फैसले से वे दूर हो सकेंगी। आशा की जाना चाहिए कि आम लोगों को ध्यान में रखते हुए बेहतर व्यवस्था बनाई जाएगी। बता दें कि इसके पहले बिहार में पहले चरण से लेकर दूसरे चरण तक, एसआईआर को लेकर सबसे बड़ी शिकायत पारदर्शिता और उसकी मंशा को लेकर उठ रही है। विपक्ष अगर इसे संदेह की नजर से देख रहा है, तो उसकी कुछ तो वजहें जरूर रही होंगी। सुप्रीम कोर्ट भी बार-बार हस्तक्षेप इसलिए कर रहा है कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली यह विश्वास दिलाने में कहीं न कहीं नाकाम रही है कि एसआईआर का मकसद वोटर लिस्ट से नाम काटना या नागरिकता तय करना नहीं है। दूसरे चरण में जारी 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट लिस्ट में कुल मिलाकर 3.69 करोड़ नाम काटे गए हैं। पश्चिम बंगाल में ही 58 लाख नाम हटे हैं। तार्किक विसंगतियों की श्रेणी में शामिल लोग इससे अलग हैं। इन सभी को अपनी बात रखने और दोबारा मतदाता बनने का पूरा मौका दिए बिना एक स्वस्थ जनादेख की कल्पना भी कैसे की जा सकती है। चुनाव आयोज की प्रक्रिया निष्पक्ष और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने वाली होना चाहिए। एसआईआर का मकसद तभी सफल माना जाएगा, जब हरेक योग्य मतदाता को वोट देने का अधिकार होगा।

यूएई राष्ट्रपति की यात्रा से कुछ घंटे में ही भविष्य की आधारशिला

आरके जैन

दिल्ली की सर्द सुबह 19 जनवरी 2026 को इतिहास की गर्म सांसों से भर उठी, जब पालम वायुसेना अड्डे पर संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का विमान उतरा। यह केवल एक राजकीय आगमन नहीं था, बल्कि भरोसे, आत्मीयता और साझा भविष्य का प्रतीक क्षण था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने औपचारिकताओं की सीमाएं तोड़ते हुए स्वयं आगे बढ़कर अपने मित्र का स्वागत किया। दोनों नेताओं का आलिंगन कैमरों से कहीं आगे जाकर दिलों में उतर गया। उस क्षण ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह यात्रा कागजी समझौतों की नहीं, बल्कि विश्वास की ठोस इमारत खड़ी करने की है, जो आने वाले समय की दिशा तय करेगी।

मात्र दो से तीन घंटे की इस संक्षिप्त यात्रा ने यह सिद्ध कर दिया कि जब नेतृत्व दूरदर्शी हो, तो समय की सीमा अर्थहीन हो जाती है। वैश्विक मीडिया ने इसे मिनटों में दशकों की कूटनीति का उदाहरण बताया। यह यात्रा केवल बैठक नहीं थी, बल्कि ऊर्जा, सुरक्षा, तकनीक और समृद्धि के नए युग की आधारशिला थी। दोनों नेताओं की बातचीत में स्पष्टता, विश्वास और गति दिखाई दी। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब दुनिया ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं से जूझ रही है, और ऐसे में भारत–यूएई साझेदारी ने स्थिरता और समाधान का मार्ग दिखाया।

ऊर्जा क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक समझौते इस यात्रा की रीढ़ साबित हुए। हिंदुस्तान पेट्रोलियम निगम लिमिटेड और एडीएनओसी गैस के बीच दस वर्षीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस आपूर्ति करार ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती दी। वर्ष 2028 से प्रतिवर्ष पांच लाख मीट्रिक टन गैस की आपूर्ति सुनिश्चित होगी, जिसकी कुल कीमत लगभग तीन अरब डॉलर आंकी गई है। वैश्विक बाजारों की अस्थिरता के दौर में यह करार भारत के उद्योग, बिजली उत्पादन और घरेलू उपभोग के लिए सुरक्षा कवच बनेगा। यूएई का भारत का दूसरा सबसे बड़ा गैस आपूर्तिकर्ता बनना इस गहरी रणनीतिक साझेदारी का प्रमाण है। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में इस यात्रा ने भविष्य की नींव और भी मजबूत की। भारत के शांति कानून के अंतर्गत नागरिक परमाणु सहयोग को नई दिशा मिली। दोनों देशों ने बड़े परमाणु संयंत्रों के साथ-साथ छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों पर संयुक्त रूप से कार्य करने का निर्णय लिया। यह पहल ऊर्जा उत्पादन को सुरक्षित, सस्ता और पर्यावरण के अनुकूल बनाएगी। संयंत्र संचालन, तकनीकी रखरखाव और परमाणु सुरक्षा में गहन सहयोग तय हुआ। यह साझेदारी भारत को स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ाएगी और जलवायु परिवर्तन से लड़ने के वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

अंतरिक्ष क्षेत्र में हुई सहमति ने इस यात्रा को भविष्यवादी स्वरूप प्रदान किया। भारतीय अंतरिक्ष नियामक संस्था और यूएई स्पेस एजेंसी के बीच आशय पत्र पर हस्ताक्षर हुए, जिसमें अंतरिक्ष अवसंरचना, उपग्रह निर्माण, प्रक्षेपण सुविधाएं और संयुक्त मिशनों की रूपरेखा तय की गई। इसके साथ ही अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, नवाचार केंद्र और व्यावसायीकरण के अवसर विकसित करने पर सहमति बनी। यह साझेदारी अंतरिक्ष को केवल वैज्ञानिक खोज तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि आर्थिक विकास और रोजगार सृजन का नया माध्यम बनाएगी। व्यापार और निवेश के मोर्चे पर दोनों नेताओं ने अत्यंत महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए। दोनों नेताओं ने 2032 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 200 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया। व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के बाद व्यापार पहले ही ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच चुका है। गुजरात के धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र में यूएई कंपनियों द्वारा हवाई अड्डे, बंदरगाह, रेलवे कनेक्टिविटी, स्मार्ट शहरी टाउनशिप और ऊर्जा अवसंरचना में बड़े निवेश की घोषणा हुई। यह निवेश भारत के बुनियादी ढांचे, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को नई गति देगा। रणनीतिक और रक्षा सहयोग में भी इस यात्रा ने नया अध्याय जोड़ा। दोनों देशों ने रणनीतिक रक्षा साझेदारी के लिए आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें रक्षा उद्योग, उन्नत तकनीक, संयुक्त प्रशिक्षण और नवाचार को प्राथमिकता दी गई।

ट्रंप का दावा कितना सही ?

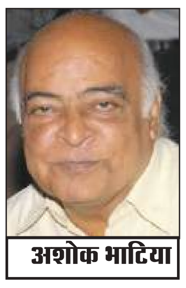

अशोक भाटिया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला पर हमले और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पत्नी समेत अगवा कराए जाने के बाद अब डेनमार्क के स्वायत्त द्वीप ग्रीनलैंड को लेकर अपनी मुहिम तेज कर दी है। ट्रंप का दावा है कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड पर अमेरिकी स्वामित्व जरूरी है। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है, जो कनाडा और यूरोप के बीच उत्तरी अटलांटिक महासागर में स्थित है। उत्तरी ध्रुव से सटे होने के कारण इसका 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बर्फ की मोटी परत से ढका हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण यह बर्फ तेजी से पिघल रही है और इसके साथ ही उत्तरी ध्रुव सागर की बर्फ भी घटती जा रही है। इसका एक बड़ा असर यह है कि समुद्री यातायात के लिए नए जलमार्ग खुल रहे हैं, जो रूस, चीन और जापान से उत्तरी अमेरिका तथा यूरोप की दूरी काफी कम कर देते हैं।

इन नए जलमार्गों पर पकड़ बनाने के लिए रूस और चीन अपने विशेष युद्धपोतों और पनडुब्बियों का विकास कर रहे हैं। इसी कारण ग्रीनलैंड का भू-राजनीतिक और सामरिक महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। दूसरे विश्व युद्ध में भी इस क्षेत्र ने हिटलर की नौसेना को रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। युद्ध के बाद अमेरिका ने इसे खरीदने की कोशिश की थी, जबकि 1951 में डेनमार्क ने ग्रीनलैंड की सुरक्षा में अमेरिका को विशेष भूमिका देते हुए सैन्य अड्डे बनाने की अनुमति दे दी थी।ग्रीनलैंड में तेल, गैस और दुर्लभ खनिजों के भंडार भी बताए जाते हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, रक्षा तकनीक और स्वच्छ ऊर्जा की बैटरियों के लिए बेहद जरूरी हैं। ट्रंप का कहना है कि रूस और चीन के बढ़ते खतरे को देखते हुए अमेरिका को ग्रीनलैंड अपने नियंत्रण में लेना चाहिए।

देखा जाय तो कुछ ऐसा खरीदने की कोशिश करना जिसे बेचा नहीं जा सकता है, उसे हड़पना कहा जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प उत्तरी गोलार्ध के पास ग्रीनलैंड के साथ ऐसा ही कुछ करना चाहते हैं। अमेरिकी मानसिकता एक व्यापारी है। हम हमेशा अपने आस-पास ऐसे लोगों के समूह को देखते हैं जो मानते हैं कि वे पैसे से कुछ भी खरीद सकते हैं। उस रवैये का अंतर्राष्ट्रीय प्रतीक संयुक्त राज्य अमेरिका है, जो उस देश, अलास्का का हिस्सा है।लुइसियाना और अन्य राज्यों को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा खरीदा गया है। यानी ऐसे प्रांतों को खरीदना अमेरिका की आदत रही है। इसका अगला हिस्सा ग्रीनलैंड को खरीदने का देश का प्रयास है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने पहली बार 1867 में या बाद में 1910 में इसी तरह के प्रयास की कोशिश की। वह असफल रहा। बाद में, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, अमेरिका की ग्रीनलैंड की भूख फिर से बढ़ गई। उस विश्व युद्ध में, स्थिति उत्पन्न हुई कि क्या डेनमार्क, जिसके पास ग्रीनलैंड का प्रबंधन था, हिटलर के नाजियों द्वारा निगल लिया जाएगा। हिटलर से निपटने में डेनमार्क अन्य यूरोपीय देशों की तरह मजबूत नहीं था। इसलिए, देश ने संयुक्त राज्य अमेरिका से मदद मांगी और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका ने ग्रीनलैंड में एक सैन्य अड्डा स्थापित करके दोनों पक्षों की रक्षा की। तब से, अमेरिकी सैनिक हमेशा इस बर्फीली भूमि पर रहते हैं। यह एक कारण है कि ट्रम्प की ग्रीनलैंड भूख जाग रही है। वास्तव में, भौगोलिक रूप से, ग्रीनलैंड संयुक्त राज्य अमेरिका के बिल्कुल भी करीब नहीं है। संयुक्त राज्य अमेरिका और ग्रीनलैंड की अलौकिक राजधानी नुउक के बीच की दूरी कम से कम 4800 किमी है। हालांकि, ट्रम्प ने जोर देकर कहा कि द्वीप का स्वामित्व उनके पास होना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि अगर इसे 'प्यार से' नहीं बेचा गया तो वह इसे सैन्य बल के जरिए डेनमार्क से छीन लेंगे। किसी को कुछ लोगों के पागल इरादों को साकार करने की अश्लीलता पर कभी संदेह नहीं करना चाहिए। क्योंकि ऐसे लोग ऐसे फैसले ले सकते हैं जो बुद्धिमानों को पागल लगते हैं। ट्रम्प अशांति में से एक हैं। अन्यथा, ऐसे प्रयासों को नजरअंदाज करना बुद्धिमानी है। लेकिन इस पर टिप्पणी करना जरूरी है क्योंकि इस पागल फैसले के लागू होने का खतरा मंडरा रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ट्रम्प ने ग्रीनलैंड का समर्थन करने वाले देशों पर आर्थिक प्रतिबंधों की घोषणा करके अपने ग्रीनलैंड विलय लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया है, जो 10 प्रतिशत आयात टैरिफ के अधीन होगा। ग्रीनलैंड भौगोलिक रूप से यूरोप महाद्वीप का हिस्सा है, और महाद्वीप ने ग्रीनलैंड और इसलिए डेनमार्क के पक्ष में एक स्टैंड लिया है। कई देश ग्रीनलैंड के मुद्दे पर ट्रंप का साथ छोड़ते नजर आ रहे हैं। यह, निश्चित रूप से, ट्रम्प को स्वीकार्य होने की संभावना नहीं है। ट्रम्प जैसे नेता जहां भी मौका मिलता है, अपनी मकान मालिक की भावना को प्रकट करते हैं। ग्रीनलैंड विवाद ने उन्हें एक और मौका दिया। ऐसी मानसिकता वाले व्यक्ति को सामने वाले का समर्थन नहीं होता है। वे पूर्ण आत्मसमर्पण चाहते हैं। यूरोपीय देश इसके लिए तैयार नहीं हैं। यूक्रेन के मुद्दे पर यूरोप पहले से ही बंटा हुआ है। कई यूरोपीय रूस के व्लादिमीर पुतिन का विरोध करते हैं, जो यूक्रेन पर कब्जा करना चाहते हैं। लेकिन ये देश इसे व्यक्त करने के अलावा और कुछ नहीं कर पाए हैं। यूक्रेन के मुद्दे पर यूरोपीय देश कुटीर उद्योग चलाते हैं, लेकिन पुतिन पर उनका ज्यादा असर होता नहीं दिख रहा है। पुतिन के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका क्या भूमिका लेता है और ट्रम्प क्या कदम उठाते हैं, यह यूरोपीय देशों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है, और उन्होंने बार-बार दिखाया है कि वह ट्रम्प को उस मोर्चे पर लटका सकते हैं। इसलिए पुतिन को संयुक्त राज्य अमेरिका या यूरोप की परवाह नहीं है यूरोपीय लोग इस बात से सहमत नहीं हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका को ग्रीनलैंड की घुसपैठ के अवसर पर उनके तंबू में एक और जिद्दी ऊंट होना चाहिए। उनकी भूमिका सही है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर में इसे व्यक्त करने का साहस था, और उन्होंने ट्रम्प का विरोध करने के लिए फोन पर बात की और राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में अपने देश की स्थिति को समझाया। लेकिन उन्होंने यह कहने में संकोच नहीं किया कि वह ग्रीनलैंड के मुद्दे पर संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ खड़े नहीं हो सकते थे, और पड़ोसी फ्रांस, चाहे वह जर्मनी हो या नॉर्वे, स्वीडिश या अन्य यूरोपीय देश, संयुक्त राज्य अमेरिका की संभावित कार्रवाई को मंजूरी नहीं देते थे। ऐसा बयान दिया गया था। इसका अर्थ स्पष्ट है। ये सज्जन कल ग्रीनलैंड खाना बंद नहीं करेंगे। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने कहा है कि अगर अमेरिकी सैनिक आते हैं तो हम पहली गोली मार देंगे। वे बहादुर प्रदर्शनकारी हैं। लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है। डेनमार्क का जीवन क्या है! यदि यूरोपीय समर्थक देश उसके पक्ष में नहीं खड़े होते हैं, तो डेनमार्क का संयुक्त राज्य अमेरिका से कोई लेना-देना नहीं होगा। ऐसे में सवाल यह नहीं है कि क्या ट्रंप वाकई इतनी जल्दबाजी करेंगे, बल्कि सवाल यह है कि क्या वह वाकई ऐसा करते हैं। यह संभावना नहीं है कि आज दुनिया में किसी के पास इसका जवाब है कि क्या खुद ट्रम्प भी इसे जानते होंगे। ट्रम्प जैसे लोगों ने क्यों सोचा कि प्रेरणा कूटनीति और कूटनीति से अधिक महत्वपूर्ण है, जिसने उन्हें वेनेजुएला पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया? क्या आप दूसरी तरफ क्यूबा पर कब्जा करना चाहते हैं?

पश्चिम बंगाल में चुनाव पूर्व टकराव

राज कुमार सिंह

अब तक शह-मात में भाजपा पर भारी पड़ती रहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर इस बार उनका दांव उलटा पड़ता दिख रहा है। सर्वोच्च न्यायालय की 15 जनवरी की टिप्पणियों से तो यही संकेत मिलता है। चर्चित केंद्रीय एजेंसी ईडी द्वारा आई-पैक के सह-संस्थपाक एवं निदेशक प्रतीक जैन के घर-दफ्तर पर आठ जनवरी को मारे गये छापे और उसी दौरान वहां पहुंच कर कुछ दस्तावेज ले गयीं ममता के विवाद की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने न सिर्फ ईडी के अधिकारियों के विरुद्ध दर्ज एफआईआर पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है, बल्कि इसकी समीक्षा करने पर भी सहमति जतायी कि क्या राज्य सरकार की कानून प्रवर्तन एजेंसियां किसी गंभीर अपराध के मामले में केंद्रीय एजेंसी की जांच में हस्तक्षेप कर सकती हैं।

इसी मामले में नौ जनवरी को कलकत्ता उच्च न्यायालय में सुनवाई स्थगन के लिए जिम्मेदार स्थितियों पर भी सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त टिप्पणी कीः जैसे यह जंतर-मंतर हो।

ममता बनर्जी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सफाई दी कि वह वहां तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष की हैसियत से गयी थीं, जिसकी आई-पैक राजनीतिक सलाहकार है। बेशक सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी नोटिस के जवाब में पश्चिम बंगाल सरकार अपनी बात और विस्तार से रखेगी, लेकिन इस लंबी चल सकनेवाली कानूनी लड़ाई से बननेवाली जन धारणा फिलहाल ममता बनर्जी के अनुकूल नहीं लगती, जो अप्रैल-मई में संभावित विधानसभा चुनाव में लगातार चौथी बार मुख्यमंत्री बनने का जनादेश पाना चाहती हैं। केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच राजनीतिक कटुता लंबे समय से चरम पर है। शाब्दिक तल्खी के अलावा सड़क पर संघर्ष भी देखा जाता रहा है। आई-पैक प्रशांत किशोर द्वारा स्थापित राजनीतिक सलाहकार कंपनी (इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी) का संक्षिप्त नाम है, जो राजनीतिक दलों के लिए चुनाव रणनीति तैयार करने के लिए जानी जाती है। जन सुराज पार्टी बना कर बिहार विधानसभा चुनाव लड़े प्रशांत किशोर के बाद प्रतीक जैन इसके प्रमुख हैं। 2014 में नरेंद्र मोदी से ले कर अब तक आई-पैक कई राजनीतिक दलों और नेताओं के लिए चुनाव रणनीति तैयार करती रही है। उनमें से कुछ जबर्दस्त सफल रहीं तो कुछ नाकाम भी। आई-पैक अब तृणमूल कांग्रेस के लिए चुनाव रणनीति तैयार कर रही है। ममता का आरोप है कि उनकी चुनावी रणनीति और तैयारियों पर डाका डालने के लिए केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने ईडी का छापा डलवाया। ईडी और भाजपा का कहना है कि आई-पैक पर छापा मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में मारा गया, जिसमें बाधा डालते हुए ममता कुछ जरूरी दस्तावेज वहां से ले गयीं। ममता के हाथ में देखी गयी ग्रीन फाइल की खास तौर पर चर्चा है। छापे के अगले दिन तृणमूल ने कोलकाता में मार्च निकाला, तृणमूल सांसदों ने दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया और दोनों पक्ष अदालत भी पहुंच गये। नौ जनवरी को अदालत में अव्यवस्था के चलते स्थगित सुनवाई 14 जनवरी को करते हुए कोलकाता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस की याचिका ईडी के वकील के इस दावे के आधार पर खारिज कर दी कि ईडी ने कोई दस्तावेज जब्त नहीं किये हैं। उच्च न्यायालय ने ईडी की याचिका पर भी सुनवाई टाल दी, क्योंकि उसकी विशेष अनुमति याचिका सर्वोच्च न्यायालय में लंबित थी, जिस पर 15 जनवरी को सुनवाई में उपरोक्त सख्त टिप्पणियां सामने आयीं। अदालती लड़ाई लंबी चल सकती है, लेकिन असल लडाई राजनीतिक है।

आई-पैक पर मनी लॉड्रिंग और कोयला घोटाले के धन के चुनावी इस्तेमाल के आरोपों के जवाब में ममता बनर्जी ने सीधे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए पैन ड्राइव में सबूत होने का दावा भी कर दिया है। दरअसल पिछले दोनों विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस एक-दूसरे को सांप्रदायिक और भ्रष्ट बताते हुए कठघरे में खड़ा करती रही हैं।

कमोवेश सभी विपक्षी दल और उनकी राज्य सरकारें केंद्र सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप लगाती रही हैं, लेकिन दिल्ली के बाद सीधा टकराव पश्चिम बंगाल में ही नजर आता है। पश्चिम बंगाल का टकराव ज्यादा इसलिए चौंकाता है कि अतीत में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक दोस्ती भी रही है। वह उस दौर की बात है, जब ममता केंद्र में अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में मंत्री थीं और पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा का शासन था। पूर्व कांग्रेसी ममता ने बंगाल से वामपंथी सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिए अतीत में कांग्रेस और भाजपा, दोनों से ही गठबंधन किये, पर सफलता मिली नहीं। 34 साल पुराने वाम मोर्चा शासन को उखाड़ फेंकने का करिश्मा ममता ने आखिरकार 2011 कर दिखाया-- और वह भी अकेलेदम।

उसके बाद से ही एकला चलो की राह पर चलते हुए ममता बनर्जी आत्मविश्वासी से आक्रामक और उनमें राष्ट्रीय राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं बलवती होती गयी हैं।

देश के साथ ही ज्यादातर प्रदेशों की सत्ता पर भी काबिज भाजपा को एक बड़े राज्य पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सत्ता लगातार खटक रही है। भाजपा पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चा और कांग्रेस का खोया हुआ जनाधार कब्जाने में सफल रही है। पिछले चुनाव में भाजपा का 77 सीटें जीत जाना भी उसकी लगातार बढ़त का संकेत है, पर सत्ता में बदलाव के जरिये 'सोनार बांग्ला' बनाने का उसका सपना अधूरा है।

पिछले चुनाव में भाजपा द्वारा 'खेला' का पूरा माहौल बनाने के बावजूद तृणमूल कांग्रेस 213 सीटें जीत गयी और दोनों के बीच मत प्रतिशत में 10 प्रतिशत का अंतर रहा। 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल और भाजपा के बीच का फासला और बढ़ गया। 2024 के लोकसभा चुनाव में 303 से 240 सीटों पर सिमट जाने के बाद भी हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार में एकतरफा जीत हासिल करनेवाली भाजपा को लगता है कि पश्चिम बंगाल अब भी नहीं तो कब? बिहार जीतने बाद भाजपा ने कहा था कि गंगा बिहार से बंगाल जाती है, पर भाजपा की चुनावी गंगा इस बार भी बंगाल जा पायेगी या नहीं— इसका अंतिम उत्तर पश्चिम बंगाल के मतदाता ही देंगे।

भ्रष्ट सिस्टम के गड्ढों में जान गंवाने की मजबूरी

मनोज अग्रवाल

नोएडा के जिस गढ्डे ने एक होनहार असीम संभावनाओं से भरे युवा इंजीनियर की जान ले ली वह समूचे सिस्टम के गढ्डो को बेनकाब करता है। आपको पता रहे नोएडा सेक्टर 150 में सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की दर्दनाक मौत दो घंटे तक बचाव के लिए तड़पना और सिस्टम के नाकाम अधिकारी कर्मचारियों का किंकर्तव्यविमूढ़ बन जाना व्यवस्था की हकीकत की कलई खोल रहा हैं। बता दें कि गुरुग्राम के एक कम्पनी में साफ्टवेयर इंजीनियर युवराज की बेसमेंट के लिए बनाये गए गड्ढे में कम्पनी से घर जाते समय कार समेत डूबकर मौत हो गई। इस क्षेत्र में भारी जलभराव के कारण सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार पानी से भरे गड्ढे अंडरपास में फंस गई थी। जब वे गहरे पानी में डूब रहे थे तो बचाने की गुहार लगा रहे थे लेकिन पुलिस और आपदा प्रबन्धन के लोग भी उन्हें रेस्क्यू कराने में सफल नहीं हुए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में एंटीमॉर्टम ड्राउनिंग की पुष्टि हुई है। युवराज दो घंटे तक बचने के लिए संघर्ष करते रहे लेकिन वे कामयाब नहीं हो पाये। डॉक्टरों ने मृत्यु का कारण युवराज के फेफड़ों में पानी भरा हुआ पाया गया जिसकी वजह से वे सांस नहीं ले सके और कई घंटे तक पानी में डूबे रहने की वजह से दम घुटने और हार्टफेल होने से उनकी मौत हो गई। जिस गड्ढे में युवराज गिरे, वह बेसमेंट निर्माण के लिए खोदा गया था लेकिन वहां पर कोई संकेतक नहीं था। न तो कोई मजबूत बैरिकेडिंग थी और न ही रिफ्लेक्टर या चेतावनी बोर्ड लगाए गए थे। घने कोहरे में यह जगहदिखाई ही नहीं देती थी। पहले भी प्राधिकरण से इस स्थान को लेकर शिकायत हुई थी, लेकिन सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए जिसकी वजह से युवराज की उस गड्ढे में गिर कर मौत हो गई जिसमें पानी भरा हुआ था।

इस घटना के बाद बिल्डर की दो कम्पनियों पर भी मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हड़कम्प मचने पर मुख्यमंत्री ने जांच के लिए एक एसआईटी गठित की है जो उन्हें पांच दिनों के अन्दर रिपोर्ट देगी और नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम को पद से हटा दिया है।बचाव के लिए आयी क्रेन भी उस जगह तक नहीं पहुंच सकी जहां इंजीनियर डूबे थे यही नहीं बोट आदि भी यह कहकर नहीं डाली गई कि दृश्यता कम है। क्योंकि बचाव के लिए प्रशासन ने पहले तो बहुत देरी की और उसके बाद पर्याप्त संसाधन और तकनीक भी उनके पास नहीं थी जिसकी वजह से घोर लापरवाही हुई। नोएडा कोई गांव नहीं रह गया है कि वहां संसाधन उपलब्ध ही न हो सकें। एक बड़ा शहर जो दिल्ली से जुड़ा हुआ है और दिल्ली एनसीआर का हिस्सा है। जहां तमाम देसी-विदेशी कम्पनियों ने अपने आफिस बना रखे हैं। यदि वहां भी प्रशासन और आपदा प्रबन्धन का यह हाल है। बेसमेंट के लिए खोदा गया गड्ढा वैसे ही छोड़ दिया जाता है और किसी प्रकार का संकेतक तक नहीं लगाया जाता है कोई अलर्ट नहीं कोई वैरीकेडिंग नहीं कि कोई उसमें गिर न सके तो यह तो प्रशासन की सरासर लापरवाही का नतीजा है। नोएडा के प्रशासन के लिए बहुत से अधिकारी लालायित रहते हैं। बड़ी मलाईदार पोस्टिंग मानी जाती है। जहां तक प्राधिकरण के सीइओ को पद से हटाने का प्रश्न है, यह तो लोगों का गुस्सा शांत कराने के लिए है। वे जल्द ही किसी और पद को सुशोभित कर रहे होंगे।

जाहिर है कि 27 साल के युवा सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज की जान इसलिए चली गई, क्योंकि प्रशासन सुस्त था और साथ में लापरवाह भी। इंजीनियर की मौत से किसी को फर्क नहीं पड़ेगा। इस तरह की मौतें अब सामान्य मानी जाने लगी हैं। इंदौर के रघुनाथपुरा में दो दर्जन के करीब मौतें जहरीले पानी से हो गईं। ये मौतें देश में बहस का हिस्सा नहीं बनीं। युवा इंजीनियर युवराज की मौत भी बहस से बाहर ही रहेगी। जैसा कि अक्सर होता है, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेकर पूरे मामले की गहन और निष्पक्ष जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच टीम यानी ही एसआईटी का गठन कर दिया है। इस एसआईटी का नेतृत्व मेरठ जोन के अपर पुलिस महानिदेशक करेंगे। टीम में मेरठ मंडल के मंडलायुक्त को भी शामिल किया गया है, ताकि प्रशासनिक और तकनीकी दोनों पहलुओं की बारीकी से जांच हो सके। किस तरह की जांच होगी, यह समझना मुश्किल नहीं है। इस घटना को लेकर नोएडा अथॉरिटी की तरफ से सम्बंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। जूनियर इंजीनियर नवीन कुमार की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त की गई। सवाल यह है कि क्या सेवाएं समाप्त कर देना ही सजा है? निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई। जाहिर है, यह संबंधित अधिकारियों की लापरवाही के वजह से की गई होगी। हैरत की बात है कि कई घंटों के प्रयास के बाद भी बचाव दल इंजीनियर की जान बचाने में नाकाम रहे। घटना स्थल पर पुलिस 20 मिनट में पहुंच गई। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम आई। लेकिन फायर बिग्रेड के पास रेस्क्यू करने के लिए पर्याप्त साधन नहीं थे। हैरतअंगेज तौर पर पानी और डूबने की खबर थी लेकिन रेस्क्यू टीम के पास कोई भी तैराक नहीं था, जो कूदकर युवराज को बचा सकता था। अब सवाल यह है कि युवा इंजीनियर की मौत का जिम्मेदार कौन है? ठीक है कोहरा था, युवराज को अंदाजा नहीं था, किधर जाना है, लेकिन बेरिकेडिंग भी तो नहीं थी।

मतदाताओं का महत्व है ?

डॉ टी महादेव राव

भैया! एक दो बातें हवा में भूतों की तरह चक्कर काट रही हैं। हर जुबान पे लगभग वही बातें जैसे भक्तों की जुबान पर उनके आराध्य का नाम होता है। आपको क्या लगता है इन बातों से?

छोटू! भूमिका तो बड़ी अच्छी बांध रहे हो। असली मुद्दा क्या है, बताओगे तब तो पता चलेगा। बजट में बारह लाख आय तक आयकर नहीं, यह मुद्दा भारी प्रचार पा रहा है और जहां चुनाव हो रहे हैं वहां के मतदाताओं को ज्यादा ही लुभा रहा है। दूसरी बात क्या है जिस पर चर्चा जारी है? भैया! ऐसा है कि बारह लाख की आय तक आयकर नहीं है, अच्छी बात है। लेकिन जो बेरोजगार हैं, बिना किसी आय के उनके बीच चर्चा है जब आय ही नहीं तो आयकर की छूट का हमें क्या फायदा? हमें भी साल में बारह लाख कमाने का रोजगार दो तो हम भी इस छूट का आनंद लें।

अभी तो बाप भाई के सहारे जिए जा रहे हैं कभी तो हमें सरकारी छूटों का आनंद लेने दो। कहीं कहीं बेरोजगार भत्ते दे रहे हैं लेकिन वह कोई स्थाई समाधान तो नहीं है न?

सही समस्या है। कई राज्य नए नए उद्योगों को आकर्षित कर रहे हैं, केंद्र सरकार भी कई संस्थाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर रही है। जब ये सब फलीभूत हो जायेंगे तो सभी को रोजगार मिल जायेंगे और देश खुशहाल होगा। भैया! आजकल सिर्फ दिल्ली के चुनावी भाषण देख सुन रहे हैं शायद तभी ऐसी बातें कर रहे हैं।

भाषणों में आजकल रोज़गार, जन कल्याण, महंगाई की बातें कहां होती हैं? जनता की भलाई का मुद्दा तो कब का आउट डेटेड हो गया है।

अब तो भाषणों में सिर्फ सामने वाले उम्मीदवार की बुराइयां, कमज़ोरियां और उस पर झूठे आरोपों पर बात होती है। अगर सत्ता में हैं चुनाव लड़ रहे हैं तो विपक्ष के उम्मीदवारों पर छापे और सरकारी हमले होते हैं। सारे अपनी गद्दी, अपना पद बचाने के लिए जमीन आसमान एक कर लेते हैं। इसमें जनता, मतदाता, लोकतंत्र जिनके नाम पर है, वे कहां आते हैं? बस हाशिए पर रह जाते हैं। अर्थहीन हो गई है जनता, क्योंकि मुफ्त की रेवड़ियां, बिरयानी, शराब देकर उनके वोटों के साथ साथ लगता है नेताओं ने उनके अस्तित्व को भी खरीद लिया है।

इसलिए चुनावों में जनता के कल्याण और जनता दोनों नगण्य होते हैं। भाषणों में बेरोजगार, महंगाई का नामोनिशान नहीं होता। तो मैं क्यों चुनावी भाषणों का संदर्भ लेने लगा?

भैया! आपने जो कहा, सही कहा। लेकिन आयकर की छूट पाने की दशा में आज के बेरोजगार कभी तो होंगे, ऐसी उम्मीद ही की जा सकती है। उम्मीद पे दुनिया जीती है भैया!

ठीक छोटू! जब तक लोग लालच, धर्म, जाति, प्रांत और भाषाई दलदल में फंसे रहेंगे, कुछ नहीं होगा।

सरकारी बालगृह से दो नाबालिग फरार

उज्जैन, 20 जनवरी (एजेंसियां)। उज्जैन के नागझिरी थाना क्षेत्र अंतर्गत लालपुर स्थित सरकारी बालगृह से मंगलवार तड़के दो नाबालिग बालक फरार हो गए। दोनों बच्चों ने वाशरूम जाने का बहाना बनाकर कमरे से निकले। वाथरूम की ग्रिल तोड़ी और भाग निकले। घटना सुबह करीब 5 बजे की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार फरार नाबालिगों में एक की उम्र 13 वर्ष और दूसरे की उम्र 15 वर्ष है। इनमें से एक बच्चा करीब तीन माह पहले बालगृह में आया था, जबकि दूसरा लगभग एक वर्ष से वहीं रह रहा था। बताया जा रहा है कि पहले एक नाबालिग ने वाशरूम जाने की बात कहकर अंदर प्रवेश किया और वहां लगी ग्रिल तोड़कर फरार हो गया। कुछ देर बाद दूसरा नाबालिग भी वाशरूम गया और वापस नहीं लौटा।

बीएमसी मेयर की कुर्सी को लेकर उद्धव ठाकरे की उम्मीदें बरकरार

क्या आरक्षण लॉटरी बदल देगी पूरा खेल?

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बृहन्मुम्बई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) को देश की सबसे अमीर महानगरपालिका कहा जाता है। ऐसे में इसके मेयर पद को लेकर सियासी हलचल तेज होना स्वाभाविक है। इस बार मुकाबला सीधे तौर पर महायुति और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के बीच है। बहुमत महायुति के पास होने के बावजूद उद्धव ठाकरे का यह कहना कि भगवान की मर्जी होगी तो हमारी पार्टी का मेयर बनेगा।

संख्याबल में कौन आगे?

बीएमसी में कुल 227 सीटें हैं और बहुमत का आंकड़ा 114 का है। मौजूदा स्थिति में बीजेपी और शिंदे शिवसेना की महायुति के पास 118 पार्षद हैं, यानी वे बहुमत से 4 सीट आगे हैं। वहीं उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और मनसे मिलकर 71 पार्षदों तक ही

पहुंच पाई है। कागजों में देखें तो तस्वीर साफ लगती है, लेकिन असली खेल अभी बाकी है।

मेयर पद की आरक्षण लॉटरी

बीएमसी में मेयर का चुनाव सीधे बहुमत से ही नहीं, बल्कि आरक्षण व्यवस्था से भी जुड़ा होता है। गुरुवार (22 जनवरी) को मेयर पद के लिए आरक्षण की लॉटरी निकाली जानी है। पिछली बार मेयर पद ओपन कैटेगरी से था, लेकिन रोटेशन के नियम के तहत इस बार ओपन कैटेगरी नहीं होगी। इस बार लॉटरी एससी, ओबीसी या एसटी कैटेगरी में से किसी एक पर आकर टिकेगी।

एससी और ओबीसी में महायुति को बढ़त

अगर लॉटरी एससी या ओबीसी कैटेगरी से निकलती है, तो महायुति की राह आसान मानी जा रही है। इन दोनों वर्गों में बीजेपी और शिंदे शिवसेना के पार्षद मौजूद हैं। ऐसे में वे आसानी से अपना उम्मीदवार उतारकर मेयर की कुर्सी पर कब्जा कर सकते हैं। यही वजह है कि महायुति फिलहाल खुद को मजबूत स्थिति में मान रही है।

एसटी कैटेगरी बनी तो बदल सकता है पूरा गणित

लेकिन असली सस्पेंस एसटी कैटेगरी को लेकर है। पूरे मुंबई में एसटी कैटेगरी की सिर्फ दो सीटें हैं और दोनों पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) के पार्षद जीतकर आए हैं। एक सीट वार्ड 53 से जितेंद्र वलवी की है और दूसरी वार्ड 121 से प्रियदर्शनी ठाकरे की। इस कैटेगरी में महायुति का एक भी पार्षद नहीं है। अगर मेयर पद की लॉटरी एसटी महिला या एसटी पुरुष कैटेगरी से निकलती है, तो मेयर पद के लिए केवल उद्धव ठाकरे की शिवसेना के उम्मीदवार ही पात्र होंगे। ऐसी स्थिति में महायुति के पास दो ही विकल्प बचेंगे या तो दो-तिहाई बहुमत जुटाकर तोड़फोड़ की कोशिश करे, या फिर मेयर पद यूबीटी के खाते में जाने दे।

यही पूरा गणित है, जिसके चलते उद्धव ठाकरे ने "भगवान की मर्जी" वाला बयान दिया। उनका इशारा साफ है कि अगर आरक्षण की लॉटरी एसटी कैटेगरी पर आ गई, तो बहुमत न होने के बावजूद भी बीएमसी का मेयर उनकी पार्टी का बन सकता है। अब सबकी निगाहें 22 जनवरी पर टिकी हैं, जब यह तय होगा कि मुंबई की सबसे ताकतवर कुर्सी किसके हाथ लगेगी।

प्रदेश में एकल महिलाओं को अगले महीने से मिलेगा योजना का लाभ, प्रदेश में पहली बार होगी शुरू

देहरादून, 20 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार नए साल में एकल महिलाओं को अगले महीने से योजना का लाभ देने जा रही है। पहली बार शुरू हो रही मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना के तहत 504 पात्र महिलाओं की सूची को अंतिम रूप दिया जा चुका है। महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने सचिवालय में हुई विभागीय बैठक में कहा, योजना से महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनेंगी। विभागीय मंत्री ने बैठक में नंदा गौरा योजना की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा, योजना के तहत अब तक 11 जिलों की लाभार्थियों की अंतिम सूची तैयार कर ली गई है। इनमें 34852 इंटरमीडिएट पास करने वाली छात्राएं और 6021 जन्म लेने वाली बालिकाएं शामिल हैं। इन सभी को धनराशि वितरित करने के लिए फरवरी प्रथम सप्ताह में कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

मामूली बात पर की थी गोवा में दो रसियन महिलाओं की हत्या, आरोपी के फोन में मिली 100 महिलाओं की तस्वीरें

गोवा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। हाल ही उत्तरी गोवा के अरम्बोल और मोरजिम गांवों में दो रूसी महिलाओं की गला रेत कर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में दोनों रूसी महिलाओं के एक दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं अब यह पता चला रहा है कि गिरफ्तार व्यक्ति ने ही अपनी दोनों मित्रों की गला रेतकर हत्या की थी। एनडीटीवी के सूत्रों के मुताबिक आरोपी ने कुछ उधार के रुपयों और 100 रुपये के एक रबर क्राउन के लिए दोनों की हत्या कर दी थी। फिलहाल आरोपी लियोनोव को पुलिस ने गिरफ्तार किया हुआ है। उससे और अधिक पूछताछ कर जानकारी इकट्ठा की जा रही है।

गोवा पुलिस के वरिष्ठ सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया कि रूसी नागरिक अलेक्सी लियोनोव ने गोवा में उधार लिए गए पैसों और 100 रुपये के एक रबर के मुकुट को लेकर अपनी दो महिला मित्रों की हत्या कर दी। दोनों महिलाओं की पहचान एलेना वानीवा और एलेना कास्थानोवा के रूप में हुई है

विधायक कालू सिंह ठाकुर पर पत्थरों से हमला सिर में आई चोट, पहले भी चल चुकी है गोली

धार, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार जिले में धरमपुरी विधानसभा सीट से भाजपा विधायक कालू सिंह ठाकुर पर हमला हुआ है। हमलावरों ने उन पर पत्थरों से हमला किया है, जिससे उनके सिर पर चोट आई है। विधायक की शिकायत पर इस मामले में जांच शुरू हो गई है। पुलिस के मुताबिक, धरमपुरी विधानसभा सीट से भाजपा विधायक कालू सिंह ठाकुर अपने घर के पास सिरसोदिया गांव में खेत में काम देखने गए थे। इसी दौरान पड़ोसियों द्वारा उन पर पत्थर से हमला किया गया। इस घटना में विधायक घायल हो गए और उन्हें धामनोद के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया है क्योंकि अगर सत्ताधारी पार्टी के विधायक पर इस तरह हमला हो सकता है तो आम आदमी तो कहां ही सुरक्षित होगा? धामनोद थाने के उप निरीक्षक नारायण कटारे ने बताया, विधायक की सिरसोदिया गांव में जमीन है, जहां काम चल रहा था। उसी समय पड़ोसियों ने पत्थरों से उन पर जानलेवा हमला किया। विधायक की शिकायत पर प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। इस मामले में प्रिन्स उर्फ पिंटू, गेंदाबाई और रंजु गिरवाल के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है।

हालांकि अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस घटना को लेकर विधायक कालूसिंह ठाकुर ने कहा, हम अपने घर के पास खेत पर खड़े थे, तभी दो-तीन लोग आए और उन पर पत्थरों से हमला कर दिया, जिनमें एक-दो महिलाएं भी शामिल थीं। हमलावरों को वह शक्ल से पहचान सकते हैं, लेकिन नाम नहीं जानते। विधायक के मुताबिक, उन पर पहले भी गोली चल चुकी है। हालांकि उनका कहना है कि उनकी किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है। इस मामले को लेकर इलाके में तमाम तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

'ब्लैक ब्लड' स्कैमर्स का भंडाफोड़, बुजुर्गों से ऐंठते थे लाखों रुपये, बैंक मैनेजर ने किया पर्दाफाश

अहमदाबाद, 20 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात की राजधानी अहमदाबाद से ब्लैक ब्लड स्कैम का एक मामला सामने आया है। अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे गैंग का पर्दाफाश किया जो दर्द से जूझ रहे बुजुर्गों को धोखाधड़ी का शिकार बना रहा था। बैंक ऑफ बड़ौदा के एक बैंक मैनेजर की सूझबूझ से इस गैंग का पर्दाफाश हुआ है। दो दिनों से एक बुज़ुर्ग व्यक्ति अपने फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) से बड़ी रकम निकालने के लिए ब्रांच आ रहा था। बैंक मैनेजर को शक हुआ कि ये बुजुर्ग व्यक्ति डिजिटल अरेस्ट स्कैम का शिकार बन रहा है।

मैनेजर की शिकायत पर पुलिस इंस्पेक्टर जेपी ठाकोर और उनकी टीम बैंक पहुंची, तो सीसीटीवी फुटेज में एक संदिग्ध आदमी पास में घूमता हुआ दिखा, जो बुज़ुर्ग पीड़ित पर रेकी कर रहा था। पुलिस ने इस मामले में 35 साल के मोहम्मद अमजद को गिरफ्तार कर लिया है,

युवा कांग्रेस का 'मैं भी अंकिता भंडारी अभियान शुरू, सीबीआई जांच की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

पौड़ी ग़ढवाल, 20 जनवरी (एजेंसियां)। युवा कांग्रेस ने अंकिता भंडारी के परिजनों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर "मैं भी अंकिता भंडारी" अभियान की शुरुआत की है। जिला मुख्यालय में युवा कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व उत्तराखंड प्रभारी सुरभि द्विवेदी ने अभियान का शुभारंभ किया। सुरभि द्विवेदी ने कहा कि न्याय की लड़ाई किसी एक बेटी की नहीं, बल्कि पूरे देश की बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और न्याय से जुड़ा सवाल है। इस अभियान के माध्यम से प्रदेश और देश की हर बेटी की आवाज को बुलंद किया जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार को अंकिता भंडारी प्रकरण की सीबीआई जांच की संस्तुति करने में तीन साल का समय लग गया, जिससे सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव स्वाति नेगी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने अंकिता के माता-पिता को जबरन देहरादून बुलाया, जबकि वे स्वयं अंकिता के गांव जाकर उनसे मिल सकते थे।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर प्रॉपर्टी डीलर से मांगे 5 करोड़

वॉट्सएप कॉल पर परिवार को मिल रही धमकी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के वेस्ट विनोद नगर इलाके में रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर जितेंद्र कुमार गुप्ता और उनके परिवार को लारेंस बिश्नोई के नाम पर 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगते हुए जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। कॉल और वाट्सऐप के जरिए बदमाश खुद को गैंग से जुड़ा बता रहे हैं, जिससे परिवार दहशत में है। धमकी देने वाले लोग जितेंद्र, उनके दोनों बेटों और भाई सतेंद्र कुमार गुप्ता को सीधे निशाना बनाने की बात कह रहे हैं। काल करने वालों ने साफ कहा है कि अगर फिरौती नहीं दी गई तो पूरे परिवार को गोली मार दी जाएगी। धमकी के बाद जितेंद्र ने एहतियातन अपना ऑफिस बंद कर दिया, जबकि सुरक्षा कारणों से दोनों बेटों को अनजान स्थान पर भेज दिया गया है।

दो कुख्यात ऑटो-लिफ्टर गिरफ्तार; चोरी किए गए 6 वाहन बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली के सीलमपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो कुख्यात ऑटो-लिफ्टरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से छह चोरी के वाहन बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार 18 जनवरी 2026 को थाना प्रभारी सीलमपुर के निर्देशन में एचसी रोकी, एचसी मनीष, एचसी नवनीश और कांस्टेबल नरेंद्र की टीम गश्त पर थी। इसी दौरान टीम को क्षेत्र में ऑटो-लिफ्टरों की मौजूदगी की विशेष सूचना मिली। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने गौतमपुरी स्थित पानी की टंकी के पास एक मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को रोका। जांच के दौरान दोनों युवक वाहन के स्वामित्व से जुड़े दस्तावेज पेश नहीं कर सके।

जट्ट-सिख वर्सेज दलित में फंस गई पंजाब कांग्रेस बीजेपी को दिखा मौका, चन्नी को दे दिया ऑफर

चंडीगढ, 20 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस के अंदर एक बार फिर अंदरुनी कलह सामने आने लगी है। मामला पंजाब कांग्रेस में जट्ट सिख वर्सेज दलित नेतृत्व विवाद से जुड़ा हुआ है। मामला तब बढ़ा जब राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का एक वीडियो वायरल हो गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में चन्नी को पार्टी में दलितों के प्रतिनिधित्व की मांग करते हुए सुना जा सकता है। साथ ही जालंधर से सांसद ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्होंने किसी खास जाति या समुदाय को लेकर कोई बात नहीं की और वह सोशल मीडिया पर दुर्भावनापूर्ण दुष्प्रचार के शिकार हुए हैं। चन्नी ने शनिवार को पार्टी की अनुसूचित जाति (एससी) शाखा की बैठक में अपने संबोधन के दौरान कहा था, "पंजाब में अगर आप यह स्वीकार करते हैं कि दलितों की आबादी 35 से 38 फीसदी है, जो कि असल में है, तो हमें उचित प्रतिनिधित्व क्यों नहीं मिल रहा है?"

उन्होंने आगे यह भी कहा, "पंजाब (कांग्रेस) का अध्यक्ष ऊंची जाति से हैं, विधायक दल का नेता ऊंची जाति से हैं, पंजाब कांग्रेस की महिला शाखा की प्रमुख ऊंची जाति से हैं, पंजाब (कांग्रेस) महासचिव ऊंची जाति से हैं? ऐसे में हम कहां जाएं? ये लोग कहां जाएंगे?" साथ ही उनका एक और वीडियो वायरल हो गया है जिसमें चन्नी अपनी बात रखने से पहले लोगों से वीडियो नहीं बनाने की अपील भी कर रहे हैं। पंजाब में विधानसभा चुनाव के लिए अब 2 करीब साल का वक्त रह गया है और यहां पर 2027 में होना है।

नाबालिग के साथ छेड़छाड़,पुलिस ने थाने में 3 घंटे बैठाया

इंदौर के परदेशीपुरा थाने में टीआई अनुपस्थित; ऐसे मामलों में तत्काल एफआईआर दर्ज करने के हैं निर्देश

इंदौर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के परदेशीपुरा थाने में टीआई के अनुपस्थित रहने के दौरान एक नाबालिग से छेड़छाड़ और गंभीर अपराध के मामले में पुलिस स्टाफ ने पीड़ित परिवार को थाने में करीब तीन घंटे बैठाया। बाद में जब टीआई आरडी कानवा थाने पहुंचे, तो परिवार ने उन्हें पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। टीआई ने स्टाफ को फटकारते हुए आरोपी को हिरासत में लेने और तुरंत एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। जबकि पिछले दिनों ही पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने निर्देश दिए थे कि थाने में टीआई के अनुपस्थित रहने पर भी ड्यूटी अधिकारी सीनियर अधिकारियों को जानकारी देते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज करें। इसके बावजूद कई थानों में यह निर्देश पालन नहीं किया जा रहा है।

भुवनेश्वर के यूनिट-1 मार्केट में लगी भीषण आग 40 दुकानें जलकर खाक, करोड़ों का नुकसान

भुवनेश्वर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। शहर के मुख्य यूनिट-1 मार्केट में देर रात भीषण आग लगने का मामला सामने आया है। यहां इलाके में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी भयावह थी कि लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं। आग लगने की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। यह आग रात करीब 2 बजे लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया।

आग और धुएं का गुबार इतनी दूर तक दिखाई दे रहा था कि आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई। जानकारी के मुताबिक इस भीषण हादसे में करीब 40 दुकानें पूरी तरह जलकर नष्ट हो गईं। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, आग से 1 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है।

वहीं यहां मार्केट में मौजूद दुकानों में रखे सामान, फर्नीचर और अन्य सामग्री जलकर राख हो गई। आन लगने के बाद आनन-फानन में फायर बिग्रेड को सूचना दी गई, जिसके बाद दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। वहीं आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। दमकल विभाग की 13 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब 70 अग्निशमन कर्मियों को आग बुझाने के काम में लगाया गया।

तीन घंटे में आग पर पाया काबू

जानकारी के मुताबिक दमकल विभाग क 10 अधिकारी भी पूरी स्थिति की निगरानी के लिए घटनास्थल पर मौजूद रहे। कड़ी मेहनत के बाद करीब 3 घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। वहीं आग लगने के कारणों की फिलहाल पुष्टि नहीं हुई है।

राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के आहत होने की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा आगे की जांच की जा रही है।

करंट में तीन अंग गंवाने वाले युवक को आर्टिफिशियल अंग देने का आदेश, पंजाब-हरियाणा एचसी सख्त

चंडीगढ़। साल 2011 में करंट लगने की दर्दनाक दुर्घटना में दोनों हाथ और एक पैर गंवाने वाले युवक रमण स्वामी को आखिरकार न्यायिक राहत मिली है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा मेडिकल सर्विसेज कारपोरेशन लिमिटेड पंचकूला को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वह रमण को आधुनिक कृत्रिम अंग उपलब्ध कराने के लिए टेंडर जारी करने सहित सभी आवश्यक औपचारिक कदम उठाए और इसकी जानकारी अदालत को दे।

पानीपत जिले के सनौली खुर्द गांव का निवासी रमण स्वामी महज पांच वर्ष का था, जब तीन नवंबर 2011 को उसके घर की छत के ऊपर से नीचे लटक रही हाई-टेंशन बिजली की तार की चपेट में आ गया। हादसा इतना भयावह था कि रमण के दोनों हाथ और बायां पैर काटना पड़ा। बचपन में ही जीवनभर का शारीरिक संघर्ष झेलने को मजबूर हुए रमण के मामले में हाईकोर्ट ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए इलाज और पुनर्वास की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं।

लिव-इन रिलेशनशिप पर मद्रास हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी, 'ऐसे रिश्ते समाज के लिए सांस्कृतिक झटका'

चैन्नई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मद्रास हाई कोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप को भारतीय समाज के लिए 'सांस्कृतिक झटका' करार देते हुए इस पर गहरी चिंता जताई है। जस्टिस एस। श्रीमाथी ने मदुरै बेंच में दिए एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप में महिलाओं को पत्नी का दर्जा देकर कानूनी और आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए, ताकि वे शोषण और मानसिक आघात से बच सकें। यह हर जगह बड़े पैमाने पर हो रहा है।

लड़कियां खुद को मॉडर्न समझकर ऐसे रिश्ते में रहने का फैसला करती हैं, लेकिन कुछ समय बाद उन्हें एहसास होता है कि यह रिश्ता शादी जैसी कोई सुरक्षा नहीं देता। ऐसी स्थिति में महिलाएं मानसिक ट्रॉमा और वित्तीय संकट का शिकार हो जाती हैं।मद्रास हाई कोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप पर अहम टिप्पणी एक व्यक्ति की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए दी। आरोपी पर एक महिला से शादी का वादा करके शारीरिक संबंध बनाने और बाद में शादी से मुकरने का आरोप था। व्यक्ति ने दावा किया कि उसने महिला को इसलिए छोड़ दिया क्योंकि उसका 'चरित्र अच्छा नहीं था'। जस्टिस श्रीमाथी ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा, "लड़के खुद को मॉडर्न मानकर लिव-इन रिलेशनशिप में रहते हैं, लेकिन बाद में लड़कियों के चरित्र पर सवाल उठाते हैं। कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर शादी संभव नहीं है तो पुरुषों को कानूनी प्रावधानों का सामना करना पड़ेगा।

कोर्ट ने कहा कि वर्तमान में महिलाओं को मुख्य रूप से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के तहत सुरक्षा मिलती है, जो शादी का वादा करके यौन संबंध बनाने और उसे पूरा न करने से संबंधित है। हालांकि, यह पर्याप्त नहीं है, और महिलाओं को लिव-इन रिलेशनशिप में पत्नी जैसा दर्जा देकर बेहतर संरक्षण दिया जाना चाहिए। यह फैसला महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, क्योंकि लिव-इन रिलेशनशिप में अक्सर महिलाएं कानूनी कमजोरी का शिकार हो जाती हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में गंभीरता और प्रथम दृष्टया सबूतों को देखते हुए अग्रिम जमानत नहीं दी जा सकती।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में आतंकवादियों की तलाश तीसरे दिन भी जारी

किश्तवाड़, 20 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के ऊपरी इलाकों में आतंकवादियों को पकड़ने के लिए मंगलवार को तीसरे दिन भी बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन जारी है। इस दौरान कई लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में भी लिया गया। यह ऑपरेशन रविवार को छातरू इलाके में मंडाल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव में शुरू किया गया था। इस अभियान के दौरान घने जंगलों में छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर ग्रेनेड हमला और बाद में गोलीबारी हुई। ग्रेनेड हमले में एक पैराट्रूपर बलिदान हो गए जबकि सात अन्य सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। हमले के तुरंत बाद जैसे ही सुरक्षाबलों ने जवाबी

कार्रवाई शुरू की आतंकवादी जंगल के के बीच भाग गए। सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ हो गया। तलाशी के दौरान वहां से खाने-पीने का सामान, कंबल, बर्तन सहित बड़ी मात्रा में सर्दियों का सामान भरा हुआ था।

जम्मू ज़ोन के पुलिस इंस्पेक्टर जनरल भीम सेन टूटी और सीआरपीएफ जम्मू के इंस्पेक्टर जनरल आर गोपाल कृष्ण राव सहित सीनियर अधिकारी भी मुठभेड़ वाली जगह पर पहुंचे और ऑपरेशन की निगरानी के लिए कई आर्मी अधिकारियों के साथ वहां कैंप कर रहे हैं।

इस बीच, मंगलवार सुबह जम्मू में शहीद हुए स्पेशल फोर्स कमांडो हवलदार गजेंद्र सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां एक श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि सतवारी में अयोजित इस समारोह की अगुवाई व्हाइट नाइट कॉर्प्स के ऑफिसिएटिंग चीफ ऑफ स्टाफ ब्रिगेडियर युद्धवीर सिंह सेखों ने की और बाद में, बलिदानी के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए उत्तराखंड में उनके पैतृक गांव भेज दिया गया। जम्मू-कठुआ-सांबा रेंज के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, शिव कुमार शर्मा, जम्मू के डिप्टी कमिश्नर, राकेश मिन्हास और कई पुलिस, सीआरपीएफ और बीएसएफ अधिकारी भी श्रद्धांजलि समारोह में शामिल हुए।

अधिकारी ने आगे बताया कि मुश्किल इलाके के बावजूद इलाके की तलाशी ले रही हैं, जिससे विज़िबिलिटी और मूवमेंट कम हो रही है। अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान के जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो से तीन आतंकवादियों के एक ग्रुप के इलाके में फंसे होने की बात कही जा रही है।

गायों समेत 50 गोवंश की मौत 'कैजुअल और लापरवाह कार्यशैली का परिणाम', चंडीगढ़ प्रशासन को हाईकोर्ट की फटकार

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ के रायपुरकलां स्थित गौशाला में गायों समेत 50 गोवंश की मौत के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने इसे नियामक एजेंसियों की की कैजुअल और लापरवाह कार्यशैली का नतीजा बताया है। कहा कि कहा कि कानून लागू कराने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों ने आंखें मूंद लीं, जिससे न केवल पशुओं को पीड़ा हुई, बल्कि नियमों का खुलेआम उल्लंघन भी चलता रहा। हाईकोर्ट के जस्टिस संजय वशिष्ठ इस मामले को जनहित याचिका के रूप में दर्ज करने का आदेश देते हुए केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय और पर्यावरण मंत्रालय के सचिवों के माध्यम से, चंडीगढ़ प्रशासन को डिप्टी कमिश्नर के माध्यम से तथा नगर निगम चंडीगढ़ को उसके आयुक्त के माध्यम से नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

ट्रम्प ग्रीनलैंड का फ्यूचर स्विट्जरलैंड में तय करेंगे

नाटो चीफ को फोन करके मीटिंग बुलाई, कनाडा और वेनेजुएला को भी अमेरिका का हिस्सा दिखाया

वॉशिंगटन, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोमवार को नाटो चीफ मार्क रूट से फोन पर बात की है। बातचीत में ग्रीनलैंड के मुद्दे पर स्विट्जरलैंड के दावोस बैठक बुलाने का फैसला लिया गया। हालांकि उन्होंने बैठक की तारीख नहीं बताई।

ट्रम्प ने रूट को साफ तौर पर बताया कि ग्रीनलैंड अमेरिका की राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि दुनिया में शांति ताकत के जरिए ही कायम की जा सकती है और अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर देश है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया 'ट्रुथ सोशल' पर एक मैप भी शेयर किया, जिसमें कनाडा, ग्रीनलैंड और वेनेजुएला को अमेरिका का हिस्सा दिखाया गया।

ट्रम्प ने अमेरिका को सबसे ताकतवर देश बताया

ट्रम्प ने बताया कि इस मुद्दे (गाजा) पर नाटो चीफ मार्क रूट से उनकी फोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई है। बातचीत के बाद अलग-अलग पक्षों के साथ स्विट्जरलैंड के दावोस में बैठक करने पर सहमति बनी है।

ट्रम्प ने अमेरिका को दुनिया का सबसे ताकतवर देश बताया। उन्होंने कहा कि ताकत के जरिए ही दुनिया में शांति कायम की जा सकती है और यह क्षमता सिर्फ अमेरिका के पास है।

नाटो चीफ का पर्सनल मैसेज शेयर किया

ट्रम्प ने नाटो चीफ मार्क रूट का एक पर्सनल मैसेज सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। इस मैसेज में ने ट्रम्प से कहा-मिस्टर प्रेसिडेंट,आज आपने सीरिया में जो हासिल किया है, वह अविश्वसनीय है। मैं दावोस में अपने मीडिया इंटरव्यू में सीरिया, गाजा और यूक्रेन में आपके काम को सामने रखूंगा।"

अमेरिका ने ग्रीनलैंड में मिलिट्री एयरक्राफ्ट भेजा

ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर डेनमार्क से बढ़ते विवाद के बीच अमेरिका ने नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड (एनओआरएडी) का एक सैन्य विमान ग्रीनलैंड भेजा है। यह विमान जल्द ही पिटुफिक स्पेस बेस पहुंचेगा।

एनओआरएडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि यह तैनाती पहले से तय सैन्य गतिविधियों के तहत की जा रही है। कमांड ने साफ किया कि इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी डेनमार्क और ग्रीनलैंड को दी गई है।

ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी के बीच डेनमार्क ने भी ग्रीनलैंड में अतिरिक्त सैनिक तैनात किए हैं। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक सोमवार को कई विमान डेनमार्क के सैनिकों और सैन्य उपकरणों को लेकर ग्रीनलैंड पहुंचे।

एनओआरएडी के बयान के मुताबिक, पिटुफिक स्पेस बेस पर पहुंचने वाला यह विमान अमेरिका और कनाडा के ठिकानों से संचालित अन्य विमानों के साथ मिलकर लंबे समय से तय रक्षा गतिविधियों में शामिल होगा।

इन गतिविधियों को अमेरिका, कनाडा और डेनमार्क के बीच चली आ रही रक्षा साझेदारी का हिस्सा बताया गया है। एनओआरएडी ने यह भी कहा कि इस तैनाती के लिए जरूरी सभी कूटनीतिक मंजूरियां ली गई हैं।

दो बाइक की आमने-सामने टक्कर

तीन युवक गंभीर रूप से घायल, एक की हालत नाजुक, हजारीबाग रेफर

कोडरमा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। चतरा जिले के पत्थलगड़ा थाना क्षेत्र में नोनगांव मोड़ के पास दो तेज रफ्तार बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें तत्काल हजारीबाग रेफर कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, सिमरिया थाना क्षेत्र के सोहर गांव निवासी अर्जुन भुइंया और रंजीत भुइंया बलबल मेले से लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे गिद्धौर के तिलैया निवासी विनोद गंझू की बाइक से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक को भारी नुकसान पहुंचा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक युवक की पैर की हड्डी टूट गई है, जबकि दूसरे के सिर में अंदरूनी चोट लगी है। तीसरे युवक के हाथ, पैर और जांघ की हड्डियां कई जगह से टूट गई हैं।

किम जोंग ने मंच से डिप्टी पीएम को बर्खास्त किया

कहा- बैल गाड़ी खींच सकती है, बकरी नहीं, तुम्हें जिम्मेदारी देना मेरी गलती थी

प्योंगयांग, 20 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने डिप्टी पीएम यांग सुंग-हो को बर्खास्त कर दिया है। कोरियाई न्यूज एजेंसी केसीएनए के मुताबिक किम जोंग उन योंगसोंग मशीन कॉम्प्लेक्स में सोमवार को इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट के पहले चरण के उद्घाटन के लिए पहुंचे थे।

किम ने अपने संबोधन के दौरान यांग सोंग-हो को हटाने का आदेश दिया। किम ने डिप्टी पीएम को फटकार भी लगाई। किम ने मंच से ही डिप्टी पीएम से कहा, "बहुत देर होने से पहले, अपने पैरों पर खुद यहां से चले जाओ।"

किम ने कहा कि यांग बड़ी जिम्मेदारियां संभालने के लायक नहीं हैं। किम ने कहा, "एक बकरी गाड़ी नहीं खींच सकती। यह हमारे कैडर अपॉइंटमेंट सिस्टम में हुई एक गलती थी। आखिरकार, गाड़ी बैल खींचता है, बकरी नहीं।"

किम जोंग उन ने कहा कि उन्होंने यांग को योंगसोंग मशीन

कॉम्प्लेक्स के पहले चरण के आधुनिकीकरण में हुई गंभीर गलतियों को सुधारने के लिए कई बार मौका दिया था। इसके बावजूद काम में कोई सुधार नहीं हुआ। किम ने यह भी स्पष्ट किया कि यांग को पद से हटाना जरूरी था, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उन्हें "पार्टी-विरोधी" माना जाए।किम के मुताबिक, यांग ने पार्टी की केंद्रीय समिति को ऐसे सुझाव दिए जो न तो व्यावहारिक थे और न ही सच्चाई पर आधारित थे। उन्होंने आरोप लगाया कि यांग ने अपने फायदे के लिए पार्टी को गुमराह करने की कोशिश की, यहां तक कि पिछले महीने हुई पार्टी की अहम बैठक में भी।

उन्होंने बताया कि इन सबके बावजूद उन्होंने यांग को एक और मौका दिया। लेकिन बाद में साफ हो गया कि उनमें जिम्मेदारी की भावना बिल्कुल नहीं है। उन्होंने कहा,"यह व्यक्ति शुरू से ऐसा ही रहा है और इसे किसी भी बड़ी जिम्मेदारी के लायक नहीं माना जा सकता।" काम में देरी के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया

यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब देश में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की नौवीं पार्टी कांग्रेस की तैयारी चल रही है। उत्तर कोरिया में किसी अधिकारी को इस तरह सार्वजनिक रूप से फटकार लगना आम बात नहीं मानी जाती।

यांग सुंग-हो पहले देश के मशीनरी उद्योग के मंत्री थे। बाद में उनका प्रमोशन करके मशीनरी क्षेत्र की जिम्मेदारी संभालने वाला उपप्रधानमंत्री बना दिया गया। दक्षिण कोरिया की सरकारी एजेंसी योनहाप के मुताबिक, वह पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में भी शामिल थे, लेकिन वहां उनकी भूमिका स्थायी नहीं थी।

पाकिस्तानी मंत्री मरियम औरंगजेब का बदला रूप देखकर लोग हैरान

कॉस्मेटिक सर्जरी कराने की अटकलें, लोग कह रहे- हॉलीवुड के कॉस्मेटिक सर्जन फेल

लाहौर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी पीएमएल-एन की सीनियर नेता मरियम औरंगजेब इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। वजह है लाहौर में हुई शादी में उनका बदला हुआ लुक।

यह शादी पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नाती और मरियम नवाज के बेटे जुनैद सफदर की थी। मरियम औरंगजेब यहां मेहमान के तौर पर शामिल हुई थीं। जुनैद सफदर की शादी शंजे अली रोहैल से लाहौर में धूमधाम से हुई थी। हालांकि, शादी से ज्यादा चर्चा मरियम औरंगजेब की तस्वीरों को लेकर हुई। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में मरियम औरंगजेब पहले के मुकाबले ज्यादा स्लिम, शार्प फेस फीचर्स और बदले हुए लुक में नजर आईं। कई यूजर्स ने उनके ग्लो और फिटनेस की तारीफ की। कई लोगों उनके लुक में आए बदलाव को लेकर सवाल भी उठाए। यूजर्स ने यह अटकलें भी लगाईं कि मरियम औरंगजेब ने कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई हो सकती है। कॉस्मेटिक सर्जरी एक मेडिकल प्रक्रिया होती है, जिसमें किसी व्यक्ति के चेहरे या शरीर की बनावट और दिखावट को बेहतर या बदलने के लिए इलाज किया जाता है। इसका मकसद बीमारी का इलाज नहीं, बल्कि लुक में बदलाव या सुधार करना होता है।

तीन कपड़ा दुकानों में लाखों की संपत्ति चोरी

गिरिडीह, 20 जनवरी (एजेंसियां)। गिरिडीह शहर के कालीबाड़ी चौक पर बीती रात चोरों ने एक साथ तीन कपड़ा दुकानों को निशाना बनाया। इस घटना से बाजार क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। चोर कालीबाड़ी चौक स्थित गोविंद टेक्सटाइल, केके फैशन और आरसी ट्रेंड्स फैमिली स्टोर में देर रात घुसे।

चोरों ने दुकानों के पीछे की ओर छत की खिड़की व दरवाजा तोड़कर अंदर घुसकर गल्ले में रखी नगदी और अन्य कीमती सामान चुरा लिया। इसके अलावा, आसपास की कई अन्य दुकानों में भी चोरी का प्रयास किया गया। हालांकि वहां चोरों को सफलता नहीं मिली। सुबह जब दुकानदार दुकानें खोलने पहुंचे तो उन्हें चोरी का पता चला। दुकानों में सामान बिखरा हुआ था और खिड़की-दरवाजे टूटे हुए थे।

नॉर्वे के पीएम बोले- नोबेल सरकार नहीं, कमेटी देती है

ट्रम्प की शिकायत पर जवाब दिया, ट्रम्प ने कहा- अब प्राइज नहीं देश का फायदा सोच रहा

वॉशिंगटन, 20 जनवरी (एजेंसियां)। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोर ने सोमवार को ट्रम्प का लेटर मिलने की पुष्टि की। इसके बाद बयान जारी कर उन्होंने साफ किया कि नोबेल शांति पुरस्कार नॉर्वे सरकार नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र नोबेल कमेटी देती है। सरकार का इसमें कोई रोल नहीं है।

दरअसल, ट्रम्प ने गाहर स्टोर को नोबेल नहीं मिलने को लेकर एक शिकायती चिट्ठी लिखी थी। इसमें उन्होंने ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने की बात कही थी। ट्रम्प ने सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वो अब नोबेल के बारे में नहीं सोचते।

ट्रम्प ने कहा कि शांति जरूरी है, लेकिन अब वह यह भी सोचेंगे कि अमेरिका के हित में क्या सही है।

ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की उनकी कोशिश की एक वजह नोबेल शांति पुरस्कार न मिलना भी है। इसकी वजह से उनके फैसले पर भी असर पड़ रहा है।

ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि अगर किसी को लगता है कि नॉर्वे नोबेल प्राइज को कंट्रोल नहीं करता है, तो यह मजाक है। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि नॉर्वे क्या कहा रहा है। मैं बस लोगों की जिंदगी बचाने के बारे में सोचता हूं। मुझे लगता है मैंने लाखों लोगों की जान बचाई है।

उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच मई में संघर्ष को सुलझाने के दावे को दोहराते हुए कहा, 'आप भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को देख सकते हैं, जब दो न्यूक्लियर पावर लड़ रहे थे। मैंने अब तक 8 जंग को रुकवाया है और शायद जल्द यह संख्या 9 हो जाएगी।'

ट्रम्प बोले- ताकत के दम पर ही शांति संभव है

वहीं गाहर स्टोर ने ग्रीनलैंड पर ट्रम्प के दावे को लेकर कहा कि यह डेनमार्क के राज्य का हिस्सा है और नॉर्वे डेनमार्क का पूरा समर्थन करता है।

साथ ही, उन्होंने कहा कि नाटो को आर्कटिक क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता मजबूत करने के लिए जिम्मेदारी से कदम उठाने चाहिए।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रम्प ने कहा कि डेनमार्क इसकी रक्षा नहीं कर सकता। हम इसके बारे में काफी लोगों से बात कर रहे हैं।

अमेरिकी एफ-15 के खिलाफ रूस ने उतारा था एसयू-30 फाइटर जेट

भारतीय वायुसेना की है रीढ़

मॉस्को, 20 जनवरी (एजेंसियां)। लड़ाकू विमान बनाने में रूस का कोई मुकाबला नहीं रहा है। हालांकि एसयू-57 फिफ्थ जेनरेशन फाइटर जेट बाजार में जलवा नहीं दिखा पाया। लेकिन एसयू-30 एक बेहद कामयाब लड़ाकू विमान बन चुका है। ये फाइटक जेट रूसी एयरोस्पेस फोर्सेज में भी कम असरदार नहीं है। ये लड़ाकू विमान रूसी वायुसेना में एक मल्टीफंक्शनल और मल्टीपर्पस एयरक्राफ्ट के तौर पर काम करता है। टेक्नोलॉजी के हिसाब से देखें तो एसयू-30, पश्चिमी देशों के चौथी पीढ़ी के फाइटर जेट्स की तुलना में भी एक जबरदस्त लड़ाकू विमान बना हुआ है। हालांकि, रूस ने यूक्रेन युद्ध में इस लड़ाकू विमान का ज्यादा इस्तेमाल नहीं किया है। लेकिन सीमित इस्तेमाल में भी ये काफी

असरदार रहा है। रूस ने इसे अमेरिकी एफ-15E ईगल के खिलाफ तैयार किया था और बाद में इसने अमेरिकी एफ-16 लड़ाकू विमान को भी टक्कर दी।

रूस ने एसयू-27यूबी लड़ाकू विमान बनाने के बाद एसयू-30 फाइटर जेट प्रोजेक्ट शुरू किया। इससे बनने की कहानी की शुरूआत 1970 के दशक के अंत में हुई थी, जब सुखोई डिजाइन ब्यूरो के डिजाइनरों को चौथी पीढ़ी के फाइटर जेट का एक ट्रेनर वर्जन बनाने का काम सौंपा गया। इसे बनाने का मकसद आकाश में होने वाले डॉगफाइट के दौरान रूस के वर्चस्व को स्थापित करना था। ये अपने मिशन में पूरी तरह से कामयाब रहा। उस वक्त रूस, सोवियत संघ हुआ करता था और उसे दो सीटों वाले एयरक्राफ्ट बनाने में महारत हासिल थी। इस तरह के एयरक्राफ्ट को कम ईंधन की जरूरत होती थी। लेकिन एसयू-27 को अलग तरह से बनाया गया था। इसके चीफ डिजाइनर मिखाइल सिमोनोव ने एक पूरी तरह से लड़ाकू एयरक्राफ्ट बनाने पर जोर दिया, जिसमें दूसरा क्रू मेंबर हथियारों के ऑपरेटर का काम कर सके।

1980 के दशक में एसयू-30 एयरक्राफ्ट का डिजाइन तैयार किया गया, जिसका फैक्ट्री कोड नाम टी-10यू था। लेकिन एक सिंगल-सीट फाइटर जेट बनाने की वजह से इसे बनाने में देरी हुई। पहला फ्लाइट प्रोटोटाइप, टी-10यू-1, 1984 की शुरुआत तक असेंबल नहीं हो पाया। 7 मार्च 1985 को टेस्ट पायलट निकोलाई सादोवनिकोव ने इसे पहली बार हवा में उड़ाया।

इजरायल ऐसा हमला करेगा, जैसा किसी ने देखा नहीं होगा

नेतन्याहू ने दी ईरान को तबाह करने की धमकी

तेल अवीव/तेहरान, 20 जनवरी (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान को खतरनाक चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर ईरान इजरायल पर हमला करता है, तो उसे अभूतपूर्व ताकत के हमले का सामना करना पड़ेगा। इजरायली संसद (नेसेट) को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा, कि ईरान पर करीबी नजर रखी जा रही है। आपको बता दें कि पिछले कुछ दिनों से ईरान में हिंसक खूनी प्रदर्शन हो रहे थे, जो अब शांत होता दिख रहा था। अनुमानों के मुताबिक, इस प्रदर्शन के दौरान सैकड़ों लोग मारे गये हैं। ईरानी सरकार ने बेरहमी से इस प्रदर्शन को कुचल दिया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की एक रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू ने कहा कि अगर वह (ईरान) गलती करता है और हम पर हमला करता है,

तो हम ऐसी ताकत से कार्रवाई करेंगे जिसका उसने अभी तक अनुभव नहीं किया है।

इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ईरान पर करीबी से नजर रख रहे हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कोई भी भविष्यवाणी नहीं कर सकता कि ईरान का भविष्य क्या होगा, लेकिन यह वैसा नहीं रहेगा जैसा वह पहले था। जिसका मतलब है कि किसी भी संघर्ष में तेहरान के लिए इसके ऐसे नतीजे होंगे जिन्हें बदला नहीं जा सकता। पीएम नेतन्याहू की ये धमकी उस वक्त आई है, जब तमाम रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अमेरिका, कभी भी ईरान पर हमला कर सकता है। अमेरिका का मकसद ईरान की इस्लामिक सरकार का सत्ता परिवर्तन करना है। अमेरिका ने अपने न्यूक्लियर ऊर्जा से चलने वाले यूएसएस अब्राहम लिंकन कैरियर स्ट्राइक ग्रुप को मिडिल ईस्ट की तरफ रवाना कर चुका है, जो अगले 2-3 दिनों में पहुंच जाएगा। द एक्टिविस्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान में पिछले दिनों हुए प्रदर्शन के दौरान कम से कम 4,029 लोग मारे गए हैं। वहीं, अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने सरकारी कार्रवाई में 26,000 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लेने की बात कही है। इसने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मरने वालों में 3,786 प्रदर्शनकारी, 180 सुरक्षा बल के जवान, 28 बच्चे और 35 ऐसे लोग थे जो प्रदर्शन नहीं कर रहे थे। एजेंसी ने और भी लोगों के मारे जाने की आशंका जताई है। आपको बता दें कि यह एजेंसी ईरान में पहले भी हुए प्रदर्शनों के दौरान होने वाली मौतों पर सटीक जानकारी देती रही है।

मेडिकल घोटाले में 3 की गिरफ्तारी

रायपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ मेडिकल उपकरण घोटाले में बड़ी कार्रवाई की गई है। भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो और आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने 2023 में मेडिकल उपकरण और रिएजेंट केमिकल की खरीद में कथित अनियमितता के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इस घोटाले के कारण राज्य के खजाने को 550 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। अधिकारियों ने बताया कि रिकॉर्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम के निदेशक अभिषेक कौशल, शारदा इंडस्ट्रीज के प्रोपराइटर राकेश जैन और रिकॉर्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम के लायजन ऑफिसर प्रिंस जैन को रविवार को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि राकेश जैन, मोक्षित कॉर्पोरेशन के निदेशक शशांक चोपड़ा का जीजा है।

ट्रम्प की फ्रांसीसी शराब पर 200% टैरिफ की धमकी

मैक्रों का प्राइवेट मैसेज लीक किया, फ्रांस ने गाजा पर साथ देने से इनकार किया था

वॉशिंगटन, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने फ्रांस के वाइन और शैम्पेन पर 200% टैरिफ लगाने की धमकी दी है। उन्होंने सोमवार को यह चेतावनी फ्रांस के गाजा पीस बोर्ड में शामिल होने से इनकार करने के विरोध में दी।

ट्रम्प ने नाराजगी जताते हुए कहा कि हम फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों को शामिल भी नहीं करना चाहते, क्योंकि बहुत जल्द उनकी कुर्सी छिनने वाली है। उन्होंने कहा-अगर मुझे लगा तो मैं फ्रांसीसी वाइन और शैम्पेन पर 200% टैरिफ लगाऊंगा, फिर मैक्रों खुद पीस बोर्ड में शामिल हो जाएंगे।

यह विवाद तब और तेज हो गया जब फ्रांस ने ट्रम्प के ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के प्रयास की

आलोचना की। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने ट्रम्प की ग्रीनलैंड नीति का बचाव करते हुए कहा था कि भविष्य में रूस से ग्रीनलैंड में खतरा हो सकता है।

उन्होंने कहा कि अगर रूस या किसी दूसके से ग्रीनलैंड पर हमला होता है, तो हम नाटो के तहत इस जंग में शामिल हो जाएंगे। फ्रांस ने इस बयान का मजाक उड़ाया था।

फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्रालय के आधिकारिक X अकाउंट पर पोस्ट कर कहा कि बेसेंट का तर्क ऐसा है जैसे अगर कभी घर में आग लगने का खतरा हो तो बेहतर है घर को अभी जला दो।

फ्रेंच वाइन और शैम्पेन दुनिया भर में बहुत प्रसिद्ध हैं। फ्रांस की वाइन संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता हैं। फ्रांस को दुनिया की वाइन राजधानी कहा जाता है। फ्रेंच वाइन में कई तरह की रेड, व्हाइट, रोजे और स्पार्कलिंग वाइन शामिल हैं।

फ्रेंच वाइन फ्रांस के विभिन्न क्षेत्रों में उगाए गए अंगूरों से बनाई जाती है। फ्रेंच वाइन में आमतौर पर कोई बुलबुले नहीं होते। ये स्टिल वाइन होती हैं, जिनमें अल्कोहल 11-15% तक होता है।

इनकी क्वालिटी मिट्टी, मौसम और अंगूर की किस्म पर निर्भर करती है। इटली के बाद फ्रांस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा वाइन उत्पादक देश है।

असम में भीड़ ने घरों-चौकी में आग लगाई, हाइवे जाम

कोकराझार में इंटरनेट बंद, देर रात मॉब लिंचिंग में एक की मौत हुई थी

कोकराझार, 20 जनवरी (एजेंसियां)। असम के कोकराझार में बोडो समुदाय और आदिवासियों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद दोनों समुदायों ने घरों और करिगांव पुलिस चौकी में आग लगा दी।

भीड़ ने टायरों में आग लगाकर करिगांव के पास नेशनल हाइवे जाम कर दिया। कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ते देख प्रशासन ने रैपिड एक्शन फोर्स तैनात कर दी है। एहतियात के तौर पर क्षेत्र में अगले आदेश तक इंटरनेट पर भी रोक लगा दी है।

दरअसल, सोमवार रात करिगांव चौकी के पास मानसिंह रोड पर एक गाड़ी ने दो आदिवासी समुदाय के लोगों को टक्कर मार दी थी। कार में बोडो समुदाय के तीन लोग सवार थे।

हादसे के बाद कार सवार लोगों को आस-पास के आदिवासी ग्रामीणों ने पीटा और गाड़ी में आग लगा दी। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

देर रात हुए भीड़ के हमले के बाद घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां सिखना ज्वह्वलाओ बिस्मित उर्फ राजा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

वह ठेकेदार मोरांडा बसुमतारी का दामाद था, जो इलाके में चल रही सड़क निर्माण परियोजना से जुड़े हैं। इस हमले में प्रभात ब्रह्मा, जुबिराज ब्रह्मा, सुनील मुर्मू और महेश मुर्मू गंभीर रूप से घायल हो गए। डॉक्टरों के अनुसार, प्रभात ब्रह्मा की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर और इमरजेंसी सर्विसेज की टीम मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। हालांकि, कोकराझार और आसपास के इलाकों में अब भी तनाव का माहौल है।

पुलिस ने कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कोकराझार में बढ़ते तनाव पर क्षेत्र के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

उन्होंने सामान्य स्थिति बहाल करने में तेजी लाने के लिए सामुदायिक और राजनीतिक नेताओं से पूरे सहयोग का आग्रह किया।

छत्तीसगढ़ एमएससी घोटाला: कार्टेल बनाकर टेंडर, 3 गुना कीमत में सप्लाई

8 रुपये की ट्यूब 2,352 में खरीदी, 5 लाख की मशीन 17 लाख में, 3 और अरेस्ट

रायपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) घोटाला मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो/ आर्थिक अपराध शाखा (एसीबी/ईओडब्ल्यू) ने कार्रवाई करते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले दुर्ग स्थित मोक्षित कॉरपोरेशन के संचालक शशांक चोपड़ा समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

गिरफ्तार आरोपियों में रिकॉर्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स प्रा.लि., पंचकुला के डायरेक्टर अभिषेक कौशल, श्री शारदा इंडस्ट्रीज रायपुर के प्रोप्राइटर राकेश जैन और रिकॉर्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स के लाइजनर प्रिंस जैन (शशांक चोपड़ा का जीजा) शामिल हैं। इन्होंने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर भरा था।

तीनों को 18 जनवरी 2026 को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया है कि राज्य में आम जनता को मुफ्त जांच सुविधा देने के लिए चलाई जा रही "हमर लैब" योजना के तहत मेडिकल उपकरण और रिएजेंट्स की खरीदी में भारी गड़बड़ी की गई।

जांच के अनुसार, टेंडर प्रक्रिया में मोक्षित कॉरपोरेशन को लाभ पहुंचाने के लिए रिकॉर्डर्स एंड मेडिकेयर सिस्टम्स और श्री शारदा इंडस्ट्रीज ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टेंडर में भाग लिया। टेंडर प्रक्रिया के दौरान तीनों फर्मों ने आपसी मिलीभगत कर प्रतिस्पर्धा को प्रभावित किया और कार्टेल बनाकर एक जैसे पैटर्न में टेंडर भरे। जांच में यह भी पाया गया कि उत्पादों का विवरण, पैक साइज, रिएजेंट और कंज्यूमेबल्स की जानकारी तीनों फर्मों की ओर से लगभग एक जैसी दी गई। दरें भी समान पैटर्न में कोट की गईं, जिसमें सबसे कम दर मोक्षित कॉरपोरेशन ने और उसके बाद आरएमएस और श्री शारदा इंडस्ट्रीज ने भरीं।

इस मिलीभगत के चलते मोक्षित कॉरपोरेशन ने सीजीएमएससी को एमआरपी से 3 गुना तक ज्यादा कीमत पर सामग्री की आपूर्ति की, जिससे शासन को लगभग 550 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

गिरफ्तार आरोपियों को 19 जनवरी को स्पेशल कोर्ट (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), रायपुर में पेश किया गया, जहां से उन्हें 27 जनवरी तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। ब्यूरो ने बताया कि जनहित से जुड़ी 'हमर लैब योजना' में शासकीय धन के दुरुपयोग से जुड़े सभी पहलुओं की जांच जारी है। साक्ष्यों के आधार पर आगे भी दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, सीजीएमएससी घोटाले में अधिकारियों और कारोबारियों ने सरकार को 411 करोड़ रुपए का कर्जदार बना दिया। आईएएस, आईएफएस समेत अफसरों ने मिलीभगत कर सिर्फ 27 दिनों में 750 करोड़ रुपए की खरीदी कर ली। इस केस में मोक्षित कॉर्पोरेशन के डायरेक्टर शशांक चोपड़ा 23 जनवरी तक ईडी की कस्टोडियल रिमांड पर है। सीजीएमएससी के अधिकारी, मोक्षित कार्पोरेशन, रिकॉड्र्स और मेडिकेयर सिस्टम, श्री शारदा इंडस्ट्रीज और सीबी कार्पोरेशन ने 8 रुपए में मिलने वाला ईडीटीए ट्यूब 2,352 रुपए और 5 लाख वाली सीबीएस मशीन 17 लाख में खरीदी। मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन ने 300 करोड़ रुपए के रिएजेंट भी खरीदा।

झारखंड में अभी सुबह-सुबह रहेगा कुहासा

2–3सी तक बढ़ेगा तापमान ठंड से मिलेगी राहत, 9–12सी के बीच रहेगा रांची का पारा

रांची, 20 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में फिलहाल मौसम का मिजाज स्थिर बना रहेगा। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार राज्य के अधिकांश जिलों में अगले एक सप्ताह तक सुबह के समय हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा या धुंध छाए रहने की संभावना है, जबकि दिन चढ़ने के साथ आसमान मुख्यतः साफ रहेगा।

मौसम शुष्क रहने की वजह से कहीं भी बारिश की संभावना नहीं जताई गई है। मध्य झारखंड के रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा और धनबाद जिलों में सुबह के समय दृश्यता प्रभावित हो सकती है, लेकिन दोपहर बाद मौसम सामान्य हो जाएगा। मौसम विभाग ने बताया है कि राज्य में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इसके बाद अगले तीन दिनों में तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। दक्षिणी, उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी झारखंड के जिलों में भी सुबह हल्का कोहरा और बाद में आंशिक बादल छाए रहने की स्थिति बन सकती है।

पंचायत और नगरीय निकायों की 1043 सीटों पर होंगे उपचुनाव

एसआईआर के बाद नई मतदाता सूची के आधार पर होंगे इलेक्शन, निर्वाचन–आयोग ने शुरू की तैयारियां

रायपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरपालिका और त्रिस्तरीय पंचायतों के आम और उप निर्वाचन 2026 की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसे लेकर सोमवार को एक अहम समीक्षा बैठक रखी गई, जिसकी अध्यक्षता राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने की। बैठक में राज्य निर्वाचन आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि स्थानीय निकाय चुनावों से जुड़ी सभी आवश्यक प्रक्रियाएं तय समय-सीमा में पूरी की जाएं, ताकि चुनाव शांतिपूर्ण रूप से संपन्न कराए जा सकें।

उन्होंने कहा कि नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों का समय पर चयन लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। इसके लिए प्रशासनिक समन्वय सबसे अहम भूमिका निभाता है। बैठक में निर्वाचन से जुड़ी तैयारियों, विभागों के बीच समन्वय, परिसीमन, आरक्षण और मतदाता सूची से संबंधित कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि आयोग की ओर से तय कार्यक्रम के अनुरूप सभी कार्य प्राथमिकता के साथ पूरे किए जाएं। एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद तैयार की गई नई मतदाता सूची के आधार पर पंचायत और नगरीय निकायों की 1043 सीटों पर चुनाव कराए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग को जानकारी दी गई कि नगरीय निकायों में नगरपालिका अध्यक्ष के दो पद और पार्षदों के 15 पदों पर उप निर्वाचन कराए जाने हैं। इसके अलावा राज्य की चार नवगठित नगर पंचायतों घुमका, बम्हनीडीह, शिवनंदनपुर और पलारी में अध्यक्ष के चार पद और 60 पार्षद पदों पर पहली बार निर्वाचन कराया जाएगा।

इसी तरह त्रिस्तरीय पंचायतों में जनपद पंचायत सदस्य, सरपंच और पंच के कुल 1043 पदों पर आम और उप निर्वाचन प्रस्तावित हैं। राज्य निर्वाचन आयोग का कहना है कि इन चुनावों के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर निर्णय प्रक्रिया को और प्रभावी बनाया जाएगा और विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। बैठक में नवगठित नगर पंचायत तमनार (रायगढ़) और बड़ी करेली (धमतरी) को लेकर भी चर्चा हुई। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने इन दोनों नगर पंचायतों में वार्ड परिसीमन और आरक्षण की प्रक्रिया जल्द पूरी कर आयोग को अवगत कराने के निर्देश दिए, ताकि चुनावी प्रक्रिया समय पर आगे बढ़ सके।

छत्तीसगढ़-झारखंड बस हादसा 10 लोगों का अंतिम संस्कार

एक साथ सजी थी 7 अर्थियां, परिवारों ने रोते-बिलखते दी मुखाग्नि, 19 लोग अब भी गंभीर

बलरामपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा के ओरसा घाट में रविवार को स्कूल बस पलटने से 10 लोगों की मौत हो गई। सभी मृतकों के शवों का बलरामपुर में अंतिम संस्कार किया गया। इनमें पीपरसोत गांव में 7, महाराजगंज में 2 और बुद्धडीह में एक शव का परिजनों ने अंतिम संस्कार किया।

पीपरसोत, महाराजगंज और बुद्धडीह गांव के श्मशान घाट में बड़ी संख्या में लोग जुटे रहे। पीपरसोत गांव में 7 अर्थियां सजी थी। परिवार वालों ने रोते-बिलखते हुए अंतिम संस्कार किया। चिताओं को मुखाग्नि दी। सभी मृतक अलग-अलग परिवारों के थे। परिजनों का रो-रोकर बुराहाल है। जानकारी के मुताबिक हादसे में कुल 78 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 19 की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों का इलाज छत्तीसगढ़ और झारखंड के अस्पतालों में जारी है। हादसा झारखंड के लातेहार जिले के महुआडांड थाना क्षेत्र में हुआ।

रायपुर डीईओ बोले-आग लगने की वजह शॉर्ट-सर्किट

हादसे की आशंका थी, बावजूद नई–बिल्डिंग को नहीं मिली मंजूरी, 26 साल का रिकॉर्ड जलकर राख

रायपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। रायपुर जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) ऑफिस के स्टोर रूम में शनिवार रात आग लग गई। इस आग में 26 साल का पूरा रिकॉर्ड जलकर राख हो गया। इसमें छात्रवृत्ति, मध्यान्ह भोजन, अनुकम्पा नियुक्ति, स्थापना, स्कूलों की मान्यता और अनुदान से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज शामिल थे। आग लगने के दो दिन बाद भी व्यवस्था पूरी तरह पटरी पर नहीं आ पाई है। ऑफिस के लोग अंधेरे में काम कर रहे हैं।

हालांकि ये जरूर है कि ऑफिस में काम हो रहा है। 3 सदस्यीय प्रदेश स्तरीय टीम आग लगने की वजह तलाशने में जुट गई है। शुरुआती तौर पर इस मामले को साजिश नहीं हादसे के तौर पर देखा जा रहा है। संभावना है कि रिपोर्ट में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट ही बताई जाए।

डीईओ हिमांशु भारती का कहना है कि आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट ही लग रहा है। इन सबके बीच जो बड़ी लापरवाही दिखी वो ये कि लोकल एडमिनिस्ट्रेशन को पहले से हादसे की आशंका थी। कई बार इस 100 साल पुरानी बिल्डिंग की मरम्मत कराई जा चुकी थी।

इस पुरानी बिल्डिंग की जगह नई बिल्डिंग का प्रस्ताव बनाकर भी डीईओ ऑफिस की ओर से शिक्षा विभाग को भेजा गया था। लेकिन विभाग ने अब तक इसे मंजूर नहीं किया। अब जब आग में जलकर सबकुछ खाक हो गया है तो इसकी फाइल आगे बढ़ाने की बात चल रही है। वहीं पुलिस ने आगजनी के पीछे साजिश की आशंका से इनकार नहीं किया है। शासन के निर्देश पर 3 सदस्यीय जांच समिति भी बनाई गई है। यह कमेटी 5 दिनों के अंदर जांच रिपोर्ट सौंपेगी।

रायपुर जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारती ने बताया कि पहली नजर में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट ही लग रहा है। जो डेटा जला है, उन्हें रिकवर किया जा रहा है। छात्रवृत्ति, मध्यान्ह भोजन जैसी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध हैं, ये आसानी से रिकवर हो जाएंगी।

महिला से छेड़छाड़ करने वाले सब इंस्पेक्टर के खिलाफ एक्शन

कोरबा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के एसपी सिद्धार्थ तिवारी एक एसआई और दो पुलिस कॉन्सटेबल के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। महिला से छेड़छाड़ के आरोप में सब इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया गया है। महिला ने मामले की शिकायत एसपी से की थी। एसपी ने इस मामले की जांच कराई। जांच में पाया गया कि महिला के आरोप सही हैं उसके बाद कटघोरा थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, कटघोरा थाना क्षेत्र में महिला ने एसआई एसके कोसरिया पर अशोभनीय व्यवहार और छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। महिला ने इस मामले में एसपी ऑफिस में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। सब इंस्पेक्टर के खिलाफ शिकायत आने के बाद एसपी ने मामले को गंभीरता से लिया था। इसके लिए सीनियर अधिकारी को जांच के निर्देश दिए गए थे।

शिकायत की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने प्राथमिक जांच कराई, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया। जिसके बाद एसपी ने एसआई को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। एडिशनल एसपी नीतिश ठाकुर ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि कटघोरा थाने में महिला की शिकायत पर सब इंस्पेक्टर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एसआई को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

ट्रक से 4.75 करोड़ का गांजा जब्त

बोरियों में छिपाकर ओडिशा से महाराष्ट्र ले जा रहे थे, महासमुंद में 12–दिन में दूसरी बड़ी खेप पकड़ाई

महासमुंद, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में सोमवार को एएनटीएफ (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) और पुलिस ने 4.75 करोड़ रुपए का गांजा जब्त किया है। जिसे ओडिशा से महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था। पुलिस ने 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। मामला कोमाखान थाना क्षेत्र का है।

तस्कर महाराष्ट्र पासिंग ट्रक में गांजा लोड कर जालना ले जा रहे थे। चेकिंग में तस्करों के कब्जे से बोरियों में 950 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। जिसकी अनुमानित कीमत 4 करोड़ 75 लाख रुपए बताई जा रही है। पकड़े गए 2 आरोपी जालना के ही रहने वाले हैं। वहीं, 12 दिन पहले ही महासमुंद पुलिस ने एम्बुलेंस से 5 क्विंटल 20 किलो गांजा जब्त किया था। जब्त गांजे की कीमत 2 करोड़ 60 लाख रुपए आंकी गई थी। गांजे को तस्कर ओडिशा के भवानीपटना जिले से छत्तीसगढ़ के रास्ते महाराष्ट्र के नागपुर ले जा रहे थे।

दरअसल, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) और कोमाखान थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ट्रक में भारी मात्रा में गांजा लोड है, जो ओडिशा से छत्तीसगढ़ के रास्ते महाराष्ट्र के जालना जा रहा है। ट्रक में दो लोग सवार बताए गए थे। सूचना मिलते ही एएनटीएफ और कोमाखान पुलिस अलर्ट हो गई।

पुलिस टीम ने ओडिशा-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर चेकिंग प्वाइंट बनाकर वहां से गुजरने वाले वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान एक ट्रक (एमएच 20 ईजी 3969) चेकिंग प्वाइंट की ओर आता दिखाई दिया, जिसे पुलिसकर्मियों ने रोक लिया।

हाथियों ने चलती कार रोककर युवक को बाहर खींचा

बोकारो, 20 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के बोकारो जिले में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। गोमिया थाना क्षेत्र के कंडेर गांव के पास बीती रात हाथियों ने एक रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना को अंजाम दिया।

हाथियों के एक झुंड ने एक चलती कार को रोककर उसमें सवार युवक को बाहर खींच लिया और बेरहमी से कुचलकर उसकी जान ले ली। मृतक की पहचान रविंद्र के रूप में हुई है, जो पेशे से एक सब्जी विक्रेता था। जानकारी के अनुसार, रविंद्र हर रोज की तरह रामगढ़ से सब्जी बेचकर अपनी ओमनी कार से वापस अपने गांव कंडेर लौट रहा था।

धनबाद पुलिस ने भोपाल से साइबर ठग को किया गिरफ्तार

डिजिटल अरेस्ट कर 10 .50 लाख रुपए की धोखाधड़ी का आरोप

धनबाद, 20 जनवरी (एजेंसियां)। धनबाद साइबर क्राइम थाना ने डिजिटल अरेस्ट कर 10.50 लाख रुपए की साइबर ठगी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मध्य प्रदेश के भोपाल से पकड़े गए आरोपी की पहचान अरुण अहिरवार (26) के रूप में हुई है। वह विदिशा जिले का स्थायी निवासी है और वर्तमान में भोपाल में रह रहा था।

यह मामला 8 जनवरी 2026 का है। टुंडी थाना क्षेत्र के रतनपुर निवासी 73 वर्षीय सेबेस्टियन होरो को अज्ञात साइबर अपराधियों ने व्हाट्सएप वीडियो कॉल किया था। कॉल करने वालों ने खुद को ईडी और सीबीआई अधिकारी बताया और मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी दी। उन्होंने पीड़ित को 'डिजिटल अरेस्ट' कर कुल 10 लाख 50 हजार रुपए विभिन्न फर्जी बैंक खातों में ट्रांसफर करवा लिए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए, धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साइबर थाना प्रभारी रविकांत प्रसाद के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी अनुसंधान और बैंक खातों के विश्लेषण के आधार पर कार्रवाई की।

इसी के तहत पुलिस टीम ने भोपाल पहुंचकर खाताधारक आरोपी अरुण अहिरवार को गिरफ्तार किया।

दो किलो पैंगोलिन खाल के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 20 लाख रुपए, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

लातेहार, 20 जनवरी (एजेंसियां)। वन विभाग की टीम ने वन्य जीव के अंगों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाते हुए बड़ी सफलता हासिल की है।

इस क्रम में लातेहार से एक महिला तस्कर छोटी देवी (बतात कला, लातेहार) को गिरफ्तार किया गया है, जिसके पास से करीब 2 किलो प्रतिबंधित पैंगोलिन (वज्र कीट) की खाल बरामद की गई है।

बरामद खाल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 20 लाख रुपये बताई जा रही है। इसकी जानकारी रेंजर नंदकुमार महतो ने दी। उन्होंने बताया कि डीएफओ को गुप्त सूचना मिली थी कि एक महिला पैंगोलिन की खाल के साथ तस्करी करने वाली है। सूचना के आधार पर वन विभाग की टीम ने छापेमारी अभियान चलाया और शहर के केश्वर आहार के पास से महिला तस्कर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार महिला को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। रेंजर ने आगे बताया कि महुआडांड़ और छत्तीसगढ़ में पहले से दर्ज पैंगोलिन तस्करी के एक मामले में वाइल्ड क्राइम कंट्रोल ब्यूरो छत्तीसगढ़ (डब्लूसीसीबी) की टीम ने दलदलिया गारू के रहने वाला आरोपी राजू उरांव की भी गिरफ्तारी की गई है।

छत्तीसगढ़ से आई टीम ने लातेहार वन विभाग के सहयोग से राजू उरांव को ओरिया घाटी क्षेत्र से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपी राजू उरांव को टीम द्वारा रिमांड पर छत्तीसगढ़ ले गई है। जहां उससे तस्करी से जुड़े नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जाएगी। मालूम हो कि 17 जनवरी को चंदवा थाना क्षेत्र से 1.900 किलोग्राम प्रतिबंधित पैंगोलिन का खाल बरामद किया गया है।

सीएएफ कैंडिडेट्स और पुलिस अधिकारियों के बीच झड़प

रायपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ आर्म्स फोर्ड (सीएएफ) के लिए 2018 में 1786 पदों पर भर्ती निकाली गई थी। इनमें लगभग 417 कैंडिडेट वेटिंग लिस्ट में थे। जिन्हें 7 साल बाद भी नौकरी नहीं मिल पाई है। जबकि सीएएफ में 3 हजार से ज्यादा पोस्ट खाली है। इनमें से कुछ उम्मीद हारकर दूसरा करियर ऑप्शन देख चुके हैं। कुछ 7 साल से लगातार दफ्तरों और मंत्री बंगलों के चक्कर काट रहे हैं। पिछले एक महीने से परिवार-बच्चों सहित तूता धरना स्थल पर बैठे हैं।

मंगलवार को चौथी बार पर गृहमंत्री सदन अपनी मांग लेकर पहुंचे। इस दौरान कैंडिडेट्स और पुलिस के अधिकारियों के बीच तीखी नोंक-झोंक हो गई।

मेडिकल पीजी के लिए मेरिट आधार पर मिलेगा 50% आरक्षण

छत्तीसगढ़ के एमबीबीएस स्टूडेंट्स को राहत हाईकोर्ट ने अपने पहले के आदेश में किया सुधार

बिलासपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने मेडिकल के पीजी (पोस्ट ग्रेजुएट) कोर्स को लेकर अपने पहले के आदेश में बड़ा बदलाव किया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों से एमबीबीएस करने वाले छात्रों को संस्थागत कोटा के तहत आरक्षण देना वैधानिक रूप से मान्य है। इस आदेश के बाद अब छत्तीसगढ़ के एमबीबीएस स्टूडेंट्स को मेरिट के आधार पर 50% आरक्षण मिलेगा।

यह आदेश चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने दिया है। डिवीजन बेंच ने अपने पिछले आदेश के उस हिस्से को हटा दिया है, जिसमें राज्य सरकार को श्रेणी के आधार पर भेदभाव न करने का निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों से एमबीबीएस करने वाले छात्रों को संस्थागत कोटा के तहत आरक्षण देना वैधानिक रूप से मान्य होगा।

इस आदेश पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा- माननीय हाईकोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि छत्तीसगढ़ के मेडिकल कॉलेजों से एमबीबीएस करने वाले छात्रों के लिए पीजी में मेरिट अनुसार 50 प्रतिशत आरक्षण रहेगा। अब सरकार को छात्रहित में तुरंत अपने नियम सुधार लेने चाहिए। छत्तीसगढ़ी छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहना चाहिए।

दरअसल, शुभम विहार निवासी डॉ. समृद्धि दुबे ने अपने एडवोकेट के जरिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका में छत्तीसगढ़ मेडिकल पीजी प्रवेश नियम 2025 के नियम 11(a) और 11(b) को चुनौती दी गई थी। इस नियम के तहत उन छात्रों को प्राथमिकता दी जा रही थी, जिन्होंने छत्तीसगढ़ के मेडिकल कॉलेजों से एमबीबीएस किया है।

20 नवंबर 2025 को हाईकोर्ट ने इन नियमों को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। जिस पर राज्य सरकार ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका पेश की।

सुप्रीम कोर्ट में 18 दिसंबर 2025 को इस मामले की सुनवाई हुई। दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को छूट दी कि वे हाईकोर्ट में जाकर स्पष्टीकरण मांगें और यह पूछे कि संस्थागत कोटे के लिए कितनी सीटों का आरक्षण देना उचित होगा। इसी आधार पर राज्य शासन ने हाईकोर्ट में आवेदन किया था।

आरएनआई की लिस्ट में अमेरिका, चीन जैसे सूरमाओं से भारत आगे, सिंगापुर टॉप पर

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने 154 देशों के एक इंडेक्स में 16वां स्थान हासिल किया है। यह रैंकिंग 'रिस्पॉन्सिबल नेशंस इंडेक्स' (आरएनआई) के तहत दी गई है। यह इंडेक्स बताता है कि देश अपने नागरिकों, पर्यावरण और दुनिया के प्रति कितनी जिम्मेदारी से काम करते हैं। इस इंडेक्स को दिल्ली के थिंक टैंक वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल फाउंडेशन (डब्ल्यूआईएफ) ने लॉन्च किया है। इस इंडेक्स में सिंगापुर सबसे ऊपर है।

यह इंडेक्स वर्ल्ड बैंक, संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों और वर्ल्ड जस्टिस प्रोजेक्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय स्रोतों से 2023 तक के उपलब्ध आंकड़ों का इस्तेमाल करता है। इसे तीन मुख्य बातों के आधार पर बनाया गया है। पहला, 'आंतरिक जिम्मेदारी' जो नागरिकों की गरिमा, कल्याण और सशक्तीकरण के प्रति देश के कर्तव्यों को देखती है। दूसरा, 'पर्यावरण जिम्मेदारी' जो पारिस्थितिकी संरक्षण और टिकाऊ विकास के प्रति देश की प्रतिबद्धता की जांच करती है। तीसरा, 'बाहरी जिम्मेदारी' जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के व्यवहार और योगदान पर केंद्रित है।

इन तीन मुख्य बातों को सात अलग-अलग पैमानों पर मापा जाता है। इनमें क्वालिटी ऑफ लाइफ, गवर्नेंस, सोशल जस्टिस और एम्पावरमेंट, इकोनॉमिक परफॉर्मेंस, पर्यावरण संरक्षण, शांति के प्रति प्रतिबद्धता और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध शामिल हैं। कुल 58 चुने हुए संकेतकों का इस्तेमाल करके अंतिम स्कोर और रैंकिंग तय की जाती है। वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल फाउंडेशन ने एक बयान में कहा, 'यह इंडेक्स देशों को सिर्फ उनकी आर्थिक ताकत या भू-राजनीतिक प्रभाव से नहीं, बल्कि नागरिकों, पर्यावरण और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के प्रति उनकी जिम्मेदारी के आधार पर आंकने के लिए एक नया वैश्विक ढांचा प्रदान करता है।'

आर्थिक शक्ति होने से नहीं मिलती यह गारंटी

इस इंडेक्स में चीन को 68वां और अमेरिका को 66वां स्थान मिला है। आरएनआई के नतीजों से पता चलता है कि ज्यादा जीडीपी या आर्थिक शक्ति होने से यह गारंटी नहीं मिलती कि देश जिम्मेदारी से काम करेगा। डब्ल्यूआईएफ ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'वास्तव में कई विकासशील देश पर्यावरण नैतिकता, लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में अमीर देशों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं।' यह विश्लेषण बताता है कि जिम्मेदारी और जवाबदेह संस्थानों की मौजूदगी, समान विकास और समावेशी शासन के बीच एक मजबूत संबंध है। रिपोर्ट में यह भी चिंता जताई गई है कि वैश्विक स्तर पर असमानताएं बढ़ी हैं। खासकर जलवायु जिम्मेदारी, न्यायिक स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव के मामलों में ऐसा हुआ है।

यह समकालीन राष्ट्रवाद के असमान नैतिक परिदृश्य को उजागर करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सामूहिक रूप से ये इनसाइट इस बात की पुष्टि करते हैं कि राष्ट्रीय सफलता को केवल इस आधार पर नहीं मापा जाना चाहिए कि राष्ट्र क्या हासिल करते हैं, बल्कि इस आधार पर भी मापा जाना चाहिए कि वे इसे कितनी जिम्मेदारी से हासिल करते हैं।

तकनीकी खामी पर तकरार, अमेरिकी अरबपति ने दे दी खरीद लेने की धमकी; क्या है पूरा मामला?

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। एलन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आई तकनीकी खराबी उस समय सुर्खियों में आ गई, जब यह मामला सार्वजनिक जुबानी जंग में बदल गया। महज तीन दिनों में दूसरी बार एक्स की सेवाएं बाधित हुईं, जिससे कई यूजर्स को पोस्ट लोड न होने और टाइमलाइन फ्रीज होने जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस बीच आयरलैंड की लो-कॉस्ट एयरलाइन रयानएयर ने मौके पर चुटकी लेने में देर नहीं की। एयरलाइन के आधिकारिक अकाउंट से एलन मस्क को टैग करते हुए पोस्ट किया गया, 'शायद आपको वाई-फाई चाहिए @elonmusk?' यह टिप्पणी तेजी से वायरल हो गई।

मस्क ने भी पलटवार करते हुए व्यंग्यात्मक अंदाज में जवाब दिया, 'क्या मुझे रयानएयर खरीद लेनी चाहिए और किसी ऐसे व्यक्ति को जिम्मेदारी देनी चाहिए जिसका असली नाम रयान हो?' मस्क की यह पोस्ट कुछ ही घंटों में करीब 2 करोड़ 80 लाख से ज्यादा बार देखी गई और सोशल मीडिया पर मीम्स व बहसों की बाढ़ आ गई। मस्क ने यहां तक पूछ डाला कि 'एयरलाइन को खरीदने में कितना खर्च आएगा?', बात यहीं तक नहीं रुकी टेस्ला ओनर्स सिलिकॉन वैली (@teslaownersSV) ने एक्स पर @grok से पूछा कि रयानएयर की कीमत कितनी है। इसके जवाब में ग्रोक ने कहा कि जनवरी 2026 तक के हालिया आंकड़ों के अनुसार रयानएयर होल्डिंग्स का मार्केट कैप करीब 35 अरब अमेरिकी डॉलर है। इसके बाद एलन मस्क ने मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि वह सच में रयानएयर की कमान किसी ऐसे व्यक्ति को सौंपना चाहते हैं, जिसका नाम रयान हो और यही उसकी नियति है।हालांकि यह वायरल बहस सिर्फ एक्स के आउटेज या मजाक तक सीमित नहीं रही। यह एलन मस्क और रयानएयर के सीईओ माइकल ओ'लेरी के बीच पहले से जारी तनाव का ताजा अध्याय बन गई।

भारी गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 1066 अंक टूटा, निफ्टी 25300 के नीचे

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। बेंचमार्क सूचकांक और निफ्टी में एक प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट की दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1065.71 अंक या 1.28 प्रतिशत गिरकर 82,180.47 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 353.00 अंक या 1.38 प्रतिशत गिरकर 25,232.50 पर बंद हुआ। विदेशी निधियों की निरंतर निकासी और भू-राजनीतिक तनावों के कारण निवेशकों की भावना पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने से शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार बिकवाली और रुपये की निरंतर कमजोरी से घरेलू शेयरों में आत्मविश्वास पर दबाव पड़ रहा है और अल्पकालिक सुधार के दौरान भी इनमें किसी भी महत्वपूर्ण तेजी की संभावना सीमित है।

अमेरिका की टैरिफ नीतियों को लेकर अनिश्चितता और अमेरिका-यूरोप के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव ने वैश्विक बाजारों में बेचैनी बढ़ा दी। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक ही दिन में 3,262 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिकवाली की। यह लगातार दसवां सत्र रहा जब एफआईआई बाजार से बाहर निकले।

विप्रो जैसी दिग्गज कंपनियों के निराशाजनक नतीजों और कमजोर आउटलुक ने आईटी शेयरों पर दबाव बनाया। शुरुआती तीसरी तिमाही के नतीजे उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे।

एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी और अमेरिकी स्टॉक फ्यूचर्स में 1% से ज्यादा की गिरावट ने घरेलू निवेशकों का भरोसा डगमगा दिया।

बाजार की अस्थिरता दिखाने वाला इंडिया वीआईएक्स 4% से अधिक चढ़कर 12.34 पर पहुंच गया, जो बढ़ते डर और अनिश्चितता का संकेत है। इंडिया वीआईएक्स एक मार्केट इंडिकेटर है जो अगले 30 दिनों में निफ्टी 50 इंडेक्स की अपेक्षित अस्थिरता को मापता है।

डॉलर की मजबूत मांग और विदेशी पूंजी के बाहर जाने से रुपया 8 पैसे टूटकर 90.98 के स्तर पर आ गया।

ब्रेंट क्रूड 0.11% चढ़कर 64.01 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया, जिससे महंगाई और सरकारी खर्च को लेकर चिंता बढ़ी।

डोनाल्ड ट्रंप कार्यकाल के टैरिफ से जुड़े संभावित फैसले को लेकर निवेशक सतर्क नजर आए, जिससे बाजार में स्पष्ट दिशा नहीं बन पाई। मंगलवार को वीकली एक्सपायरी के चलते बाजार में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला।

नया इनकम टैक्स कानून 1 अप्रैल से लागू होगा

नई दिल्ली,20 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 को बदलकर नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 लाया है, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। इसमें सबसे बड़ा बदलाव 'असेसमेंट ईयर' और 'प्रीवियस ईयर' की जगह 'टैक्स ईयर' का इस्तेमाल होगा।इससे आम टैक्सपेयर को आईटीआर फाइल करने में कम कन्फ्यूजन होगा, क्योंकि इनकम कमाने वाला साल और टैक्स रिपोर्ट करने वाला साल एक ही होगा। यह बदलाव टैक्स सिस्टम को सरल बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

अभी तक इनकम टैक्स एक्ट 1961 में इनकम कमाने का साल फाइनेंशियल ईयर कहलाता था और उस पर टैक्स का असेसमेंट अगले साल में होता था, जिसे असेसमेंट ईयर कहा जाता था।उदाहरण के तौर पर एफवाई 2024-25 में कमाई हुई इनकम एवाई 2025-26 में रिपोर्ट और असेस होती थी। इस वजह से आम आदमी को समझने में दिक्कत होती थी कि इनकम किस साल की है और असेसमेंट किस साल का है। नए कानून में 'टैक्स ईयर' को इनकम कमाने और रिपोर्ट करने का एक ही साल माना जाएगा। यानी इनकम जिस साल कमाई गई, उसी साल उसका टैक्स फाइल और असेसमेंट होगा। इससे दो अलग-अलग टर्म्स की जरूरत खत्म हो जाएगी। टैक्स एक्सपर्ट्स का कहना है कि नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 'टैक्स ईयर' का कॉन्सेप्ट ला रहा है। यह 'प्रीवियस ईयर' और 'असेसमेंट ईयर' को 1 अप्रैल 2026 से रिप्लेस कर देगा। आम आदमी के लिए असेसमेंट ईयर समझना मुश्किल था, जैसे एफवाई 2024-25 की इनकम एवाई 2025-26 में जाती थी।

अब टैक्स ईयर से समझना आसान हो जाएगा। नई व्यवस्था में इनकम जिस टैक्स ईयर में कमाई गई, उसी में आईटीआर फाइल होगा। टैक्स रेट्स या स्लैब में कोई बदलाव नहीं है, सिर्फ टर्मिनोलॉजी और प्रोसेस सरल होगा। एक्सपर्ट्स का कहना है कि नया एक्ट 'टैक्स ईयर' को 'असेसमेंट ईयर' की जगह ला रहा है। टैक्स ईयर इनकम से जुड़े फाइनेंशियल ईयर से मैच करेगा, पुराना गैप खत्म हो जाएगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे ,ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् -2551
सूर्योदय 06-53
सूर्यास्त. 18-01
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - माघ शुक्ल पक्ष बुधवार 21 January 2026
तिथि - तृतीया 02-47 रात तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - धनिष्ठा 13-58 तक उपरान्त शतभिषा
योग - व्यतिपात 18-58 तक उप. वरियान
करण - तैतिल 14-48 तक उप. गर

गौरी तृतीया

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	मकर	मे	मकर....	06-26 बजे
चंद्र	कुंभ	मे	कुंभ....	08-17 बजे
मंगल	मकर	मे	मीन....	09-56 बजे
बुध	मकर	मे	मेष.....	11-31 बजे
गुरु	मिथुन	मे	वृष....	13-15 बजे
शुक्र	मकर	मे	मिथुन..	15-18 बजे
शनि	मीन	मे	कर्क...	17-29 बजे
राहु	कुंभ	मे	सिंह---	19-41 बजे
केतु	सिंह	मे	कन्या--	21-48 बजे
			तुला----	23-53 बजे
			वृश्चिक..	02-02 बजे
			धनु.....	04-16 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-28 13-52

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06-53 - 08-15	शुभ	उत्पात	18-01 - 19-40	अशुभ
अमृत	08-15 - 09-39	शुभ	शुभ.	19-40 - 21-16	शुभ
काल	09-39 - 11-03	अशुभ	अमृत	21-16 - 22-52	शुभ
शुभ	11-03 - 12-28	शुभ	चंचल	22-52 - 00-28	शुभ
रोग	12-28 - 13-52	अशुभ	रोग	00-28 - 02-03	अशुभ
उत्पात	13-52 - 15-16	अशुभ	काल	02-03 - 03-39	अशुभ
चंचल	15-16 - 16-40	शुभ	लाभ	03-39 - 05-15	शुभ
लाभ	16-40 - 18-01	शुभ	उत्पात	05-15 - 06-53	अशुभ

रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर सिंह ब्रदर्स में 500 करोड़ रुपये को लेकर मची है रार

नई दिल्ली,20 जनवरी (एजेंसियां)। देश की प्रमुख फार्मा कंपनी रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर्स भाई शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह एक बार फिर से आमने-सामने आ गए हैं। मामला फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढाल चैरिटेबल सोसायटी का है। एक समय भारत की हेल्थकेयर इंडस्ट्री में बड़ा नाम कमा चुके दोनों भाई के झगड़े अब आम हो गए हैं। साल 2019 में दोनों भाइयों को जापानी कंपनी दाइची सांक्यो केस में अवमानना का दोषी पाया गया था। दवा बनाने वाली दाइची सांक्यो ने 3500 करोड़ रुपये नहीं चुकाने पर सिंह बंधुओं के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस बार दोनों भाइयों के बीच राजन ढाल चैरिटेबल सोसायटी को लेकर रार मची है। मालविंदर की पत्नी जापना सिंह का आरोप है कि शिविंदर और उनकी पत्नी अदिति ने फर्जीवाड़ा कर उन्हें और अन्य मेंबर्स को सोसायटी से बाहर कर दिया है। इसके जरिए 500 करोड़ रुपये के वसंत कुंज स्थित फोर्टिस राजन ढाल अस्पताल और उसके सालाना 30 करोड़ रुपये के रेवेन्यू पर कब्जा कर लिया है।

आज शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह बेशक आमने-सामने हों, लेकिन एक समय दोनों भाइयों की देश के हेल्थकेयर सिस्टम पर मजबूत पकड़ थी। साल 1937 में रणबीर और गुरबक्स नाम के दो चचेरे भाइयों ने मिलकर दवाओं के डिस्ट्रिब्यूशन की एक कंपनी की शुरुआत की। रणबीर के नाम का शुरुआती अक्षर और गुरबक्स के नाम के आखिरी अक्षरों को मिलाकर इसका नाम रैनबैक्सी पड़ा। साल 1952 में उन्होंने यह कंपनी भाई मोहन सिंह को बेच दी। उनके बाद उनके बेटे परविंदर सिंह ने कंपनी की कमान संभाली और इसने खूब तरक्की की। साल 2000 में परविंदर सिंह के निधन के बाद उनके दोनों बेटे मालविंदर और शिविंदर ने कंपनी का जिम्मा संभाल लिया। मालविंदर सिंह और शिविंदर सिंह रैनबेक्सी, फोर्टिस हेल्थकेयर और रेलिगेयर इंटरप्राइजेज के मालिक रह चुके हैं।

घाटे से लेकर कर्ज तक

बाद में दोनों भाइयों को वक्त ने ऐसी चोट दी की वे दिवालिया हो गए। साल 2008 में उन्होंने रैनबैक्सी में अपनी हिस्सेदारी जापान की कंपनी दाइची सांक्यो को 9576 करोड़ रुपये में बेच दी। इससे मिले पैसों में से उन्होंने साल 2009-10 में 2,000 करोड़ रुपये कर्ज और टैक्स चुकाने में खर्च किए। वहीं 1,700 करोड़ रुपये अपनी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी रेलिगेयर में और 2,230 करोड़ रुपये अपने हॉस्पिटल चेन फोर्टिस में निवेश किया। बाद में मंदी के कारण उन्हें काफी घाटा हुआ। कर्ज भी हो गया। अप्रैल 2010 में दोनों भाइयों को रेलिगेयर के बोर्ड से निकाल दिया गया। साल 2012 में दाइची ने सिंगापुर के इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन में की गई अपनी अपील में कहा कि दोनों भाइयों ने उन्हें रैनबैक्सी डील में धोखा दिया है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस डील के कुछ दिनों बाद ही अमेरिका ने रैनबैक्सी की दवाओं के आयात पर यह कहते हुए रोक लगा दी था कि उनकी दवाएं गुणवत्ता वाली नहीं हैं। इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने दोनों भाइयों के खिलाफ फैसला सुनाते हुए उन्हें दाइची को 50 करोड़ डॉलर हर्जाना देने का आदेश दिया।

दिवालिया होने की अर्जी

इंटरनेशनल कोर्ट के आदेश के बाद दोनों भाइयों पर कुल 13000 करोड़ की देनदारी हो गई। इस कर्ज को चुकाने के लिए उन्होंने फोर्टिस में अपनी हिस्सेदारी बेचनी पड़ी। सिंह ब्रदर्स ने महज 10 साल में 22500 करोड़ रुपये गंवा दिए। शिविंदर ने अपने बड़े भाई मालविंदर पर सितंबर 2018 में उत्पीड़न, जालसाजी तथा कुप्रबंधन का आरोप लगाया और कहा कि वे अपने भाई से अलग हो रहे हैं। वित्तीय घोटाला करने के आरोप में 10 अक्टूबर, 2019 को दोनों भाइयों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पिछले साल अप्रैल में शिविंदर मोहन सिंह ने आईबीसी कानून के तहत नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल में खुद को दिवालिया घोषित करने के लिए आवेदन दिया था। दोनों भाइयों के बीच विवाद अभी तक जारी है। पुलिस अफसरों के मुताबिक, जापना सिंह ने 22 अक्टूबर 2025 को फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढाल चैरिटेबल सोसायटी को लेकर आपराधिक साजिश, फर्जी दस्तावेज तैयार करने और आपराधिक विश्वासघात जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए आर्थिक अपराध शाखा में शिकायत दी थी। आरोप था कि मार्च 2025 में सोसायटी की एक मीटिंग दिखाकर उन्हें और अन्य मेंबर्स को गलत तरीके से हटा दिया गया। इनके बदले अदिति की दादी, मां और भाई को सोसायटी में शामिल कर लिया गया।

अदिति और शिविंदर समेत अन्य आरोपियों ने सोसायटी पर अपने पूरे कंट्रोल के लिए ऐसा किया। यह भी आरोप लगाया कि साजिश रच कर रिकॉर्ड में हेराफेरी कर मेंबरों को अवैध तरीके से हटाया गया। इसके जरिए सोसायटी के अस्पताल की 500 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी और उसके सालाना 30 करोड़ रुपये की कमाई हथियाने के लिए ऐसा किया।

कोल्हापुरी चप्पल से ग्लोबल ब्रांड तक

इंडियन फुटवियर सेक्टर को मिल सकता है बूस्टर डोज

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 50% टैरिफ का असर अब देश के फुटवियर (जूता) उद्योग पर साफ दिखाई देने लगा है। इसी दबाव को कम करने और सेक्टर को मजबूती देने के लिए केंद्र सरकार करीब 1 अरब डॉलर के राहत पैकेज की तैयारी कर रही है।

इस पैकेज पर नीति स्तर पर चर्चा अंतिम चरण में है और जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा हो सकती है। सरकार का उद्देश्य केवल निर्यातकों को राहत देना नहीं, बल्कि पूरे फुटवियर इकोसिस्टम को मजबूत करना है। प्रस्तावित पैकेज में कच्चे माल, कंपोनेंट्स और फिनिश्ड प्रोडक्ट तक पूरी वैल्यू चेन को कवर किया जाएगा। चूंकि यह सेक्टर श्रम-प्रधान है और इसमें लाखों लोगों को रोजगार मिलता है, इसलिए निवेशकों को प्रोत्साहन देने पर खास जोर रहेगा। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर उत्पादक देश है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में वैश्विक बाजार में चीन और वियतनाम की पकड़ मजबूत हो गई है। खासकर स्पोर्ट्स शूज़ और एथलीजर सेगमेंट में इन देशों का दबदबा बढ़ा है।

भारत में अब भी चमड़े के जूतों और पारंपरिक उत्पादों, जैसे महाराष्ट्र की कोल्हापुरी चप्पलों, की अच्छी पहचान है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल पहले ही कह चुके हैं कि कोल्हापुरी चप्पलों में सालाना 1 अरब डॉलर तक के निर्यात की क्षमता है। राहत पैकेज की जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही है क्योंकि घरेलू कंपनियां कई जरूरी इनपुट्स के लिए चीन से आयात पर निर्भर हैं। ऊपर से कच्चे माल पर ज्यादा ड्यूटी लगने के कारण घरेलू उत्पादन महंगा पड़ता है। उद्योग जगत का कहना है कि सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में जिस तरह व्यापक पैकेज दिया था, उसी मॉडल को फुटवियर सेक्टर में भी अपनाया जाना चाहिए। सरकार घरेलू खपत बढ़ाने पर भी नजर बनाए हुए है।

आने वाले वर्षों में एक औसत भारतीय की जूता खपत 2 जोड़ी सालाना से बढ़कर 3 जोड़ी तक पहुंच सकती है। जीएसटी दरों में बदलाव से भी इस सेक्टर को सहारा मिला है। अब 1000 से 2500 रुपये तक के फुटवियर पर केवल 5% जीएसटी लगता है। कुल मिलाकर, प्रस्तावित राहत पैकेज को न केवल मौजूदा संकट से निपटने का उपाय माना जा रहा है, बल्कि इसे भारत को वैश्विक फुटवियर हब बनाने की दिशा में एक अहम कदम के तौर पर भी देखा जा रहा है।

चांदी आज 10,888 बढ़कर 3.05 लाख के ऑलटाइम हाई पर

20 दिनों में कीमत 74 हजार बढ़ी, सोना 2,429 बढ़कर 1.46 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज यानी 20 जनवरी को लगातार दूसरे दिन अपने ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार एक किलो चांदी आज पहली बार सर्राफा बाजार में 3 लाख के पार निकल गई है।

ये 10,888 रुपए बढ़कर 3,04,863 रुपए पर पहुंच गई है।

इससे पहले कल ये 2,93,975 रुपए पर थी। एमसीएक्स पर चांदी कल ही 3 लाख के पार निकल गई थी।

चांदी इस साल सिर्फ 20 दिनों में ही 74,443 रुपए महंगी हो चुकी है। सोना 2,429 रुपए बढ़कर 1,46,375 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। कल ये 1,43,946 रुपए पर था। सोना इस साल अब तक 13,180 रुपए महंगा हो चुका है।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया।

चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपका करियर चमकने वाला है, काम पर आपकी अंतर्ज्ञान और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा मिलेगा। आप आत्मविश्वास में वृद्धि का अनुभव करेंगे, जिससे आप साहसिक कदम उठा सकेंगे। मान्यता और उपलब्धि की अपेक्षा करें। लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें, सफल परिणाम सुनिश्चित करें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपको भावनात्मक गहराई का अपने करियर पर प्रभाव देखने को मिल सकता है। आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता में वृद्धि होगी, इसलिए अपने लक्ष्यों पर सटीकता से ध्यान केंद्रित करें। आपके लिए भाग्यशाली निर्णय आने की उम्मीद करें। हालाँकि, सावधान रहें, क्योंकि अप्रत्याशित दुर्घटनाएँ या असहिष्णुता हो सकती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप महत्वाकांक्षा और भावनाओं के बीच खींचतान महसूस कर सकते हैं। संघर्ष या टकराव आपके सामान्य दृष्टिकोण को चुनौती दे सकते हैं, लेकिन नए विचार सफलता दिला सकते हैं। आत्म-जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करें और पेशेवर तनावों को विकास के अवसरों में बदलें। इन पलों को अपने दृष्टिकोण को निखारने दें और काम और पढ़ाई में सफलता की ओर ले जाएँ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज नेतृत्व स्वाभाविक लगता है, लेकिन सटीकता सफलता की कुंजी है। कार्यस्थल पर सामंजस्य चुनौतियों का सामना कर सकता है, खासकर शैली या राय में मतभेदों के कारण। अनकही अंतर्दृष्टि आपके पेशेवर मार्ग का मार्गदर्शन कर सकती है, जो अप्रत्याशित दिशा प्रदान करती है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता काम में आपकी प्रगति में सहायक है। कार्यों को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए अपने समय पर भरोसा रखें, लेकिन कम ऊर्जा या आत्म-संदेह पर नज़र रखें। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और चुनौतियों का सामना करने के तरीके के बारे में सावधान रहें। ध्यान और आंतरिक शक्ति के साथ, आप समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल कर सकते हैं और दिन को उत्पादक बनाए रख सकते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपकी रचनात्मकता और नए विचार आपको काम पर अलग पहचान दिलाने में मदद करते हैं। अपने पेशेवर रिश्तों में सामंजस्य पर ध्यान दें, क्योंकि यह विकास और सफलता का समर्थन करता है। किसी भी तनाव को शांत और विचारशील संचार का उपयोग करके सावधानी से संभालें। एक संतुलित, निष्पक्ष दृष्टिकोण आपको आज पढ़ाई और काम दोनों को सुचारू रूप से प्रबंधित करने में मदद करेगा।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपकी रचनात्मकता काम पर चमकती है, जिससे आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद मिलती है। नए विचार आपके दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करते हैं, और स्पष्ट संचार आपकी प्रगति को बढ़ावा देता है। सहकर्मियों के साथ सहायक संबंध टीमवर्क को आसान बनाते हैं। अपने विचारों को खुलकर साझा करने से संबंध मजबूत होते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप अपने काम से भावनात्मक रूप से ज़्यादा जुड़े हुए महसूस कर सकते हैं। आत्मविश्वास आपको चमकने में मदद करता है, लेकिन विचारों या कार्यों के साथ अति करने से सावधान रहें। रिश्तों को अच्छी तरह से संभालने के लिए विचारशील संचार महत्वपूर्ण है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है , लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे , संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है । सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आत्मविश्वास और भावनात्मक संतुलन के मेल से आपका कार्य जीवन सुचारू रूप से चलता रहेगा। आप केंद्रित और स्पष्ट सोच महसूस करेंगे, जिससे कार्यों को निपटाना और समस्याओं का समाधान करना आसान हो जाएगा। यह आंतरिक सामंजस्य उत्पादक सहयोग और निर्णय लेने में सहायक होता है।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपका करियर दिग्गजों से प्रभावित होगा। आपमें कर्तव्य की भावना बढ़ सकती है। धैर्य रखना ज़रूरी होगा, संभवतः इससे आंतरिक तनाव पैदा हो सकता है। किसी भी बाधा से निपटने के लिए कूटनीति महत्वपूर्ण है। संकोच और बीमारी के प्रति सतर्क रहें, और अपने काम की ज़िम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित रखें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपका करियर गतिशील रहेगा। आपके सामने कई अवसर आ सकते हैं, जिससे आप विभिन्न परिस्थितियों में काम कर सकेंगे। हालाँकि, संभावित असहिष्णुता और बेहद ईमानदार संचार की आवश्यकता के प्रति सचेत रहें। अपने काम और पढ़ाई के दौरान अपने कार्यों की कीमत के प्रति भी सावधान रहें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सबरीमाला सोना चोरी मामले में अब ईडी की इंट्री

तिरुवनंतपुरम, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को सबरीमाला सोने की चोरी के मामले में कथित मनी लॉन्ड्रिंग एंगल की जांच तेज कर दी है। जिसमें पवित्र सबरीमाला अयप्पा मंदिर में द्वारपालक की मूर्तियों पर सोने की परत चढ़ाने में कथित गड़बड़ियों का खुलासा हुआ है। अब इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय की एंट्री हुई है और ईडी की टीम केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में करीब 21 जगहों पर प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के नियमों के तहत छापेमारी कर रही है। इससे पहले इसे लेकर केरल विधानसभा में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ('टीडीबी), राज्य सरकार और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई, जब यह मामला केरल हाई कोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) जांच का आदेश दिया। एसआईटी ने कोर्ट में रिपोर्ट दी। उसमें मंदिर से सोने की चोरी का खुलासा किया गया। सबरीमाला सोना चोरी मामले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने मंदिर के मुख्य पुजारी (तंत्री) कंदाररू राजीवारू को हाल में गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक 11वीं गिरफ्तारी हो चुकी है।

ईडी ने 21 लोकेशन पर शुरू की छापेमारी

मुख्य पुजारी (तंत्री) कंदाररू राजीवारू की गिरफ्तारी के बाद अब ईडी ने छापेमारी शुरू की है। ईडी के सूत्रों के अनुसारकेरल, कर्नाटक और तमिलनाडु में करीब 21 जगहों पर प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के नियमों के तहत छापेमारी की जा रही है। माना जा रहा है कि बेंगलुरु में मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व प्रेसिडेंट ए पद्मकुमार से जुड़े ठिकानों पर भी फेडरल जांच एजेंसी कार्रवाई कर रही है। ईडी ने हाल ही में केरल पुलिस की एफआईआर पर संज्ञान लेते हुए पीएमएलए केस दर्ज किया था। राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले की जांच केरल हाई कोर्ट की निगरानी में पहले से ही एक राज्य स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम कर रही है।

सोने की चादरों की मात्रा मापेगी और सैंपल लेगी ईडी की टीम

सबरीमाला सोना तस्करी मामले में एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) मंदिर के सन्निधानम पहुंच गई है। हाई कोर्ट की इजाजत से टीम सोने की चादरों की मात्रा मापेगी और सैंपल लेगी। यह जांच कई गड़बड़ियों से जुड़ी है, जिसमें ऑफिशियल गलत काम, एडमिनिस्ट्रेटिव चूक और भगवान अयप्पा मंदिर की अलग-अलग कलाकृतियों से सोने की हेराफेरी की क्रिमिनल साजिश शामिल है। एसआईटी की जांच मंदिर के 'द्वारपालक' (रक्षक देवता) की मूर्तियों की सोने से मढ़ी तांबे की प्लेटों और 'श्रीकोविल' (पवित्र स्थान) के दरवाज़ों के फ्रेम से सोने के नुकसान से जुड़ी है।

चार अलग-अलग चरणों में हो रही है जांच

इस विवाद की जांच को चार अलग-अलग फेज में बांटा गया है। पहला फेज सबरीमाला के श्रीकोविल और उसके आस-पास की अलग-अलग सजावट की चीजों और आर्टिफैक्ट्स पर सोने की परत चढ़ाने से जुड़ा है। दूसरा फेज 2019 में श्रीकोविल के पुराने सोने के दरवाजे को नए सोने के दरवाज़े से बदलने से जुड़ा है। तीसरा फेज 2019 में सोने की परत चढ़ी द्वारपालक की मूर्ति की प्लेट्स, साइड प्लेट्स और दरवाजे के फ्रेम प्लेट्स को हटाने से जुड़ा है। चौथा फेज 2025 में द्वारपालक की मूर्ति की प्लेट्स पर सोने की परत चढ़ाने से जुड़े सभी ट्रांजैक्शन को कवर करता है। जांच के दौरान यह पाया गया कि भगवान की कीमती चीजो की कस्टडी और सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले लोगों ने पहले से सोची-समझी और सोची-समझी योजना के तहत कथित तौर पर चुपके से सोना हटाया, बदला या गलत इस्तेमाल किया था।

जानें क्या है मंदिर में सोना चोरी का विवाद

यह विवाद 30 .3 किलोग्राम सोने और 1,900 किलोग्राम तांबे से जुड़ा है, जिसे 1998 में उद्योगपति विजय माल्या ने मंदिर के गर्भगृह और लकड़ी की नक्काशी के लिए दान किया था।

केरल हाई कोर्ट के रिव्यू के दौरान, यह पता चला कि सोने की परत चढ़ी परत का वजन काफी कम हो गया था, जिससे त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) में चोरी और भ्रष्टाचार का शक पैदा हुआ। उसके बाद इस मामले की कोर्ट की निगरानी में जांच शुरू हुई।

बाघ हुए खूंखार बढ़ रहे हमले

देहरादून, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मानव- वन्यजीव संघर्ष की घटना कम नहीं हो रही है। भालू के बाद अब बाघ के हमलों की घटनाएं बढ़ गई हैं। इस महीने छह लोगों की वन्यजीवों के हमलों में मौत हुई है। इसमें चार की मौत बाघ के हमले में हुई है। पिछले साल तक मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटना में 68 लोगों की मौत हुई थी जबकि 488 लोग घायल हुए थे। पशु, फसल और मानव क्षति के मामले भी सामने आए थे।

भालू के हमलों की घटनाएं भी तुलनात्मक तौर पर अधिक हुई थी। तापमान कम होने पर भालू के हाइबरनेशन में जाने और हमलों में कमी होने की अनुमान लगाया जा रहा था, पर अभी भी भालू के हमलों की घटनाएं सामने आ रही है। वहीं, बाघ के हमलों की घटनाएं भी बढ़ी है। इसी महीने 19 दिनों में बाघ के हमलों में चार लोगों की मौत हुई है। इसमें कालागढ़ टाइगर रिजर्व, रामनगर और तराई पूर्वी वन प्रभाग क्षेत्र में बाघ के हमलों में लोगों की जान गई है। दो लोगों की मौत तेंदुओं के हमलों में मौत हुई है। इसमें नैनीताल वन प्रभाग में एक महिला और पौड़ी के बाड़ा गांव में एक व्यक्ति की असमय मौत हुई।

ब्रिटेन की अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट से क्यों मांगी मदद

नीरव मोदी बैंक धोखाधड़ी केस से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के केस पर कार्रवाई करने के लिए ब्रिटेन की अदालत ने दिल्ली हाईकोर्ट से मदद मांगी है। हाईकोर्ट ने इस मामले में भारत सरकार से हस्तक्षेप करने की अपील की है। हाईकोर्ट का कहना है कि केंद्र की सहायता के बिना ये कार्रवाई नहीं की जा सकती है। नीरव मोदी केस में बैंक ऑफ इंग्लैंड और वेल्स को बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी का बयान दर्ज करना है। इसके लिए ब्रिटेन की कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट को पत्र लिखा है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने क्या कहा?

दिल्ली हाईकोर्ट ने भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी समेत सभी पक्षों को नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति हरि शंकर के अनुसार, इससे पहले ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया, जिसमें कोर्ट ने मामले के सभी पक्षों से संपर्क किए बिना विदेशी कोर्ट की अपील पर कार्रवाई की हो। ब्रिटेन की बैंक में नीरव मोदी के बैंक फ्रॉड का केस चल रहा है। मामले में बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी की गवाही की जरूरत है, जिसके लिए ब्रिटेन की कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट से हस्तक्षेप करने की मांग की है। दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले पर नोटिस जारी करते हुए कहा कि 1970 के हेग कन्वेंशन के तहत केंद्रीय विधि एंव न्याय मंत्रालय ने दिल्ली हाईकोर्ट को ये पत्र भेजा है। इस कन्वेंशन के तहत दीवानी और वाणिज्यिक मामलों में विदेशों से सबूत जुटाया जा सकता है।

डीजीपी का अश्लील वीडियो हुआ था वायरल

अब कर्नाटक सरकार ने की बड़ी कार्रवाई, हो गए सस्पेंड

बेंगलुरु, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

कर्नाटक राज्य से एक बड़ा ही हैरान करने वाला मामला सामने आया। एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसमें कथित तौर पर कर्नाटक के डीजीपी (नागरिक अधिकार प्रवर्तन) के रामचंद्र राव महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में दिख रहे हैं। वीडियो के सामने आने के बाद इस पर विवाद शुरू हो गया। डीजीपी रामचंद्र राव ने वीडियो को मनगढ़ंत और झूठा बता दिया। हालांकि, अब कर्नाटक सरकार ने इस मामले में सख्त एक्शन लिया है। अश्लील वीडियो केस में कर्नाटक सरकार ने डीजीपी डीसीईआर रामचन्द्र राव को सस्पेंड कर दिया है।

सीएम सिद्धारमैया ने दिया था बयान

बता दें कि डीजीपी के कथित अश्लील वीडियो से जुड़े मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर अधिकारी दोषी पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीएम सिद्धारमैया ने कहा- "हम इसकी जांच कराएंगे। मुझे इसकी जानकारी सुबह मिली। हम उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करेंगे। कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, चाहे पुलिस अधिकारी कितना भी वरिष्ठ क्यों न हो।"

डीजीपी ने क्या सफाई दी?

इस पूरी घटना पर डीजीपी रामचंद्र राव ने कहा- मैं भी सोच रहा हूं कि यह कैसे और कब हुआ तथा इसे किसने अंजाम दिया। इस दौर में कुछ भी हो सकता है। मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। मैं स्तब्ध हूं। यह सब मनगढ़ंत, झूठ है। वीडियो पूरी तरह से फर्जी है। मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। डीजीपी रामचंद्र राव ने कहा है कि वह इस मामले के बारे में आगे की कार्रवाई के लिए अपने वकील से बात करेंगे।

भाजपा ने अक्षम्य अपराध बताया

इस पूरे मामले पर कर्नाटक की मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर ने भी बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने कुछ गलत किया है तो सरकार उसके खिलाफ एक्शन लेगी। उन्होंने आगे कहा- महिला एवं बाल विकास मंत्री होने के नाते मैं आपको बता सकती हूं कि हम वरिष्ठता की परवाह किए बिना कार्रवाई करेंगे।" दूसरी ओर भाजपा के विधायक और पूर्व मंत्री एस सुरेश कुमार ने इस घचटना की निंदा करते हुए इसे एक अक्षम्य अपराध बताया है।

कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर अमर्यादित भाषा बोलने वाले मंत्री विजय शाह की मुसीबत बढ़ सकती है

एसआईटी की तीन बिंदुओं वाली जांच

भोपाल, 20 जनवरी (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' में सेना के पराक्रम की जानकारी देश-दुनिया के सामने रखने वाली सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर अमर्यादित भाषा बोलने वाले मंत्री विजय शाह की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। कारण, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित एसआइटी विजय शाह के अन्य विवादित बयानों की जांच भी कोर्ट के निर्देश पर कर रही है।

जांच के तीन बिंदु हैं, जिनमें सबसे मुख्य बिंदु मंत्री के अन्य अमर्यादित बयान हैं।

यह रिपोर्ट भी एसआइटी शीघ्र ही सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तुत करने की तैयारी कर रही है। उधर, कोर्ट ने इसी मामले में विजय शाह को लेकर कहा है कि मध्य प्रदेश सरकार राज्य कानून के अनुसार अभियोजन की मंजूरी के लिए उचित कदम उठाए। शाह के विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति का मामला गृह और विधि विभाग होते हुए मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव तक जाएगा।

बता दें कि विजय शाह ने 11 मई 2025 को इंदौर के आंबेडकर नगर के रायकुंडा गांव में एक सभा के दौरान सोफिया कुरैशी को कथित तौर पर आतंकवादियों की बहन बता दिया था। 14 मई को हाई कोर्ट ने विजय शाह के विरुद्ध एफआइआर दर्ज करने के लिए कहा था।

गुजरात तट पर समुद्र में उबाल

अरब सागर में उठते रहस्यमयी बुलबुलों से मचा हड़कंप

सूरत, 20 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के तटीय क्षेत्र के पास समुद्र के पानी में एक बेहद अनोखी और डराने वाली घटना सामने आई। अरब सागर के पानी में अचानक जोरदार उथल-पुथल और बुलबुले उठते देखे गए। दूर से देखने पर ऐसा लग रहा था जैसे समुद्र का पानी उबल रहा हो। यह दृश्य देखकर मछुआरों में दहशत फैल गई और कई लोग इसे मोबाइल में रिकॉर्ड करने लगे। मछुआरों ने बताया कि समुद्र में अचानक तेज उबाल जैसा दिखने लगा। बड़े-बड़े बुलबुले पानी की सतह पर लगातार आ रहे थे। इससे उन्हें डर लगने लगा कि कहीं समुद्र में कोई बड़ा बदलाव तो नहीं हो रहा है। वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से फैलने लगा, जिसके बाद यह मामला प्रशासन के पास पहुंचा।

पालघर जिले की आपदा प्रबंधन टीम के प्रमुख विवेकानंद कदम ने इस घटना को असामान्य बताया। उन्होंने कहा कि समुद्र के एक हिस्से में इस तरह का उबाल और हलचल सामान्य नहीं है। इसलिए इसकी जल्द से जल्द जांच जरूरी है, ताकि पता लगाया जा सके कि यह आखिर क्यों हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि समुद्र की यह गतिविधि समुद्र तल से किसी गैस का उत्सर्जन से, समुद्र के नीचे भूगर्भीय हलचल चल से या फिर किसी पाइपलाइन से गैस या केमिकल का रिसाव के कारणों से हो सकती है। फिलहाल, इन संभावनाओं को पूरी तरह नकारा नहीं गया है। विशेषज्ञों की टीम मौके पर भेजी गई है, ताकि पानी के नमूने लेकर जांच की जा सके। इस घटना के बाद तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों और मछुआरों के बीच डर का माहौल है। लोगों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी समुद्र में ऐसा मंथन नहीं देखा।

बुलडोजर कार्रवाई, 430 रिहायशी और 30 कमर्शियल स्ट्रक्चर किए गए ध्वस्त

अहमदाबाद, 20 जनवरी (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद के वटवा इलाके में स्थित वानर-वट तालाब के आस-पास हुए अतिक्रमण पर नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई की है। प्रशासन ने सरकारी बुलडोज़र चलाते हुए तालाब के चारों ओर बने अवैध निर्माणों को हटाया। इस कार्रवाई में 430 रिहायशी और 30 कमर्शियल स्ट्रक्चर ध्वस्त किए गए।

हाई कोर्ट से नहीं मिली राहत

यह अतिक्रमण लंबे समय से चला आ रहा था। कार्रवाई से पहले प्रभावित लोगों ने डिमोलिशन के खिलाफ गुजरात हाई कोर्ट का रुख भी किया था, लेकिन कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली। इसके बाद अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने पूरी तैयारी के साथ अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू की।

58,000 वर्ग मीटर क्षेत्र होगा रिक्लेम

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, इस अभियान के तहत तालाब क्षेत्र में कुल 58,000 वर्ग मीटर भूमि को रिक्लेम किया जाएगा। इसमें से 28,000 वर्ग मीटर हिस्सा सीधे तालाब के जलक्षेत्र से जुड़ा है, जिसे अतिक्रमण मुक्त कर दोबारा विकसित किया जाएगा।

तालाबों को किया जाएगा इंटरलिंक

एएमसी की योजना के तहत वानर-वट तालाब को आस-पास के अन्य तालाबों से इंटरलिंक किया जाएगा, जिससे जल संरक्षण और जल स्तर सुधार में मदद मिलेगी। इसके साथ ही तालाब का ब्यूटीफिकेशन भी किया जाएगा, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर पर्यावरण और सार्वजनिक स्थान मिल सके।

तीन टीपी रोड भी होंगे क्लियर

इस कार्रवाई का एक बड़ा फायदा यह भी होगा कि इलाके की तीन टाउन प्लानिंग (टीपी) रोड्स पूरी तरह क्लियर हो जाएंगी। इससे ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार और भविष्य की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद है। पूरी कार्रवाई के दौरान अहमदाबाद नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

गांधी के कातिल का मंदिर कौन बना रहा है

फारुक अब्दुल्ला ने धर्म के नाम पर फूट डालने वालों पर साधा निशाना

जम्मू, 20 जनवरी (एजेंसियां)। नेकां अध्यक्ष डॉ।फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि यह देश सबका है। भारत हमेशा से अनेकता में एकता की मिसाल रहा है, जहां सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं। अगर कुछ लोग धर्म के नाम पर फूट डालना चाहते हैं तो तो उन्हें रोकना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने पूछा, धर्म के लिए कौन लड़ रहा है? गांधी के कातिल का मंदिर कौन बना रहा है? महाराष्ट्र में नगर निकायों के चुनाव में भाजपा की जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए फारूक ने कहा कि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है।

हार-जीत चुनाव का हिस्सा है और इसमें कुछ भी नया नहीं है। आप इसे बड़ा मुद्दा क्यों बना रहे हैं। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलेगा और यह बहुत जल्द मिलेगा। केंद्र सरकार को यह वादा पूरा करना होगा। राज्य का दर्जा कोई अहसान नहीं है, यह हमारा हक है। श्री

माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सिलेंस में कश्मीरी मुस्लिम छात्रों के दाखिले के विरोध के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराते हुए फारूक ने पूछा कि जम्मू में नफरत फैलाने के लिए कौन जिम्मेदार है? जम्मू को अलग करने के नारे कौन लगा रहा है, और इसके पीछे कौन है? भाजपा ने माता वैष्णो देवी मेडिकल कालेज में हिंदू छात्रों के लिए सभी सीटें आरक्षित करने वाले आंदोलन का साथ दिया है। इसके कुछ नेता जम्मू को राज्य का दर्जा देने की वकालत कर रहे हैं।

बचपन का प्यार पाने के लिए मुस्लिम युवती ने अपनाया सनातन धर्म

सफीना से बनी सिमरन, प्रेमी के साथ लिए सात फेरे

खंडवा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खंडवा में एक युवती ने अपने बचपन के प्यार को पाने के लिए सनातन धर्म अपना लिया। युवती ने अपने परिवार से बगावत कर यह फैसला किया है। उसने अपनी मर्जी से यह फैसला किया है। इस मामले की हर तरफ काफी चर्चा हो रही है। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले का महादेवगढ़ मंदिर एक बार फिर धर्म परिवर्तन और विवाह को लेकर चर्चा का विषय बन गया है। यहां एक मुस्लिम युवती ने सनातन धर्म में घर वापसी करते हुए हिंदू युवक से वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह किया। युवती का कहना है कि यह फैसला उसने अपनी स्वेच्छा और आस्था के आधार पर लिया है। युवती का नाम सफीना है, जो मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की निवासी है। महादेवगढ़ पहुंचने के बाद उसने महादेवगढ़ के संचालक अशोक पालीवाल से मुलाकात की। इसके बाद मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया गया, जहां वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ युवती ने सनातन धर्म में घर वापसी की। इस दौरान सफीना ने अपना नाम बदलकर सिमरन रख लिया।

पुरी से रवाना हुआ भगवान राम का 286 किलो वजनी 'स्वर्ण महाधनुष'

पुरी, 20 जनवरी (एजेंसियां)।

पुरी जगन्नाथ धाम में अयोध्या श्रीराम मंदिर को समर्पित की जाने वाले कोदंड (स्वर्ण महाधनुष) का भव्य आध्यात्मिक स्वागत किया गया है। अयोध्या के श्री राम मंदिर के लिए पवित्र यात्रा पर निकले 'स्वर्ण महाधनुष' का पुरी में ही नहीं, बल्कि ओडिशा के जिस हिस्से से यह स्वर्ण महाधनुष यात्रा गुजरी लोगों ने स्वागत किया। राउरकेला से प्रस्थान कर राज्य के विभिन्न जिलों से होते हुए यह गोल्डन बोपुरी पहुंचा था। पुरी के बड़दांड (ग्रैंड रोड) पर भगवान श्रीराम के इस 286 किलोग्राम वजनी स्वर्ण महाधनुष का विधिवत एवं पारंपरिक स्वागत किया गया। महाप्रभु जगन्नाथ की पावन भूमि से अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर के लिए 286 किलोग्राम वजनी स्वर्ण महाधनुष (कोदंड) को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद रवाना किया गया।

22 जनवरी को पहुंचेगा अयोध्या

जानकारी के मुताबिक पुरी उत्तरपार्श्व मठ पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं को मठ परिसर में स्वर्ण महाधनुष के दर्शन का अवसर प्रदान किया गया। आध्यात्मिक वातावरण और बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों के बीच श्रीमंदिर (जगन्नाथ मंदिर) की परिक्रमा कराने का कार्यक्रम भी निर्धारित किया गया है। इसके पश्चात स्वर्ण महाधनुष को अयोध्या के लिए रवाना किया गया।

इस माह की 22 तारीख को अयोध्या में भगवान श्रीरामचंद्र के चरणों में इस स्वर्ण महाधनुष को अर्पित किया जाएगा। भगवान श्रीराम के चरण-स्पर्श के उपरांत इसे अयोध्या राम मंदिर संग्रहालय में स्थापित किया जाएगा।

सनातन जागरण मंच ने बनाया है धनुष

यह स्वर्ण धनुष राउरकेला के सनातन जागरण मंच द्वारा निर्मित किया गया है। ओडिशा के सभी 30 जिलों की यात्रा करते हुए यह धनुष पुरी पहुंचा था। 286 किलोग्राम वजनी इस स्वर्ण धनुष का निर्माण 1 किलोग्राम सोना, 2 .5 किलोग्राम चांदी तथा तांबा, जस्ता और लोहा के मिश्रण से किया गया है। ओडिशा के 30 जिलों की यात्रा पूर्ण करने के बाद अब यह स्वर्ण धनुष अयोध्या की ओर प्रस्थान करेगा। अयोध्या में श्रीरामलला को अर्पित किया जाने वाला यह कोदंड शिल्पकला का उत्कृष्ट उदाहरण है।इसे पीतल और तांबे से तैयार किया गया है तथा इसकी भव्यता बढ़ाने के लिए इस पर स्वर्ण परत चढ़ाई गई है।विशाल आकार और वजन के कारण इसे ले जाने के लिए विशेष रूप से सुसज्जित रथ का निर्माण किया गया है।

तीन राज्यों से निकलेगी 14 किलोमीटर की यात्रा

संकल्प यात्रा की शुरुआत पुरी स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर के सिंह द्वार से हुई, जहां विधिवत पूजा के बाद रथ को रवाना किया गया। यात्रा के दौरान ओडिशा के विभिन्न जिलों में श्रद्धालुओं का उत्साह देखने लायक रहा। करीब 1400 किलोमीटर लंबी यह संकल्प यात्रा ओडिशा से निकलकर झारखंड और बिहार के कुछ हिस्सों से होते हुए उत्तर प्रदेश पहुंचेगी। अयोध्या पहुंचने पर कोदंड के साथ भव्य शोभायात्रा निकालने की योजना है, जिसके बाद इसे श्रीराम मंदिर ट्रस्ट को विधिवत सौंपा जाएगा।संकल्प यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है और इसे सनातन आस्था की ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

बाप नेता, बेटी एक्ट्रेस, 2 क्रिकेटर्स-3 सितारे और 1 फुटबॉलर से लड़ाया इश्क!

बला की खूबसूरत 38 साल में भी है कुंवारी

राजनीति और सिनेमा का अनोखा संगम इस एक्ट्रेस की जिंदगी को हमेशा सुर्खियों में रखता है. नेता पिता की पहचान के साथ ग्लैमर की दुनिया में कदम रखने वाली यह खूबसूरत एक्ट्रेस अपनी फिल्मों से ज़्यादा अपने अफेयर्स को लेकर चर्चा में रही. कहा जाता है कि उनका नाम दो नामी क्रिकेटर्स, तीन बड़े फिल्मी सितारों और एक मशहूर फुटबॉलर से जुड़ चुका है. कभी सेट पर नजदीकियां बढ़ीं, तो कभी दोस्ती ने प्यार का रूप लिया, लेकिन हर रिश्ता किसी न किसी मोड़ पर टूट गया. इन रिश्तों को लेकर ये हसीना खूब चर्चाएं हुईं, अफवाहें भी उड़ीं और सवाल भी उठे, लेकिन एक्ट्रेस ने हमेशा अपनी निजी जिंदगी पर चुप्पी साधे रखी. 38 साल की उम्र में भी वह कुंवारी हैं. खूबसूरती, टैलेंट और मजबूत व्यक्तित्व की मिसाल बनी यह एक्ट्रेस आज भी लाखों दिलों की धड़कन हैं. जानते हैं किसकी बात कर रहे हैं? चलिए बताते हैं... फाइल फोटो.

बॉलीवुड और स्पोर्ट्स जगत में अफवाहें कभी कम नहीं होतीं. नेहा शर्मा, जो 'क्रूक', 'यमला पगला दीवाना 2' और हालिया फिल्मों में नजर आई हैं, अपनी खूबसूरती और स्टाइल के लिए जानी जाती हैं, लेकिन उनकी पर्सनल लाइफ हमेशा चर्चा में रही है. मीडिया रिपोर्ट्स और गॉसिप वेबसाइट्स के मुताबिक, नेहा का नाम कई हाई-प्रोफाइल हस्तियों के साथ लिंक हुआ है, हालांकि ज्यादातर ये सिर्फ रूमर्स ही साबित हुए हैं. फाइल फोटो.

सबसे पहले, नेहा का नाम राम चरण संग जुड़ा. दक्षिण भारतीय सिनेमा में यह अफवाहें उठीं कि नेहा और राम चरण ने चिरुथा की शूटिंग के दौरान करीबी बनाई थी. चर्चाएं तो ये भी है कि राम चरण और उनके कजिन और सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के बीच दूरी बनी थी. अफवाहें यहां तक बढ़ीं कि दोनों ने कथित रूप से गुपचुप शादी की और हनीमून पर गए. हालांकि, राम चरण ने एक टीवी इंटरव्यू में इन अफवाहों को खारिज करते हुए कहा था कि ऐसी बातें उनकी शादीशुदा जिंदगी को प्रभावित कर सकती हैं. फाइल फोटो.

2015 में क्रिकेट के 'प्रिंस' युवराज सिंह का नाम नेहा के साथ जुड़ा. युवराज उस समय कई बॉलीवुड एक्ट्रेसेस के साथ अफेयर रूमर्स में थे और नेहा भी उस लिस्ट में शामिल हो गईं. लेकिन युवराज ने 2016 में हेजल कीच से शादी कर ली और ये बातें पीछे छूट गईं. फाइल फोटो.

2017 में नेहा शर्मा और जैकी भगनानी की केमिस्ट्री को लेकर सुर्खियां बनी थीं. दोनों ने फिल्म यंगिस्तान में साथ काम किया था और इसके बाद मीडिया में यह खबर आई कि दोनों के बीच रिश्ते की शुरुआत हुई है. हालांकि जैकी ने साफ किया कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं. लोगों ने नाम जोड़ा तो नेहा ने खुद कह चुकी हैं कि जैकी उनके 'टाइप' नहीं हैं. जैकी

भगनानी अब रकुलप्रीत के हो गए हैं. दोनों ने 21 फरवरी 2024 में शादी की थी. फाइल फोटो.

2018 में नेहा का नाम भारतीय क्रिकेटर के.एल. राहुल के साथ जुड़ा. सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें और स्पॉटिंग्स के बाद अफवाहें फैलीं कि दोनों डेट कर रहे हैं. हालांकि, ये भी सिर्फ अटकलें थीं और दोनों ने कभी कमेंट नहीं किया. के.एल. राहुल ने फिर एक्ट्रेस अथिया शेट्टी का हाथ थामा और शादी कर ली. फाइल फोटो.

2023 नेहा तब सुर्खियों में आईं, जब उनका नाम नवाजुद्दीन सिद्दीकी जुड़ा. दोनों ने साथ में फिल्म 'जोगीरा सारा रा रा' में काम किया. फिल्म के प्रमोशन के दौरान दोनों को साथ देखकर कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में डेटिंग की अफवाहें उड़ीं. हालांकि ये भी सिर्फ अफवाह साबित हुई. फाइल फोटो.

2024 में उन्हें जाने-माने क्रोएशियाई फुटबॉल स्टार पीटर स्लिसकोविक के साथ देखा गया. जो नेहा से उम्र में चार साल छोटे हैं. दोनों को मुंबई में रेस्टोरेंट में लंच करते और हाथ में हाथ डाले देखा गया है, जिससे लोगों का शक और बढ़ा. 2025 में फिर दो स्पॉट हुए. हालांकि, अब तक दोनों ने अपने रिश्ते पर चुप्पी साध रखी है. फाइल फोटो.

'जन नायकन' पर मद्रास हाई कोर्ट का फैसला सुरक्षित

अभिनय की दुनिया से राजनीति में सक्रिय हो चुके विजय थलापति की बतौर एक्टर इस आखिरी फिल्म का उनके फैंस और दर्शक पलक बिछाए इंतजार कर रहे हैं और रिलीज डेट है कि उसका कुछ अता-पता ही नहीं चल पा रहा। मामला सेंसर सर्टिफिकेट पर अटका हुआ है। फिल्म के मेकर्स और सेंसर बोर्ड आमने-सामने हैं। बात मद्रास हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुकी है। मगर, रिलीज डेट नहीं मिल सकी। आज 20 जनवरी को इसे लेकर मद्रास हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस पर कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। फिल्म कब रिलीज होगी, यह तो समय ही बताएगा।

पोस्ट प्रोडक्शन से कोर्ट तक, क्या हुआ पूरा मामला?

आज मंगलवार 20 जनवरी को मद्रास हाईकोर्ट में विजय की फिल्म की रिलीज से जुड़े केस में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव, जस्टिस जी अरुल मुरुगन की बेंच ने इस केस की सुनवाई की। कई घंटे हुई सुनवाई के बाद मद्रास हाईकोर्ट ने सीबीएफसी द्वारा दायर अपील पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। इसमें एकल न्यायाधीश के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें 'जन नायकन' फिल्म को यूए प्रमाणपत्र देने का निर्देश दिया गया था। फिल्म मूल रूप से 9 जनवरी को रिलीज होनी थी। मगर सेंसर से सर्टिफिकेट नहीं मिल पाया। इसके बाद मेकर्स ने मद्रास हाई कोर्ट का रुख किया। 9 जनवरी को मद्रास हाई कोर्ट के एक सिंगल जज की बेंच ने सेंसर बोर्ड का आदेश दिया कि फिल्म को सेंसर सर्टिफिकेट दिया जाए। बाद में मद्रास हाई कोर्ट की डिविजन बेंच ने इस आदेश पर रोक लगा दी। फिर, मेकर्स ने मद्रास हाई कोर्ट के अंतरिम आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से मना कर दिया है।

'धुरंधर 2' का उदाहरण दिया गया

सुनवाई के दौरान मेकर्स के वकील ने अपनी दलील देने के दौरान फिल्म 'धुरंधर 2' का भी उदाहरण पेश किया। सीनियर एडवोकेट सतीश पारसरन ने कहा कि उन्हें 22 दूसरे देशों में मंजूरी मिल गई है और जब वे बॉलीवुड में रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं, तो रणवीर सिंह की धुरंधर 2 पहले ही अनाउंस हो चुकी है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि चेयरपर्सन अपने फैसले से पीछे नहीं हट सकते। बता दें कि फिल्म 'धुरंधर 2' 19 मार्च 2016 को थिएटर्स में रिलीज होगी।

क्यों दिया 'धुरंधर 2' का उदाहरण?

दरअसल, कोर्ट ने मेकर्स को सेंसर सर्टिफिकेट का इंतजार किए बिना फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस करने पर फटकार लगाई थी। इस पर प्रोडक्शंस की ओर से पेश हुए सीनियर एडवोकेट ने यह दलील दी कि प्रोड्यूसर्स के लिए सर्टिफिकेशन मिलने से पहले रिलीज़ डेट अनाउंस करना आम बात है। इसी सिलसिले में उन्होंने 'धुरंधर 2' का उदाहरण दिया।

सेंसर बोर्ड की तरफ से क्या दलील दी गई?

सुनवाई के दौरान सेंसर बोर्ड की तरफ से सुंदरेशन पेश हुए और अपने तर्क दिए। मेकर्स के 500 करोड़ रुपये के दावे पर सेंसर बोर्ड की तरफ से गए एएसजी ने कहा कि पहले हाई कोर्ट केस में सीबीएफसी को अपना जवाब दाखिल करने का समय नहीं दिया गया था। 6 जनवरी को भेजे गए कम्युनिकेशन को कोर्ट में कभी चुनौती नहीं दी गई। इसके अलावा कहा कि एग्जामिनेशन कमेटी द्वारा दिए गए 14 कट्स का फैसला अभी भी फाइनल नहीं है। चेयरपर्सन को इस मामले में अभी भी फैसला लेना बाकी है।

अभी छटा नहीं रिलीज से संकट!

'जन नायकन' मामले पर बहस खत्म होने के बाद मद्रास हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। हालांकि, फिल्म की रिलीज पर अभी भी कोई क्लैरिटी नहीं मिली है। फैसला बाद में सुनाया जाएगा।

अक्षय कुमार की कार के एक्सीडेंट में घायल ऑटो ड्राइवर की हालत गंभीर, भाई ने एक्टर से की ये मांग

अक्षय कुमार की सिक्योरिटी कार का सोमवार को मुंबई में एक्सीडेंट हो गया। घटना तब हुई जब एक्टर और उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना एयरपोर्ट से अपने जुहू वाले घर जा रहे थे। इस हादसे में एक ऑटो रिक्शा ड्राइवर घायल हुआ। अब उसके भाई का बयान सामने आया है। ऑटो रिक्शा ड्राइवर की हालत को लेकर उन्होंने अपडेट साझा किया है।

ऑटो रिक्शा ड्राइवर के भाई ने मांगी मदद

ऑटो-रिक्शा ड्राइवर के भाई मोहम्मद समीर ने कहा, 'यह घटना रात करीब 8 से 8.30 बजे हुई। मेरा भाई रिक्शा चला रहा था, तभी उसके पीछे अक्षय कुमार की इनोवा और एक मर्सिडीज थीं। जब मर्सिडीज ने इनोवा को टक्कर मारी, तो इनोवा रिक्शा से टकरा गई। नतीजतन, मेरा भाई और एक दूसरा यात्री कार के नीचे फंस गए। पूरा रिक्शा बर्बाद हो गया। मेरे भाई की हालत बहुत गंभीर है। मेरी बस यही गुजारिश है कि मेरे भाई का ठीक से इलाज हो और रिक्शे के नुकसान के लिए मुआवजा दिया जाए। हमें और कुछ नहीं चाहिए।'

हादसे पर पुलिस ने क्या कहा?

एक खबर के अनुसार मुंबई पुलिस ने भी इस एक्सीडेंट को लेकर जानकारी साझा की है। पुलिस के अनुसार जुहू इलाके में दो कारों और एक ऑटो रिक्शा के बीच टक्कर में दो लोग घायल हो गए। इस हादसे में बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की एस्कॉर्ट कार भी शामिल थी। बाद में घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया।' बताते चलें की इस कार हादसे में अक्षय कुमार और ट्विंकल सुरक्षित बताए गए हैं।

इस फिल्म को लेकर चर्चा में अक्षय कुमार?

अक्षय कुमार के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह सैफ अली खान के साथ एक फिल्म 'हैवान' कर रहे हैं। इसमें हीरोइन सैयामी खेर हैं। डायरेक्शन प्रियदर्शन कर रहे हैं। फिल्म इसी साल रिलीज हो सकती है।

'वो मुझे थप्पड़ मार सकती है', रानी मुखर्जी ने बताया किससे लगता है डर; बोलीं- बेटी की परवरिश मुश्किल

रानी मुखर्जी अपनी अपकमिंग फिल्म 'मर्दानी' 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। यह फिल्म 30 जनवरी को रिलीज होने वाली है। यूं तो रानी मुखर्जी अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बतातीं पर हाल ही में उन्होंने पैरेंटिंग को लेकर अपने अनुभव साझा किए हैं। आइए जानते हैं उनकी इस पर क्या राय है?

बेटी की परवरिश मुश्किल

एक बातचीत में रानी मुखर्जी ने अपने पैरेंटिंग के अनुभव बताए। रानी ने कहा 'नई जनरेशन की बच्ची की परवरिश करते हुए डर लगता है। मुझे पता है कि मेरे कुछ भी कहने पर बेटी अदिरा चुप नहीं बैठेगी। वो जवाब देगी। जब वो ऐसा करेगी तो मुझे सुनना पड़ेगा।

अगर मैं अपने बचपन में पलट कर जवाब देती तो मेरी मां मुझे थप्पड़ मार देती पर मैं अपनी बेटी को थप्पड़ नहीं मार सकती। वो पलटकर मुझे थप्पड़ भी मार सकती है। मुझे याद है जब नेशनल अवॉर्ड चल रहे थे और अदिरा घर में खुशी से झूम रही थी। मुझे उसकी ये हरकत बहुत प्यारी लगी पर फिर भी मैं उससे डरती हूं क्योंकि वो एक जेन अल्फा किड है।

बेटी नहीं देखती रानी की फिल्में

रानी मुखर्जी ने आगे बताया कि उनकी बेटी अदिरा अपनी मां की फिल्में नहीं देखती। एक्ट्रेस ने कहा 'मेरी बेटी मुझे रोता हुआ नहीं देख सकती। वो खुश होती है जब मैं स्क्रीन पर खुश होती हूं। उसे मेरी फिल्में 'हिचकी', 'थोड़ा प्यार थोड़ा मैजिक', 'बंटी और बबली' पसंद हैं।

'कुछ कुछ होता है' अदिरा नहीं देखती क्योंकि उसमें मेरा डेथ सीन जल्दी आ जाता है। यहां तक कि वो मुझे मेकअप के साथ भी नहीं देखती। कहती है आप मेरी मां जैसी नहीं दिखतीं। तो जब मैं मेकअप उतार कर उसके पास जाती हूं, तब वो कहती है अब आप मेरी मां जैसी लग रहीं हैं।'

2014 में हुई रानी की शादी

रानी मुखर्जी ने फिल्ममेकर आदित्य चोपड़ा से 2014 में शादी की थी। कपल ने 2015 में बेटी अदिरा का स्वागत किया था। रानी और उनके पति आदित्य चोपड़ा अपनी पर्सनल लाइफ को लाइमलाइट से दूर ही रखते हैं।

फराह खान की अगली फिल्म में नजर आएंगे शाहरुख खान? 'ओम शांति ओम' के निर्देशक ने रखी यह शर्त

फराह खान इस साल के आखिर में निर्देशन में वापसी करने की योजना बना रही हैं। उन्होंने इशारा दिया है कि वह अपनी अगली फिल्म तभी बनाएंगी जब उनके दोस्त और सुपरस्टार शाहरुख खान उसमें अभिनय करेंगे। नहीं तो वह अपने यूट्यूब करियर को ही जारी रखना पसंद करेंगी।

क्या शाहरुख के साथ होगी फराह की निर्देशन में वापसी?

हाल ही में फराह ने यूट्यूबर नकुल मेहता के घर जाकर एक वीडियो बनाया। फराह ने मजाक में कहा कि यूट्यूब से उन्हें बच्चों की फीस भरने में मदद मिलती है, इसलिए वे अभी इसे नहीं छोड़ेंगी। फराह ने साफ कहा, 'अगर मैं फिल्म डायरेक्ट करूंगी, तो सिर्फ शाहरुख खान के साथ। वरना मैं इंतजार करूंगी और यूट्यूब पर काम करती रहूंगी।' हालांकि, फराह ने किंग खान के साथ अभी तक किसी फिल्म को बनाने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन फराह के इन शब्दों से साफ है कि वे शाहरुख खान को अपनी वापसी वाली फिल्म के लिए पहली पसंद मानती हैं।

इस साल के आखिर में बना सकती हैं फिल्म

जब बातचीत में नकुल ने कहा कि फराह की पुरानी फिल्में बहुत याद आती हैं। इस पर फराह ने कहा, 'अभी फिल्में बनाऊंगी मैं, बच्चे कॉलेज चले जाएंगे, फिर बनाऊंगी। इंटरनेट पर 'वापस आओ फराह खान' वाली याचिका चल रही है। मुझे लगता है अब समय आ गया है। इस साल के अंत तक शुरू कर दूंगी।'

फराह और शाहरुख की फिल्म

फराह अपनी यूट्यूब वीडियो और व्लॉग्स से लोगों के बीच और भी लोकप्रिय हो गई हैं, लेकिन फैंस बड़े पर्दे पर उनकी फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने पहले शाहरुख खान के साथ कई हिट फिल्में दी हैं, जैसे 'मैं हूं ना', 'ओम शांति ओम' और 'हैप्पी न्यू ईयर'।

टीवी की हुस्न परी, खूबसूरती में दीपिका-कैटरीना को देती है टक्कर

को-स्टार संग जुड़ा नाम तो बौखला गई थी निया शर्मा

टीवी इंडस्ट्री की सबसे बोल्ड और बेबाक अदाकाराओं में शुमार निया शर्मा किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. अपने दमदार अभिनय, बेखौफ अंदाज और स्टाइल स्टेटमेंट के चलते वह हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं. निया न सिर्फ छोटे पर्दे की सफल एक्ट्रेस हैं, बल्कि सोशल मीडिया सेंसेशन भी हैं, जो हर बार अपने नए लुक और बयानों से फैंस को चौंका देती हैं.

निया शर्मा अपने लुक्स को लेकर जितना सुर्खियों में रहती हैं, उतना ही वो अपनी बेबाकी को लेकर भी छाई रहती हैं. वो बेबाकी से हर मुद्दे पर अपनी राय रखने में कतराती नहीं है. निया शर्मा की लव लाइफ को लेकर यूं तो ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है, एक्ट्रेस अपनी निजी जिंदगी को हमेशा से लाइमलाइट से दूर रखती आई हैं.

निया शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत टीवी शो 'काली – एक अग्निपरीक्षा' से की थी, लेकिन उन्हें असली पहचान मिली 'एक हजारों में मेरी बहना है' से, जहां उनके किरदार ने दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली. इसके बाद 'जमाई राजा' में उनकी जोड़ी रवि दुबे के साथ खूब पसंद की गई और शो ने उन्हें टीवी की टॉप एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल कर दिया.

निया का सफर आसान नहीं रहा, लेकिन उन्होंने हर चुनौती को अपनी ताकत बनाया. वह अपने ग्लैमरस और बोल्ड लुक्स को लेकर कई बार ट्रोल भी हुईं, मगर निया ने कभी आलोचनाओं को खुद पर हावी नहीं होने दिया. उल्टा, उन्होंने साफ कहा कि वह अपने कपड़ों और फैसलों को लेकर पूरी तरह कॉन्फिडेंट हैं और किसी को खुश करने के लिए खुद को बदलने में यकीन नहीं रखतीं.

टीवी के अलावा निया ने डिजिटल प्लेटफॉर्म और रियलिटी शोज़ में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है. 'खतरों के खिलाड़ी', 'झलक दिखला जा' और 'बिग बॉस ओटीटी' जैसे शोज़ में उनका अलग अंदाज़ देखने को मिला. वहीं वेब सीरीज़ में भी उनका बोल्ड अवतार दर्शकों को खूब पसंद आया.

सोशल मीडिया पर निया शर्मा का जबरदस्त क्रेज है. इंस्टाग्राम पर उनके मिलियन फॉलोअर्स हैं और हर पोस्ट आते ही वायरल हो जाती है. कभी ट्रेडिशनल लुक, तो कभी हाई-फैशन स्टाइल—निया हर बार अपने फैंस को इंप्रेस करना जानती हैं.

निया शर्मा रवि दुबे के साथ सीरियल जमाई राजा में नजर आयी थी. इस शो की टीआरपी भी जबरदस्त थी. इसे काफी पसंद किया जा रहा था कि अचानक एक्ट्रेस ने टीवी छोड़ ओटीटी की दुनिया में कदम रखने का फैसला किया. वो वेब सीरीज ट्विस्टेड में दिखी थी. उस वक्त ओटीटी ने भारत में पैर जमाना शुरू ही किया था.

2017 में आई वेब सीरीज ट्विस्टेड में निया शर्मा ने नमित खन्ना के साथ काम किया था. इसमें एक्ट्रेस ने अपने बोल्ड अवतार से सबको हैरान कर दिया था. टीवी से निकलकर निया जब ओटीटी पर आईं तो उन्होंने अपने सिजलिंग हॉट लुक से तहलका मचा दिया.

अब अगर निया शर्मा की लव लाइफ की बात करें तो एक्ट्रेस का नाम ट्विस्टेड को-स्टार नमित खन्ना के साथ भी जुड़ा था.दोनों की पर्दे पर सिजलिंग केमिस्ट्री देखकर कयास लगाए जा रहे थे कि शायद वो डेट कर रहे हैं. हालांकि ऐसा नहीं था.

निया शर्मा का नाम 'एक हजारों में मेरी बहना है' को-स्टार कुशाल टंडन के साथ भी जुड़ा था. इसपर एक्ट्रेस ने अपना रिएक्शन देते हुए कहा था कि ये पैपराजी की फैलाई हुई अफवाहें हैं. उनकी टीम को उनकी बॉन्डिंग का सच पता है. साल में 2016 में एशिया सेक्सिएस्ट वीमेन लिस्ट में निया शर्मा ने तीसरा स्थान हासिल किया था. उन्होंने कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट को भी पीछे छोड़ दिया था.

भजनलाल कैबिनेट की बैठक आज

बड़े फैसलों को मिल सकती है मंजूरी

जयपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में बुधवार दोपहर में कैबिनेट बैठक होगी। बैठक में राज्यपाल के अभिभाषण, विभिन्न विधेयकों पर चर्चा होगी। इसके बाद इनको मंजूरी दी जाएगी।

राजस्थान विधान सभा का बजट सत्र 28 जनवरी से शुरू हो रहा है। पहले दिन ही राज्यपाल का अभिभाषण होगा। अभिभाषण पर तीन दिन बहस होगी और पांचवे दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर सरकार का जवाब आएगा।

इन फैसलों को मिल सकती है मंजूरी

कैबिनेट की बैठक में राजस्थान जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अध्यादेश-2025, राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान (संशोधन) अध्यादेश, 2025, पंचायती राज अधिनियम और नगरपालिका अधिनियम रखे जाएंगे। इनको कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद सदन में पेश किया जाएगा।

30 दिसम्बर को हुई थी कैबिनेट की बैठक

इससे पूर्व भजनलाल कैबिनेट की बैठक 30 दिसम्बर को हुई थी। इस बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए थे। जिसमें राजस्थान वाहन स्क्रैपिंग नीति 2025, राजस्थान राजस्व लेखा सेवा नियम 2025, नई गाड़ियों के खरीद पर टैक्स में छूट, राजस्थान AIML पॉलिसी और विधानसभा में अतिरिक्त मार्शल की नियुक्ति के फैसले लिए गए थे।

राजस्थान में बड़ा राजनीतिक उलटफेर : यूथ कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी भंग, सभी पदाधिकारी पदमुक्त

जयपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान यूथ कांग्रेस में लंबे समय से चल रही खींचतान और बदलाव की अटकलों के बीच संगठन ने बड़ा निर्णय लेते हुए पूरी प्रदेश कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया है। राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर लिए गए इस फैसले के साथ ही प्रदेश महासचिव, सचिव सहित सभी पदाधिकारियों का कार्यकाल समाप्त हो गया है।

यह आदेश मंगलवार को यूथ कांग्रेस प्रभारी विकास छींकारा, सह-प्रभारी ज्ञानेश शुक्ला और कपिल देसाई के हस्ताक्षरों से जारी हुआ। आदेश में स्पष्ट किया गया कि प्रदेश कार्यकारिणी को भंग करने का निर्णय शीर्ष नेतृत्व

के निर्देश और संगठन की आंतरिक रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है। प्रभारी की रिपोर्ट में संगठन में अपेक्षित सक्रियता न दिखने और कई पदाधिकारियों के निष्क्रिय रहने का उल्लेख किया गया था।

उपस्थिति संतोषजनक नहीं

सूत्रों के अनुसार, राजस्थान यूथ कांग्रेस की मौजूदा कार्यकारिणी में करीब 344 पदाधिकारी शामिल थे, जिनमें अधिकांश को लंबे समय से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय नहीं माना जा रहा था। बताया जा रहा है कि धरना-प्रदर्शन, बैठकों और अभियान जैसे कार्यक्रमों में पदाधिकारियों की उपस्थिति संतोषजनक नहीं थी।

दो माह पहले संगठन ने 200 से अधिक पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए थे, जिनमें से कई ने जवाब भी नहीं भेजा। कार्यकर्ताओं के बीच गुटबाजी और धड़ेबंदी की शिकायतें भी सामने आई थीं, जो संगठनात्मक कामकाज को प्रभावित कर रही थीं।

बड़े बदलाव की दिशा में अहम कदम

कार्यकारिणी भंग होने के बाद अब संगठन नए सिरे से टीम तैयार करने की दिशा में काम करेगा। सूत्रों का कहना है कि आगामी चुनावी माहौल और संगठन की मजबूती को ध्यान में रखते हुए इस बार सक्रिय, जमीनी और निष्ठावान युवा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने की तैयारी है।

नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन जल्द किए जाने का संकेत आदेश में भी दिया गया है। फैसले के बाद यूथ कांग्रेस में पदों के दावेदार नेताओं ने सक्रियता और लॉबिंग तेज कर दी है। इसे संगठन में बड़े बदलाव की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

11 फरवरी को विधानसभा में बजट पेश किया जाएगा

मंत्री जोगाराम पटेल ने विपक्ष से अपील की है कि वे सदन की कार्यवाही में सार्थक भूमिका निभाएं

जयपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार अपने कार्यकाल का एक और महत्वपूर्ण बजट पेश करने जा रही है. संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मंगलवार दोपहर आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि 11 फरवरी 2026 को प्रदेश का बजट विधानसभा के पटल पर रखा जाएगा. यह बजट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि विकसित राजस्थान के निर्माण का एक बड़ा 'विजन डॉक्यूमेंट' होगा.

विपक्ष से अपील: विरोध छोड़ें, विकास में भागीदार बनें

मंत्री जोगाराम पटेल ने विपक्ष (कांग्रेस) से अपील की है कि वे सदन की कार्यवाही में सार्थक भूमिका निभाएं. उन्होंने कहा कि बजट प्रदेश के विकास का आधार होता है, इसलिए विपक्ष को चाहिए कि वे राजनीति से ऊपर उठकर सरकार को रचनात्मक सुझाव दें. पटेल ने जोर देकर कहा कि विधानसभा के पटल का उपयोग राजस्थान के गौरवपूर्ण इतिहास और आम जनता के हितों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए.

'अमर्यादित व्यवहार का जवाब उन्हीं की भाषा में मिलेगा'

संसदीय कार्य मंत्री ने जहां एक ओर सहयोग की अपील की, वहीं दूसरी ओर विपक्ष को सख्त चेतावनी भी दी. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'अगर विपक्ष ने सदन की गरिमा के खिलाफ बर्ताव किया या बजट सत्र के दौरान व्यवधान डालने की कोशिश की, तो सरकार उन्हें उन्हीं की भाषा में जवाब देने से पीछे नहीं हटेगी.' पटेल ने कहा कि सदन जनता के मुद्दों के लिए है, न कि हंगामे के लिए.

कांग्रेस की आपसी कलह पर तंज

विधानसभा की कार्यवाही को लेकर चिंता जताते हुए जोगाराम पटेल ने कांग्रेस के अंदरूनी हालात पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी आपसी खींचतान और कलह का असर विधानसभा की कार्यवाही पर न पड़ने दे. विपक्ष को अपनी अंदरूनी राजनीति घर छोड़कर आनी चाहिए और सदन में केवल प्रदेश के विकास और जनता की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए.

बजट 2026 से क्या हैं उम्मीदें?

11 फरवरी को आने वाले इस बजट से राजस्थान के युवाओं, किसानों और महिलाओं को बड़ी उम्मीदें हैं. सरकार इस बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, रोजगार के नए अवसर और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर बड़ा दांव खेल सकती है. मंत्री पटेल के अनुसार, यह बजट 'विकसित राजस्थान' के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा.

सीएम लगातार ले रहे फीडबैक

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा संभाग स्तर के राजनीतिक और प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक करके लगातार फीडबैक ले रहे हैं, ताकि इस बार जनता के लिए वो ऐलान हो सकें, जिनकी उन्हें इस वक्त सबसे ज्यादा जरूरत है. इन बैठकों की शुरुआत सबसे पहले जोधपुर संभाग से हुई थी.

ऑपरेशन साइबर मुक्ति : साइबर फ्रॉड का क्या है इंटरनेशनल कनेक्शन, ऑपरेशन में बड़े खुलासे

जयपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। कोटपूतली-बहरोड़ जिला पुलिस ने 'ऑपरेशन साइबर मुक्ति' के तहत कम्बोडिया से संचालित एक बड़े चीनी साइबर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस अभियान का नेतृत्व उप महानिरीक्षक पुलिस सह-जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई ने किया। कार्रवाई में 15 थानों की 25 से अधिक टीमें और 100 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल थे। कार्यवाही में मुख्य दलाल सुरेश सेन (रामनगर, बानसूर) सहित कुल 26 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 15 संदिग्धों से गहन पूछताछ की गई, जिससे गिरोह की कार्यप्रणाली का पूरा नेटवर्क सामने आया। जांच में पता चला कि गिरोह भारतीय नागरिकों को अपना शिकार बनाने के लिए विशेष रणनीतियों का इस्तेमाल करता था।

कम्बोडिया में 15 दिनों तक साइबर फ्रॉड की स्क्रिप्ट पर प्रशिक्षण

सुरेश सेन जैसे दलाल युवकों को वियतनाम और थाईलैंड के रास्ते कम्बोडिया भेजते थे। अकेले बानसूर क्षेत्र से 50 से अधिक युवकों को भेजा गया। कम्बोडिया में इन्हें 15 दिनों तक साइबर फ्रॉड की स्क्रिप्ट पर प्रशिक्षण दिया जाता था। गिरोह द्वारा किए जाने वाले अपराधों में डिजिटल अरेस्ट प्रमुख था, जिसमें खुद को सीबीआई, पुलिस, ईडी या कस्टम अधिकारी बताकर लोगों को डराया जाता था। इसके अलावा फेक ट्रेडिंग ऐप और नकली वेबसाइट के जरिए निवेश के नाम पर ठगी की जाती थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे टेलीग्राम, व्हाट्सएप्प और इंस्टाग्राम के विज्ञापनों के जरिए भी लोगों को शिकार बनाया जाता था।

जांच में यह भी पता चला कि कम्बोडिया के फर्जी कॉल सेंटरों में भारत, पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश के लगभग 1000-1500 लोग काम कर रहे थे। उन्हें 10000 रुपए मासिक वेतन के साथ अतिरिक्त इंसेंटिव भी मिलता था। पुलिस ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क और आर्थिक लेन-देन की जांच अभी जारी है। साइबर सेल प्रभारी संदीप कुमार यादव ने इस कार्रवाई में विशेष योगदान दिया।

पुलिस विभाग ने इन देशों के लिए जारी की एडवाइजरी

पुलिस ने आमजन को सतर्क रहने के लिए कई सुझाव दिए हैं। विदेश में नौकरी दिलाने वाले एजेंट, कंपनी ऑफर लेटर और वर्क परमिट की अनिवार्य जांच करें।

कम्बोडिया, लाओस, वियतनाम और म्यांमार जाने वाले युवा विशेष सावधानी बरतें। किसी भी साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या नजदीकी थाने में रिपोर्ट करें। साथ ही बिना लाइसेंसी एजेंट के माध्यम से विदेश जाने से बचने की सलाह दी गई।

पार्षद पति पर धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ हमला

स्कॉर्पियों से बाइक को मारी टक्कर, घर लौटते समय दिया वारदात को अंजाम

भिवाड़ी, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बाइक सवार पार्षद पति को गाड़ी से टक्कर मारने के बाद बदमाशों ने धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में घायल पार्षद पति को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद आक्रोशित लोग एसपी ऑफिस पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। घटना भिवाड़ी के खीजूरीवास गांव की है।

घायल सुरेंद्र फौजी ने बताया-मंगलवार दोपहर 2 बजे मैं एक जानकार महिला को खीजूरीवास की मुख्य सड़क पर छोड़कर घर लौट रहा था। इस दौरान गांव की ओर घूमते ही एक कार ने बाइक को पीछे टक्कर मार दी। इसके बाद मैं नीचे गिर गया। स्कॉर्पियो से नीचे उतरे खीजूरीवास निवासी दीपक उर्फ कातिया ने अपने साथियों हंसराज, नीरज पुत्र कृष्ण और 4-5 अन्य लोगों ने उसे घेर लिया। इसके बाद कुल्हाड़ी, दरांती और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घायल ने बताया-मारपीट के बाद आरोपी उसे मरा समझकर मौके पर छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद आसपास के लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। घटना के विरोध में मंगलवार शाम करीब 4:30 बजे खीजूरीवास गांव के सैकड़ों ग्रामीण एसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। परिजनों ने बताया कि यह हमला पुरानी रंजिश के कारण किया गया है। भिवाड़ी थाना अधिकारी सचिन शर्मा ने बताया-पीड़ित के परिजनों की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।ग्रामीणों का आरोप है कि बदमाशों ने इस हमले को पूर्व नियोजित तरीके से अंजाम दिया।

इवेंट इंडस्ट्री में जीएसटी चोरी का खुलासा

एक साथ 8 नामचीन कारोबारी ठिकानों पर रेड

जोधपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राजसथान की सूर्यनगरीजोधपुर में इवेंट इंडस्ट्री से जुड़े कारोबारियों पर बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई देखने को मिली। जीएसटी इंटेलिजेंस डायरेक्टरेट (डीजीजीआई) की जयपुर से आई टीमों ने शहर में एक साथ कई ठिकानों पर दबिश दी। यह कार्रवाई टेंट, डेकोरेशन, साउंड सिस्टम और कैटरिंग से जुड़े व्यवसायों को लेकर की जा रही है। विभाग को इन कारोबारों में करोड़ों रुपये की जीएसटी चोरी से जुड़े इनपुट मिले थे।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, हाल ही में संपन्न हुए शादी सीजन के दौरान जोधपुर में हजारों विवाह समारोह आयोजित हुए थे। इन आयोजनों की बुकिंग और संबंधित फर्मों द्वारा दाखिल किए गए जीएसटी रिटर्न के आंकड़ों में बड़ा अंतर सामने आया। इसी आधार पर जीएसटी इंटेलिजेंस ने विस्तृत जांच की योजना बनाई और एक साथ आठ प्रमुख ठिकानों पर कार्रवाई शुरू की।

सिंघवी टैंट सहित कई प्रतिष्ठान जांच के घेरे में

जिन प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की गई है, उनमें शहर के नामचीन इवेंट सेवा प्रदाता शामिल हैं। इनमें सिंघवी टैंट, बॉबी टैंट, श्री लवली टैंट, श्री अक्षिता टैंट, सुनीता टेंट, अक्षत दीप टैंट, अमृतम मैरिज गार्डन, राजन एम्प्लीफायर, अमर कैटर्स और मींटू कोलकाता फ्लॉवर्स प्रमुख हैं। डीजीजीआई की टीमों ने इन फर्मों के कार्यालयों, गोदामों, फार्म हाउस और अन्य परिसरों की गहन तलाशी ली।

डिजिटल और कागजी रिकॉर्ड खंगाले

कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने कंप्यूटर सिस्टम, हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव, रजिस्टर, डायरियां और कच्चे बिल जब्त कर जांच शुरू की है। दस्तावेजों के साथ-साथ डिजिटल डेटा का भी विश्लेषण किया जा रहा है, ताकि वास्तविक टर्नओवर और घोषित आय का मिलान किया जा सके। यह कार्रवाई डीजीजीआई जयपुर के अतिरिक्त निदेशक के नेतृत्व में की जा रही है।

ऐसे जांच के घेरे में आया इवेंट बाजार

इवेंट कारोबार में नकद लेन-देन का चलन काफी अधिक है। कई मामलों में ग्राहकों को बिना जीएसटी के कच्चे बिल दिए जाते हैं, जिससे टैक्स की बड़ी राशि सरकारी खाते में जमा नहीं हो पाती।

इसके अलावा, इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ लेने के बाद आउटपुट जीएसटी जमा नहीं करने की आशंका भी जताई जा रही है। माना जा रहा है कि जयपुर में हुई पूर्व कार्रवाई से मिले सुरागों के बाद जोधपुर का यह नेटवर्क जांच के दायरे में आया है। विभागीय अधिकारियों का मानना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ जीएसटी चोरी से जुड़े बड़े खुलासे सामने आ सकते हैं। देर शाम तक कार्रवाई पूरी होने और आधिकारिक जानकारी जारी होने की संभावना जताई जा रही है।

जंगलों में फिर लौटे दुर्लभ गिद्ध

भंवरगढ़ के पास हाईवे पर दिखा बड़ा झुंड

बारां, 20 जनवरी (एजेंसियां)। बारां जिला एक बार फिर वन्यजीव प्रेमियों और पर्यावरणविदों के लिए चर्चा का केंद्र बन गया है। भंवरगढ़ के पास हाईवे पर दो दर्जन से अधिक गिद्धों का झुंड नजर आया है। इससे पहले बारां जिले के गणेशपुरा नाका और कपिलधारा क्षेत्र के आसपास के जंगलों में भी दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजाति के गिद्धों का एक बड़ा झुंड देखा गया था। विशेषज्ञों का मानना है कि एक ही स्थान पर विभिन्न प्रजातियों के गिद्धों का इस तरह साथ दिखना पारिस्थितिकी तंत्र में हो रहे सकारात्मक सुधार का एक बड़ा संकेत है। पिछले कुछ दशकों में गिद्धों की संख्या में आई भारी गिरावट के बाद, बारां के जंगलों में उनकी यह वापसी किसी चमत्कार से कम नहीं मानी जा रही है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इन क्षेत्रों में गिद्धों की मौजूदगी यह दर्शाती है कि यहाँ का वातावरण उनके पनपने और प्रजनन के लिए अनुकूल हो गया है। गिद्धों की उपस्थिति पर्यावरण के स्वास्थ्य का प्रमाण है। 'प्रकृति के सफाईकर्मी' कहे जाने वाले इन पक्षियों का लौटना यह बताता है कि खाद्य श्रृंखला फिर से संतुलित हो रही है। सबसे खास बात यह है कि यहाँ केवल एक नहीं, बल्कि गिद्धों की कई प्रजातियां एक साथ देखी गई हैं। इनमें से कुछ प्रजातियां 'अति संकटग्रस्त' श्रेणी में आती हैं।

मणिपुर में राजस्थान के खिलाड़ियों को बंदूक दिखाकर रोका, उग्रवादियों ने की लूटपाट

जयपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर में 69वीं नेशनल स्कूल चैंपियनशिप में भाग लेने गई राजस्थान की खेल टीम के साथ उग्रवादियों द्वारा लूटपाट की घटना सामने आई है। खिलाड़ियों ने आरोप लगाया है कि रास्ते में बंदूकधारियों ने उनकी गाड़ी रोककर नकदी लूट ली और करीब दो घंटे तक उन्हें बंधक जैसी स्थिति में रोके रखा। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मणिपुर सरकार ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

दीमापुर से इंफाल जाते समय टीम को रास्ते में रोका

राजस्थान की टीम 13 जनवरी की रात दीमापुर से इंफाल की ओर सड़क मार्ग से जा रही थी। परिजनों के अनुसार रात करीब 12:30 बजे रास्ते में एक समुदाय से जुड़े कुछ उग्रवादियों ने खिलाड़ियों की गाड़ी को रोक लिया। मौके पर मौजूद हथियारबंद लोगों ने खिलाड़ियों को धमकाया और काफी देर तक गाड़ी आगे नहीं बढ़ने दी। इस दौरान खिलाड़ियों के पास मौजूद रुपये भी छीन लिए। हालांकि, किसी खिलाड़ी को शारीरिक नुकसान नहीं पहुंचाया गया।

वीडियो जारी कर खिलाड़ियों ने बताई पीड़ा

घटना के बाद टीम के कुछ खिलाड़ियों ने एक वीडियो जारी कर अपनी आपबीती साझा की। वीडियो सामने आने के बाद मामला तूल पकड़ गया और मणिपुर सरकार ने तुरंत संज्ञान लेते हुए जांच के निर्देश दिए। वहीं, खिलाड़ियों के परिजनों ने राजस्थान के शिक्षा मंत्री से भी इस संबंध में शिकायत की है। इस घटना के बाद परिजनों ने आरोप लगाया कि मणिपुर जाने के लिए कुल 52 खिलाड़ियों का चयन हुआ था, लेकिन सरकार की ओर से केवल 24 खिलाड़ियों के लिए ही ट्रेन टिकट की व्यवस्था की गई। वह भी कंफर्म नहीं थीं। मजबूरी में कई खिलाड़ियों को ट्रेन में बाथरूम के बाहर बैठकर यात्रा करनी पड़ी। परिजनों का कहना है कि टीम में बड़ी संख्या में महिला खिलाड़ी भी शामिल थीं, ऐसे में सुरक्षा को लेकर पर्याप्त इंतजाम होने चाहिए थे।

भरतपुर में 29 महिलाओं से 96 लाख की ठगी, रोजगार के नाम पर दिया झांसा

भरतपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले में महिलाओं से बड़ी ठगी का मामला सामने आया है। यहां 29 महिलाओं से करीब 96 लाख रुपए की ठगी की गई। ठगी करने वाले पति-पत्नी ने महिलाओं को चूड़ी, साड़ी और सेनेटरी पैड बनाने की मशीन लगाने का लालच दिया। लेकिन पूरी मशीन देने की बजाय केवल उसके कुछ पार्ट्स ही दिए गए। जब महिलाओं ने पूरी मशीन की मांग की तो आरोपी टाल-मटोल करते रहे। बाद में उन्होंने फोन उठाना भी बंद कर दिया।

इस ठगी की शिकार महिलाओं ने पहले राजीविका के अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन वहां से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। आरोप है कि कुछ समय बाद अधिकारियों ने भी फोन रिसीव करना बंद कर दिया। इसके बाद महिलाओं ने थाने का रुख किया। यह मामला भरतपुर के पहाड़ी थाना क्षेत्र का है।

महिलाओं ने रविवार को शिकायत दी थी। कार्रवाई नहीं होने पर थाने के बाहर पहुंच गईं। पहाड़ी थाना एसएचओ योगेंद्र सिंह ने बताया कि महिलाओं की शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है।

शिकायत में बताया गया है कि पहाड़ी ब्लॉक में राजीविका के एक हजार से ज्यादा स्वयं सहायता समूह चल रहे हैं। अप्रेल 2025 में राजीविका जिला कार्यालय में डिसट्रिक्ट मैनेजर निखिल और डिसट्रिक्ट मैनेजर लाइव नॉन फार्म रिचा यादव ने कुछ महिलाओं को कार्यालय बुलाया।

भारत में मलेशिया के मास्टरमाइंड ने की 1100-करोड़ की ठगी

मीटिंग करने जयपुर आते थे सरगना; मोबाइल एजेंट उपभोक्ताओं के नाम से रजिस्टर्ड सिम भेजते थे

जोधपुर, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के लोगों से मलेशिया के चार मास्टरमाइंड किंगपिन कंबोडिया में बैठकर ठगी कर रहे थे। ये चारों मलेशिया से दिल्ली आते थे। उसके बाद जयपुर में एक होटल में सिम कलेक्शन करने वाले सरगनाओं से मीटिंग करते थे। यहां मोबाइल की दुकानों और एजेंट से सिम लेकर जाते थे। एजेंट इन सभी सिम को धोखाधड़ी से उपभोक्ताओं के नाम से इश्यू करवाते थे। इसके बाद इन्हें देते थे।

पुलिस को 5 हजार 378 सिम ऐसी मिली है, जिनके खिलाफ साइबर ठगी की 1 हजार 102 करोड़ के फ्रॉड की शिकायतें मिली है। ये सभी शिकायत पूरे भारत में की गई थी। राजस्थान में 200 से ज्यादा मोबाइल नंबरों का दुरुपयोग कर 25 करोड़ से ज्यादा का फ्रॉड किया गया है। जोधपुर पुलिस ने मामले 6 एजेंटों को गिरफ्तार किया है। जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट ओमप्रकाश ने बताया- मामले के मास्टरमाइंड मलेशिया के किंगपिन ली जियान हुई, लो दी खेन, चिन यू मिंग और लिओंग केन नेथ है। चारों के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी करवाया गया है। वहीं राजस्थान समेत पंजाब के 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को ट्रेडिंग, इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी की शिकायत मिल रही थी। इनपुट मिला कि शेयर में इन्वेस्ट से लेकर साइबर ठगी के बड़े खेल को कंबोडिया में बैठकर साइबर क्रिमिनल चला रहे हैं।

जोधपुर में भी कंबोडिया में बैठकर साइबर ठगी करने के दो मामले पिछले साल भगत की कोठी ओर एयरपोर्ट थाने में दर्ज किए गए थे। इन मामलों में पुलिस ने करीब डेढ़ महीने तक गहनता से पड़ताल की। जांच में सामने आया कि कंबोडिया में बैठकर जो साइबर ठगी की जा रही है, उसमें भारत की सिम का दुरुपयोग किया जा रहा है। इसके बाद पुलिस ने इस पूरे खेल को बेनकाब करने के प्रयास शुरू किए। कमिश्नरेट ने बताया- पहली बार जोधपुर आयुक्तालय ने नई रिवर्स ट्रेड एनालिसिस का प्रयोग किया, जिसमें नीचे से नहीं बल्कि इस पूरे खेल में ऊपर से कौन शामिल है उनकी पड़ताल शुरू की। जांच सामने आया कि साइबर ठगों ने कंबोडिया से भारत की सिमों का प्रयोग किया था।

मुख्यमंत्री जन आवास योजना-3ए के अंतर्गत नितल हाउसिंग प्रोजेक्ट के लिए आवेदन प्रारंभ

जयपुर, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री जन आवास योजना–3ए के अंतर्गत विकसित नितल हाउसिंग प्रोजेक्ट के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। यह परियोजना जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) से अनुमोदित एवं रेरा (रेरा) में पंजीकृत है।

परियोजना का विकास नितल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स एलएलपी द्वारा किया जा रहा है। यह आवासीय योजना वाटिका इंफोटेक सिटी, अजमेर रोड, जयपुर में स्थित है, जिसमें स्टूडियो एवं 3 बीएचके अपार्टमेंट्स उपलब्ध हैं।

परियोजना के अंतर्गत 90 प्रतिशत तक होम लोन की सुविधा दी जा रही है। साथ ही क्लब हाउस एवं स्विमिंग पूल जैसी सुविधाएं भी शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट की प्रमुख विशेषताएं हैं कि यह मुख्यमंत्री जन आवास योजना–3ए के अंतर्गत स्वीकृत परियोजना है। इसमें खरीदार को 90 प्रतिशत तक होम लोन की सुविधा है। विश्वस्तरीय क्लब हाउस और स्विमिंग पूल की सुविधाएं भी मौजूद हैं। केंद्रीय व राज्य कर्मचारियों, कॉरपोरेट्स और प्रवासी राजस्थानवासियों के लिए 1 लाख रुपये तक की विशेष छूट भी दी जा रही है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

खुली ई-निविदा सूचना संख्या डीआरएम/ वर्क्स/एससी/ 01-12/2026/ओटी, दि.13-01-2026

PUB/1776

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.13-02-2026 के 14.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

ई-निविदा संख्याः 01_सीओ _ एससी_26 _ओटी, कार्य विवरणःइएलएस/एलजीडी पर मौजूदा सुविधाओं का उन्नयन। अनुमानित निविदा मूल्य रु.3,09,69,156.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.3,04,900.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने, रखरखाव अवधि:36 महिने

ई-निविदा संख्याः 02_सीआर _ एससी_26 _ओटी, कार्य विवरणः डब्ल्यूडी-एससी-केजेडजे सेक्शनःडीइएन/सेंट्रल/एससी सेक्शन के तहत दो वर्ष हेतु बीएन-एससी-एचएसजे-एचवायबी, एचवायबी-बीएमटी-बीटीएनआर स्टेशनों पर रैग पिकिंग कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.1,02,33,535.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,01,200.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 महिने, रखरखाव अवधिःशून्य

ई-निविदा संख्याः 03_सीआर _ एससी_26 _ओटी, कार्य विवरणः डब्ल्यूडी-एससी-केजेडजे सेक्शनः हैदराबाद-हैदराबाद पर स्लूइंग आफ पाइप्ट नं.41, रोड नं.5 & 6 सीएसआर में बढोतरी या एनहांसमेंट करना। अनुमानित निविदा मूल्य रु.57,19,110.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.1,14,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 06 महिने, रखरखाव अवधिः06 महिने

4. ई-निविदा संख्याः 04_सीआर _ एससी_26 _ओटी, कार्य विवरणः एससी-केजेडजे सेक्शनः डीइएन/सेंट्रल/एससी सेक्शन के तहत एडीइएन/केजेडजे सेक्शन के अंतर्गत केजेडजे स्टेशन पर मानसून रिजर्व्ज की आपातकालीन आपूर्ति या एमरजेंसी सप्लाई करना।अनुमानित निविदा मूल्य रु.56,68,932.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.1,13,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, रखरखाव अवधिःशून्य

ई-निविदा संख्याः 05_सीआर _ एससी_26 _ओटी, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) एससी-केजेडजे सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/जीटी सेक्शन के तहत प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार एवं विभिन्न याईर्स पर उन्नयन कार्य। एसडब्ल्यू 2) एससी-केजेडजे सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/आलेर सेक्शन के तहत प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार एवं विभिन्न याईर्स पर उन्नयन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.1,27,88,484.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,14,000.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन)

ई-निविदा संख्याः 06_सीआर _ एससी_26 _ओटी, कार्य विवरणः एसएनएफ-एमएलवाय सेक्शनःएसएनएफ-एमक्यू स्टेशनों के बीच किमी 4/9-5/1 पर बीआऱ. नं. (पुल सं.) 11 इएक्सजी.1X12.20एम जीबी, किमी 11/12-13 पर पुल सं.31 इएक्सजी.1X12.20एम जीबी तथा किमी 12/7-8 पर पुल सं.35 इएक्सजी. 1X12.20एम जीबी के लिए पीएससी स्लैब्स सहित स्टील गिर्डर्स का प्रस्तावित प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.2,77,89,813.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,89,000.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 48

ई-निविदा संख्याः 07_एन _ एससी_26 _ओटी, कार्य विवरणः एसआर.डीइएन/नार्थ/एससी क्षेत्राधिकार के तहत फेज -। कार्य को पूरा करने हेतु एबीएसएस स्टेशनों (पीडीपीएल, आरडीएम व एमसीआय) पर अतिरिक्त कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.6,34,11,721.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु. 4,67,100.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 36

ई-निविदा संख्याः 08_एस _ एससी_26 _ओटी, कार्य विवरणः केजेडजे-केआय व डीकेजे-एमयुजीआर सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/डीकेजे, केआइए व बीडीसीआर- - एडीइएन/डीकेजे सब डिवीजन के तहत प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार तथा उन्नयन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.5,39,24,286.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु. 4,19,700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन)

ई-निविदा संख्याः 09_एस _ एससी_26 _ओटी, कार्य विवरणः केजेडजे-केआय सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/डब्ल्यूएल व एमबीडी- - एडीइएन/एस/केजेडजे सब डिवीजन के तहत विभिन्न याईर्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार तथा उन्नयन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.2,80,66,979.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु. 2,90,400.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन)

ई-निविदा संख्याः 10_एस _ एससी_26 _ओटी, कार्य विवरणः केजेडजे-केआय व एमटीएमआय--जेएनपीडी सेक्शनः एसएसइ/पी.वे/एमडीआर,केआय व एमटीएमपी-- एडीइएन/एमडीआर सब डिवीजन के तहत विभिन्न याईर्स पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार तथा उन्नयन कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.4,19,64,603.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु. 3,59,900.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 45 (दिन)

ई-निविदा संख्याः 11_एस _ एससी_26 _ओटी, कार्य विवरणः डीकेजे-एमयुजीआर सेक्शनः बीडीसीआर-अमृत भारत स्टेशन फेज-। (अतिरिक्त कार्य) के तहत भद्राचलम रोड स्टेशन पर डोर्मीटोरी एण्ड रिटायरिंग, सीसीआय व एचआय रूम्स, टीटीइ रेस्ट रूम्स हेतु नये ब्लाक का निर्माण कार्य तथा परिसंचरण क्षेत्र व पीएफ-। सरफेस, स्टेशन बिल्डिंग, फैकेड का प्रस्तावित सुधार कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.7,61,65,985.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु. 5,30,900.00, कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मेः 36

ई-निविदा संख्याः 12_एस _ एससी_26 _ओटी, कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) केजेडजे-केआय सेक्शनःअनुलग्नक नुसार कुल लंबाई 31.133 किमी हेतु बल्लास्ट कुशन की 35 सेमी तक रिकुपमेंट व बढाना तथा बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग सहित टीएसआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू 2) केजेडजे-केआय, डीकेजे-एमयुजीआर व एमटीएमआय-जेएनपीडी सेक्शन्स- पैसेंजर रन्निंग लूप लाइनों पर 15.159 टीकेएम का सीटीआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू 3) अनुलग्नक नुसार कुल लंबाई 1.000 किमी हेतु बल्लास्ट कुशन की 35 सेमी तक रिकुपमेंट व बढाना तथा बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग सहित सीटीआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू 4) केजेडजे-केआय सेक्शनः वायजीएल स्टेशन पर पीक्यूआरएस साइडिंग लाइन्स का प्रावधान। एसडब्ल्यू 5) केजेडजे-केआय सेक्शन-आरसीसी बाक्स साइज 1X1.20X1.60 एम (कैस्ट-इन-सिटु) नुसार प्रस्तावित विस्तार किए जाने के चलते काजीपेट नेक्कोंडा स्टेशनों के बीच किमी 396/1-3 पर पुल सं.517 डाउन मौजूदा 1X0.60एम आऱसीसी स्लैब का तत्संबंधित कार्य। एसडब्ल्यू 6) केजेडजे-केआय सेक्शन-2X6.10एम पीएससी स्लैब (दो पैकेट प्रणाली) नुसार प्रस्तावित विस्तार किए जाने के चलते काजीपेट नेक्कोंडा स्टेशनों के बीच किमी 396/14-16 पर पुल सं.518 डाउन मौजूदा 2X3.89एम+1X3.70एम आऱसीसी स्लैब का तत्संबंधित कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य रु.11,66,83,029.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु. 7,33.500.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 18 महिने, रखरखाव अवधि महिनों मे:36

निविदाकार केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा किसीभी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।

निविदा दस्तावेज/अन्य कार्य विवरण जोकि आइआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमें भाग लिया जा सकता है तथा यदि कोई हो तो, तत्संबंधित परिवर्तनों या माडिफिकेशंस का अवलोकन किया जा सकता है।

एसआर. डीइएन/को-आर्डिनेशन/सिकंदराबाद

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.CAT-ADVTD-017

Seq. No.AA/1 लॉट नं./वर्ग : ADVT-Int-131662-2-24-1(Advertising-Train Inerior), विवरण : ट्रेन लिंक नं.12805/12806 विशाखापट्टनम-लिंगमपल्ली-विशाखापट्टनम जन्मभूमि सुपरफास्ट एक्सप्रेस में 02 रेक के लिए ट्रेन के भीतर विनाइल स्टिकर के जरिए नन-डिजिटल विज्ञापन का प्रदर्शन।

दर यूनिट : वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क, ट्रिप/दिवस : 1096, लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : दिनांक : 29.01.2026 को 1000 बजे , लॉट समाप्ति की तिथि व समय : दिनांक : 29.01.2026 को 1030 बजे, न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2, लॉट स्थिति : ड्रॉफ्ट कैटलॉग में ।

द्रष्टव्य : संपूर्ण सूचनावली www.ireps.gov.in में उपलब्ध।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-1031/Q/25-26

पूर्व तट रेलवे

नीलामी कैटलॉग नं.CAT-RADIO-001

Seq. No.AA/1 लॉट नं./वर्ग : PARKING-WAT-VSKP-RT-147-26-1(Parking-Radio Taxi), विवरण : विशाखापट्टनम स्टेशन में रेडियो टैक्सी सुविधा, दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया।

Seq. No.AA/2 लॉट नं./वर्ग : PARKING-WAT-CHE-RT-146-26-1(Parking-Radio Taxi), विवरण : श्रीकाकुलम स्टेशन में रेडियो टैक्सी सुविधा, दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया।

Seq. No.AA/3 लॉट नं./वर्ग : PARKING-WAT-VZM-RT-143-26-1(Parking-Radio Taxi), विवरण : विजयनगरम स्टेशन में रेडियो टैक्सी सुविधा, दो पहिया, तीन पहिया एवं चार पहिया।

दर यूनिट : वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क (सभी Seq सं. के लिए), ट्रिप/दिवस : 1096 (सभी Seq. सं. के लिए), लॉट प्रारंभ होने की तिथि व समय : दिनांक : 24.01.2026 को 1100 बजे (सभी Seq. सं. के लिए), लॉट समाप्ति की तिथि व समय : दिनांक : 24.01.2026 को 1130 बजे (Seq. सं.AA/1 हेतु), 1140 बजे (Seq. सं.AA/2 हेतु) एवं 1150 बजे (Seq. सं.AA/3 हेतु), न्यूनतम वृद्धि (%): 0.2 (सभी Seq. सं. के लिए), लॉट स्थिति : ड्रॉफ्ट कैटलॉग में नया (सभी Seq सं. के लिए)।

द्रष्टव्य : संपूर्ण सूचनावली www.ireps.gov.in में उपलब्ध।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/ वाल्टियर

PR-1027/Q/25-26

PUB/1777

ई-निविदा सूचना संख्याः11 से 12/2025-26

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (रखरखाव), गुंटूर द्वारा आईआरईपीएस पोर्टलः www.ireps.gov.in के माध्यम से निम्न ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संदर्भ संख्याः जीएनटी-इ.11.2025-26, दि.12-01-2026, निविदा शीर्षकः गुंटूर डिवीजनः (I) गुंटूर डिवीजन के एसजेएल-टीइएल के बीच किमी 2/36-38 पर मिड-सेक्शन एलसी गेट नं.228 की इंटरलाकिंग करना। (II) गुंटूर डिवीजन के एनडीएल-पीएनएम के बीच किमी 260/12-13 पर मिड-सेक्शन एलसी नं.180 की इंटरलाकिंग करना-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.20,00,128.15, पूर्व धरोहर राशि रु.40,000.00, निविदा प्रपत्र मूल्य (अप्रतिदेय) रु. शून्य

निविदा संदर्भ संख्याः जीएनटी-इ.12.2025-26, दि.12-01-2026, निविदा शीर्षकः गुंटूर डिवीजनः गुंटूर डिवीजन में एनआरडीपी-वीएलजी के बीच किमी 27/13-14 पर एलसी नं.13 की इंटरलाकिंग करना-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.10,55,009.26, पूर्व धरोहर राशि रु.21,100.00, निविदा प्रपत्र मूल्य (अप्रतिदेय) रु. शून्य

ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 3-2-2026 के 15.30 बजे तक

अधिक संचार/शुद्धिपत्र को केवल ई-पोर्टलःwww.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/एम/ गुंटूर

PUB/1778

निविदा सूचना संख्याः जी/इ.29/टीआर. /टेंडर नोटिस/43/2025-26

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-इटीएन-73-2025-26, कार्य विवरणः जीटीएल डिवीजनः जीवाय-डीएमएम, जीटीएल-आरयु सेक्शन में विश्वसनीयता तथा सुरक्षा में सुधार हेतु ओएचइ/पीएसआय इनफ्रास्ट्रक्चर का उन्नयन या अपग्रेडेशन करना-एर्थिंग व्यवस्थाओं में वृद्धि। अनुमानित मूल्य रु.1,40,34,673.00, पूर्व धरोहर राशि रु.2,20,200.00

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 9-2-2026 के 15.00 बजे

टिप्पणीः 1. निविदाकारों द्वारा मुफ्त रूप में निविदा दस्तावेज को वेबसाइटः www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

टेंडर बिड्डिंग या निविदा बोली लगाने तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुद्धिपत्र को यदि कोई हो तो केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

विभागीय बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुंटकल

A2247

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारे वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

जुबली हिल्स एसीपी कार्यालय में तनाव

टी हरीश राव के अधिवक्ताओं को प्रवेश नहीं

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव के अधिवक्ताओं को परिसर में प्रवेश की अनुमति न दिए जाने के बाद मंगलवार को जुबली हिल्स स्थित एसीपी कार्यालय में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस के निर्देश के अनुसार पूर्व मंत्री टी हरीश राव सुबह करीब 11 बजे जुबली हिल्स एसीपी कार्यालय पहुंचे। हालांकि पुलिस ने उनके साथ आए अधिवक्ताओं को कार्यालय परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी। इस फैसले को लेकर बीआरएस के नेताओं और समर्थकों ने पुलिस से बहस की और विरोध जताया। बावजूद इसके पुलिस ने अधिवक्ताओं को अंदर जाने नहीं दिया। स्थिति को देखते हुए कार्यालय परिसर में कुछ देर तक तनाव बना रहा।

बन्डलागुड़ा श्री आईमाताजी मंदिर स्थित एल.बी.नगर वेलफेयर एसोसिएशन सीरवी समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित माघ सुदी बीज महोत्सव पर भजन प्रस्तुत करते हुए मनीषा सीरवी एंड पार्टी। अवसर पर सम्मानित अतिथि सोहनसिंह राजपुरोहित का सम्मानकर भजनो व कार्यक्रम का लाभ लेते हुए अध्यक्ष वेनाराम चोयल, उपाध्यक्ष धन्नाराम देवड़ा, चुन्नीलाल पँवार, छोगाराम गेहलोत, सचिव प्रकाश सेपटा, सहसचिव मोहनलाल चोयल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार, सहकोषाध्यक्ष स्वरुपराम पँवार, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

भजनों से किया आईमाता का गुणगान

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बालाजी नगर स्थित श्री आईमाता मन्दिर में माही बीज उत्सव मनाया गया। जागरण का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर आईमाताजी की आरती की गई। एक शाम आई माता जी के नाम रात्रि जागरण में भजन गायक चेतन नाथ एंड पार्टी ने भजनों की प्रस्तुति दी।

दिन में महिलाओं ने आई माता के नाम भजनों की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष जयराम पंवार, उपाध्यक्ष नारायणलाल बर्फा, सचिव हीरालाल चोयल, कोषाध्यक्ष नरेश सोलंकी, सह कोषाध्यक्ष सोहनलाल पंवार, घेवरचन्द्र चोयल, व समस्त कार्यकारणी व बन्धु महिला मंडल सहित अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

जीएम द्वारा ट्रेन परिचालन सुरक्षा की समीक्षा

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में पूरे जोन में ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। इस बैठक में सत्य प्रकाश, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे तथा प्रधान विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। सभी छह मंडलों विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। संजय कुमार श्रीवास्तव ने ट्रेनों के सुचारु संचालन के लिए ट्रैक रखरखाव कार्यस्थलों/स्थलों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा रखरखाव कार्यों और ट्रेन परिचालन में लगे कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा प्रोटोकॉल के सतर्क पालन और कड़ाई से अनुपालन पर विशेष बल दिया। समपार फाटकों पर सुरक्षा से संबंधित चर्चा के दौरान महाप्रबंधक ने आम जनता से अनधिकृत प्रवेश से बचने की अपील की। महाप्रबंधक ने पूरे जोन में अग्नि सुरक्षा उपायों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने ट्रेनों में विद्युत उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु जोन भर में चलाए गए सुरक्षा अभियानों की भी समीक्षा की। अधिकारियों ने जोन में अग्नि सुरक्षा तथा एफएसडीएस (फायर एंड स्मोक डिटेक्शन सिस्टम)की कार्यप्रणाली से संबंधित विशेष अभियानों के बारे में महाप्रबंधक को अवगत कराया। उन्होंने डीआरएम को ऐसे अभियानों को निरंतर जारी रखने का निर्देश दिया तथा यात्रियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए ट्रेनों के अंदर और स्टेशन परिसरों में अग्नि सुरक्षा संबंधी सावधानी बोर्ड आदि प्रमुखता से प्रदर्शित करने की सलाह दी, ताकि यात्रा के दौरान आवश्यक सावधानियों और सतर्कता के प्रति जागरूकता बढ़े। उन्होंने अधिकारियों को अग्निशमन यंत्रों और धुआँ पहचान उपकरणों जैसे अग्नि सुरक्षा उपकरणों की पर्याप्त मात्रा में खरीद के लिए सक्रिय योजनाएँ बनाने के निर्देश भी दिए। महाप्रबंधक ने अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देशित किया कि यदि कोई भी कमी या समस्या पाई जाए तो असामान्य घटनाओं से बचने के लिए उसे तुरंत दूर किया जाए।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

गुंटकल आरयु पर पीसीईटी की लीजिंग हेतु आईआरईपीएस द्वारा ई-निविदा आमंत्रण

PUB/1779

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटकल डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा ई-निविदा की बंद छोर पर, https://www.ireps.gov.in के माध्यम से अठारह वर्ष से अधिक आयुवर्ग के भारतीय नागरिकों तथा भारत में पंजीकृत कंपनियों/फर्मों से ई-निविदा आयोजित है।

क्रम सं ख्या	ई-निविदा संख्या	श्रेणी	कैटलाग का स्थान	निविदा बंद करने की तिथि	बंद करने का समय
1	पीसीईटी-2025-26-07	पीसीईटी की लीजिंग	आरयु-एसएनएल-आरयु	12.02.2026	15:00

इच्छुक पार्टीज तथा ठेकेदारगण इस पर ध्यान दें कि, ई-निविदा प्रक्रिया से अवगत होने एवं इसमें भाग लेने हेतु आईआरईपीएस साइट में होम पेज की बायीं तरफ उपलब्ध द लर्निंग सेंटर (यूजर मैन्युएल्स) लिन्क द्वारा डाउनलोड की गयी यूजर मैन्युएल पर जाएं। अधिक स्पष्टीकरणों हेतु बोलीदातागण, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल स्थित कार्यालय पर संपर्क करें।

A2252 हस्ता./- वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, गुंटकल

निजी बस पलटी, एक दर्जन यात्री घायल

कोत्तागुडेम, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के दम्मपेटा मंडल के गट्टुडेम गांव में एक निजी बस के पलट जाने से कम से कम एक दर्जन यात्री घायल हो गए। पुलिस के अनुसार अश्वराओपेट से करीब 20 किलोमीटर दूर एक मोड़ पर बस के ब्रेक फेल हो गए, जिससे हादसा हुआ। दुर्घटना में 10 यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जबकि दो यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए साथुपल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के समय बस में कुल 43 यात्री सवार थे। केवीआर ट्रैवलर्स की यह बस हैदराबाद से राजामंड्री जा रही थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस अरुणाचल प्रदेश में पंजीकृत थी। यात्रियों ने आरोप लगाया कि आरटीए अधिकारियों ने नियमों और सड़क सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करते हुए अन्य राज्यों में पंजीकृत बसों के संचालन पर रोक लगाने में लापरवाही बरती। यात्रियों ने अवैध रूप से संचालित बस सेवाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मामूली विवाद में चौकीदार की हत्या

संगारेड्डी, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कोल्लूर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक निजी अपार्टमेंट में सोमवार रात मामूली विवाद को लेकर एक चौकीदार की उसके सहकर्मी ने कथित तौर पर हत्या कर दी। घटना का खुलासा मंगलवार को हुआ। मृतक की पहचान श्याम पंचाल (28) के रूप में हुई है। उसका शव चौकीदारों के आवास में पाया गया। पुलिस के अनुसार सोमवार रात भोजन करने के बाद पंचाल ने सहकर्मी अतुल साहनी की थाली में हाथ धो दिए, इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि गुस्से में साहनी ने पंचाल के सिर पर हमला किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

नशेडियों और उनके अभिभावकों के लिए काउंसलिंग सत्र आयोजित

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद नारकोटिक्स एन्फोर्समेंट विंग (एच–न्यू) द्वारा मंगलवार को पुराने सीपी कार्यालय, बशीरबाग स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में मादक पदार्थों के उपभोक्ताओं और उनके अभिभावकों के लिए एक विशेष काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। यह काउंसलिंग सत्र लंगर हाउस थाना अंतर्गत दर्ज अपराध संख्या 262/2025 (एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की विभिन्न धाराओं) के तहत चिन्हित उपभोक्ताओं के लिए आयोजित किया गया। इस प्रकरण में 100 से अधिक उपभोक्ताओं की पहचान की गई थी, जिनमें से 40 उपभोक्ता अपने माता–पिता व परिजनों के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को नशे के दुष्परिणामों, नशा निर्भरता के प्रारंभिक लक्षणों तथा पुनर्वास और सुधार में परिवार की भूमिका के बारे में जागरूक करना था। इस अवसर पर उपायुक्त पुलिस (टास्क फोर्स/एच–न्यू) गायकवाड़ वैभव रघुनाथ ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि नशाखोरी केवल कानून–व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक और जनस्वास्थ्य समस्या है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों पर सतत निगरानी रखें, उनसे खुलकर संवाद करें तथा नशे के खिलाफ पुलिस को सहयोग दें। उन्होंने नशीले पदार्थों के सेवन और तस्करी से जुड़े कानूनी परिणामों की भी जानकारी दी। उपायुक्त ने एच–न्यू टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि विभाग का उद्देश्य नशा उपभोक्ताओं को दंडित करना नहीं, बल्कि उनमें व्यवहार परिवर्तन लाकर उन्हें स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करना है। कार्यक्रम में अभिभावकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई, अपनी चिंताएं साझा कीं और अधिकारियों से संवाद किया। उन्हें सलाह दी गई कि यदि बच्चों के व्यवहार में कोई असामान्य परिवर्तन दिखे तो तुरंत पेशेवर परामर्शदाताओं से संपर्क करें। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि सामूहिक जिम्मेदारी और पारिवारिक सहयोग से ही नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है। एच–न्यू ने भविष्य में भी ऐसे जागरूकता और काउंसलिंग कार्यक्रम जारी रखने, युवाओं को नशे से दूर रखने तथा हैदराबाद को नशामुक्त शहर बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस कार्यक्रम में निरीक्षक जी.एस. डेनियल, उपनिरीक्षक सी. वेंकट रामुलु सहित हैदराबाद नारकोटिक्स एन्फोर्समेंट विंग की टीम उपस्थित रही।

करमनघाट सीरवी समाज का माघसुदी बीज महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज ट्रस्ट समाज बन्धुओं के तत्वावधान में माघ सुदी बीज महोत्सव के अवसर पर दो दिवसीय कार्यक्रम में जागरण व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा, सचिव पुखराज चोयल ने संयुक्त रूप से बताया कि हर वर्ष की भांति माघ सुदी बीज महोत्सव भव्यरुप से आयोजित किया गया। 19 जनवरी ज्योत प्रज्वलित कर रात्रि 9.15 बजे से भजनों व बोलियों का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें कविता पंवार पाली ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। 20 जनवरी प्रात: वेला में मंदिर को विशेष फूलों से सजाकर, माई का श्रृंगारकर, पुजा–अर्चना, महाआरती के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पधारे समाज बन्धुओं के लिए भोजन–प्रसादी का कार्यक्रम आयोजित कर माघ सुदी बीज के लाभार्थी रुपाराम, डूंगाराम, दिलीप सुपुत्र स्व.श्री वरदाराम आगलेचा परिवार व सम्मानित अतिथि भाजपा नेता सोहनसिंह राजपुरोहित, श्रीरामलु गौड़ का पदाधिकारियों द्वारा विशेष स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रकाश आगलेचा, भाणाराम बरपा, चेनाराम सिन्दड़ा, पुखराज चोयल, गजाराम सैंणचा, दौलतराम पंवार, मंगलाराम परिहारियां, धनराज बरपा, मोतीलाल चोयल, गोविन्दराम पंवार, चौथाराम पंवार, मगाराम परिहार, हिरालाल सैंणचा, नेमाराम काग, पुजारी अम्बाराम सोलंकी, पदाधिकारी व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष प्रकाश आगलेचा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन की सभी पदाधिकारी व समाज बन्धुओं को बधाई दी। आरती के पश्चात कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

भजनों से किया आईमाता का गुणगान

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मन्दिर में माही बीज उत्सव मनाया गया। जागरण का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर आईमाताजी की आरती की गई। एक शाम आई माता जी के नाम रात्रि जागरण में भजन गायिका दुर्गा जसराज एंड पार्टी जोधपुर ने राजस्थानी भजनों से देर रात तक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रंदालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। दिन में महिलाओं ने आई माता के नाम भजनों की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में आए अतिथियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बडेर अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, दुर्गाराम मुलेवा सचिव प्रेम पंवार, कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग व समस्त कार्यकारणी व समाज बन्धु सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

राहुल गांधी को ...

फिरोज गांधी का जन्म दिसंबर 1912 में हुआ था। उन्होंने देश के पहले लोकसभा चुनाव 1952 में रायबरेली से जीत दर्ज की थी। वह देश की पहली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पति और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के पिता थे। 7 सितंबर 1960 को फिरोज गांधी का निधन हो गया था।

सिर्फ गाली-गलौच ...

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि यह जाति के प्रति जानबूझकर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया जाता है तो यह अपराध माना जाएगा। धारा 3(1)(एस) के अंतर्गत विषयवस्तु अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति पर किए गए अपशब्द हैं। हालांकि, जिस इरादे से अपशब्द कहे गए थे, वह जाति के प्रति अपमानजनक होना चाहिए, जिसके परिणामस्वरूप जाति आधारित अपमान की भावना उत्पन्न होती है।

पीठ ने अधिनियम की धारा 3(1)(आर) पर सुप्रीम कोर्ट के पहले के फैसले का हवाला दिया, जिसमें सार्वजनिक स्थान पर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के किसी सदस्य का जानबूझकर अपमान करने या उसे अपमानित करने के इरादे से डराने–धमकाने की बात कही गई है।

पीठ ने कहा कि इस धारा के तहत अपराध गठित करने के लिए चार मूलभूत तत्व हैं, जो इस प्रकार हैं : (क) आरोपी व्यक्ति अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं होना चाहिए, (ख) आरोपी को जानबूझकर अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के किसी सदस्य का अपमान करना या उसे डराना–धमकाना चाहिए, (ग) आरोपी को ऐसा उस व्यक्ति को अपमानित करने के इरादे से करना चाहिए और (घ) आरोपी को ऐसा सार्वजनिक स्थान पर करना चाहिए।

'फोर्ट विलियम में ...

मैं उनसे हाथ जोड़कर अनुरोध करती हूं कि वे ऐसी गतिविधियों से बचें। अधिकारी ने कहा कि लोक भवन में पिछले हफ्ते हुई बैठक के बाद, ऐसा समझा जाता है कि बंगाल के राज्यपाल ने इस संबंध में रक्षा मंत्रालय से संपर्क किया है और मामले की गंभीरता को उनके संज्ञान में लाया है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

किसी खिलाड़ी को 7 करोड़ सैलरी नहीं देगी

विराट-रोहित को 4 करोड़ रुपये कम मिलेंगे : बीसीसीआई

मुंबई, 20 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बड़ा फेरबदल करने का फैसला किया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से ए प्लस ग्रेड को हटाने वाली है. ए प्लस ग्रेड में रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गज हैं और अब इन चारों को बड़ी सैलरी कटौती का सामना करना पड़ेगा. बता दें बीसीसीआई के ग्रेड ए प्लस कॉन्ट्रैक्ट के तहत खिलाड़ियों को सालाना 7 करोड़ रुपये मिलते हैं लेकिन अब ये ग्रेड ही नहीं होगा. अब बीसीसीआई सिर्फ तीन ही कैटेगरी को रखेगी, जिसमें ए, बी और सी ग्रेड शामिल होंगे.

रोहित-विराट की सैलरी में बड़ी गिरावट

रिपोर्ट्स की मानें तो रोहित और

विराट कोहली की सैलरी में बड़ी गिरावट होने वाली है. इन दोनों खिलाड़ियों को बी ग्रेड में शिफ्ट किया जाएगा. फिलहाल बी ग्रेड के खिलाड़ियों को 3 करोड़ रुपये सालाना मिलते हैं. मतलब अब विराट-रोहित को 7 करोड़ की बजाए 3 करोड़ रुपये मिलेंगे. जडेजा को भी बी ग्रेड में शिफ्ट किया जा सकता है. वहीं जसप्रीत बुमराह ए ग्रेड में शिफ्ट हो सकते हैं. सवाल ये है कि क्या बीसीसीआई ए ग्रेड के खिलाड़ियों को अब भी 5 करोड़ रुपये सैलरी देगी, अगर ऐसा हुआ तो बुमराह को भी 2 करोड़ का नुकसान होना तय है.

किस खिलाड़ी के पास है कौन सा कॉन्ट्रैक्ट

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कुल 34 खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दिया हुआ है जिसमें से 19 खिलाड़ियों के पास सी ग्रेड कॉन्ट्रैक्ट है. बी ग्रेड में फिलहाल कुल पांच खिलाड़ी हैं. 6 खिलाड़ियों को ग्रेड ए में रखा गया है. ए प्लस ग्रेड में चार खिलाड़ी हैं.

ए प्लस ग्रेड: रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा.

ए ग्रेड: मोहम्मद सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल, हार्दिक पंड्या, मोहम्मद शमी, ऋषभ पंत.

बी ग्रेड: सूर्यकुमार यादव, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर.

सी ग्रेड: रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, वॉशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, रजत पाटीदार, ध्रुव जुरेल, सरफराज खान, नीतीश कुमार रेड्डी, इशान किशन, अभिषेक शर्मा, आकाश दीप, वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा.

3 साल कोर्ट से दूर साइना नेहवाल का संन्यास

बोलीं- घुटने की समस्या से परेशान थी

आखिरी बार 2023 में सिंगापुर ओपन में खेली थीं

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने एक पॉडकास्ट में बताया कि घुटने के दर्द के कारण अब उनके लिए खेलना संभव नहीं रह गया है। साइना आखिरी बार जून 2023 में सिंगापुर ओपन में खेली थीं।

35 वर्ष की साइना ने एक पॉडकास्ट में कहा, 'मैंने दो साल पहले ही खेलना बंद कर दिया था। मैंने अपनी शर्तों पर खेलना शुरू किया और अपनी शर्तों पर ही छोड़ा। इसलिए मुझे घोषणा जरूरी नहीं लगी।'

साइना के मुताबिक उनके घुटनों का कार्टिलेज पूरी तरह घिस चुका है और उन्हें आर्थराइटिस हो गया है।

उन्होंने कहा, 'जब आप खेल ही नहीं पा रहे तो वहीं रुक जाना चाहिए। मैं पहले दिन में 8–9 घंटे ट्रेनिंग करती थी, लेकिन अब मेरे घुटने 1-2 घंटे में ही जवाब दे देते हैं। इसके बाद सूजन आ जाती है। इसलिए मैंने सोचा कि अब बहुत हो गया। मैं अब अपना करियर और नहीं

खींच सकती।' साइना का करियर रियो ओलिंपिक 2016 के दौरान लगी घुटने की चोट से काफी प्रभावित हुआ। हालांकि, इसके बावजूद उन्होंने 2017 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज और कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में गोल्ड मेडल जीतकर शानदार वापसी की।

साइना के घुटने की समस्या बार-बार उभरती रही। 2024 में साइना ने सार्वजनिक रूप से बताया था कि वे आर्थराइटिस से परेशान हैं। कार्टिलेज पूरी तरह घिस चुका है, जिससे शीर्ष स्तर पर खेलना लगभग असंभव हो गया है।

पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 साइना ने लंदन ओलिंपिक-2012 में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। वे ओलिंपिक मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। उन्होंने 3 ओलिंपिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

साइना ने 2008 में बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप जीतकर पहली बार सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने उसी साल पहली बार ओलिंपिक में हिस्सा लिया। वे ओलिंपिक क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। साइना 2009 में BWF सुपर सीरीज प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। इसके बाद 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता।

साइना को 2009 में अर्जुन अवॉर्ड और 2010 में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने 2015 में वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग में टॉप पोजिशन भी हासिल की। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी थीं।

पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट

प्रमोद भगत और सुकांत कदम का शानदार प्रदर्शन, जीते दो-दो स्वर्ण

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के प्रमोद भगत और सुकांत कदम ने काहिरा में मिस्र पैरा बैडमिंटन आमंत्रण टूर्नामेंट 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। इन दोनों पैरा एथलीटों ने अपने अपने एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के बाद टीम वर्ग में भी स्वर्ण हासिल किया।

भगत ने एसएल3 पुरुष एकल फाइनल में उमेश विक्रम कुमार को हराकर पीला तमगा हासिल किया। उन्होंने यह मुकाबला 19-21, 21-15,

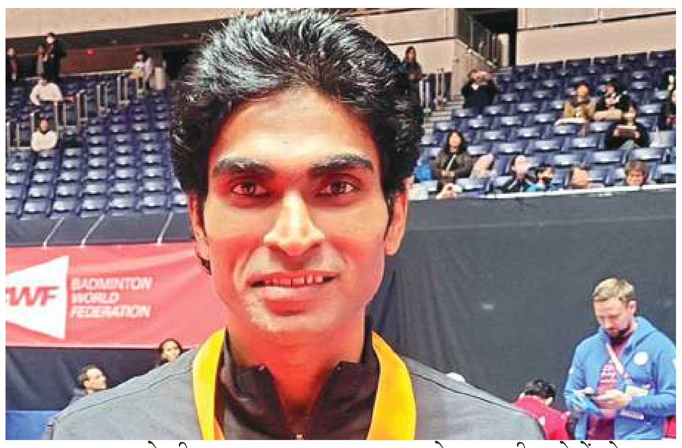

21-13 से जीता। एसएल 4 पुरुष एकल में सुकांत ने भारत के सूर्यकांत यादव को 27-25, 21-18 से मात दी। दोनों ने पुरुष युगल में उमेश और सूर्यकांत को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

आरसीबी लगातार पांचवीं जीत से डब्ल्यूपीएल प्लेऑफ में पहुंची

वडोदरा, 20 जनवरी (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने विमेंस प्रीमियर लीग में लगातार पांचवां मैच जीतकर चौथे सीजन के प्लेऑफ में जगह बना ली। टीम ने वडोदरा में गुजरात जायंट्स को 61 रन से हराया। प्लेयर ऑफ द मैच गौतमी नायक ने फिफ्टी लगाई। वहीं गेंदबाजी में सयाली सातघरे ने 3 विकेट लिए।

खराब शुरुआत के बाद मंधाना ने संभाला

कोटाम्बी स्टेडियम में गुजरात ने बॉलिंग चुनी। बेंगलुरु ने पावरप्ले में 2 विकेट गंवा दिए। ग्रेस हैरिस और जॉर्जिया वोल 1-1 रन बनाकर आउट हो गईं। कप्तान स्मृति मंधाना ने फिर गौतमी नायक के साथ टीम को संभाल लिया। दोनों ने फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। मंधाना 26 रन बनाकर आउट हुईं।

गौतमी ने फिर ऋचा घोष के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की और टीम को 130 के पार पहुंचा दिया। ऋचा 27 रन बनाकर आउट हुईं। गौतमी भी 73 रन बनाकर आउट हो गईं। आखिर में राधा यादव ने 17, नदीन डी क्लर्क ने 4 और श्रेयांका पाटील ने 8 रन बनाकर टीम को 178 तक पहुंचा दिया।

गुजरात जायंट्स से कप्तान एश्ले गार्डनर ने 43 रन देकर 2 विकेट लिए। काशवी गौतम ने 38 रन दिए और 2 विकेट लिए। रेणुका सिंह और सोफी डिवाइन ने 4-4 ओवर फेंक कर 1-1 विकेट लिया। हैप्पी कुमारी, जॉर्जिया वेयरहम और तनुजा कंवर कोई विकेट नहीं ले सकीं।

179 रन के टारगेट के सामने गुजरात ने 5 रन पर 3 विकेट गंवा दिए। सोफी डिवाइन और कनिका आहूजा खाता भी नहीं खोल सकीं। विकेटकीपर बेथ मूनी 3 रन बनाकर आउट हुईं। 56 रन तक टीम ने 3 और विकेट गंवा दिए। अनुष्का शर्मा 18, काशवी गौतम 4 और जॉर्जिया वेयरहम 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं।

कप्तान एश्ले गार्डनर ने एक एंड संभाल लिया, भारती फुलमाली उनके साथ कुछ देर टिकी रहीं। गार्डनर भी फिफ्टी लगाने के बाद 17वें ओवर में आउट हो गईं। फुलमाली 14 रन बनाकर पवेलियन लौटीं। टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 117 रन ही बना सकी और 61 रन से मुकाबला गंवा दिया।

तेज गेंदबाज सयाली सातघरे ने लगातार दूसरे डब्ल्यूपीएल मैच में 3 विकेट झटक लिए। उन्होंने 21 रन ही दिए। इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी उन्होंने 3 विकेट लिए थे। नदीन डी क्लर्क ने 2 विकेट लिए। लौरेन बेल, राधा यादव और श्रेयांका पाटील को 1-1 विकेट मिला।

डब्ल्यूपीएल के 3 सीजन खेले जा चुके हैं। 2023 और 2025 में मुंबई इंडियंस ने खिताब जीता। वहीं 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु चैंपियन बनी। टीम ने चौथे सीजन में लगातार 5 मैच जीतकर फिर एक बार नॉकआउट राउंड में एंट्री कर ली। आरसीबी के अलावा कोई टीम 3 मैच भी नहीं जीत सकी। मुंबई, यूपी और गुजरात के पास 2-2 जीत है। बेहतर रन रेट के कारण MI दूसरे और यूपी तीसरे नंबर पर है। दिल्ली एक जीत के बाद आखिरी पोजिशन पर है।

इंडिया ओपन में अव्यवस्था पर मंत्रालय का सख्त रुख

खेल मंत्री ने साई से मांगा सुधार का खाका

नई दिल्ली, 20 जनवरी (एजेंसियां)। इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के दौरान सामने आई गंभीर अव्यवस्थाओं को लेकर खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न बने, इसके लिए ठोस सुधार के उपाय लागू करने के निर्देश दिए। खेल मंत्रालय इस पूरे मामले को भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि से जोड़कर देख रहा है।

खेल मंत्री ने उन स्टेडियम प्रशासकों के साथ भी बैठक की जो टूर्नामेंट के दौरान मौके पर मौजूद नहीं थे। उनसे पिछले सप्ताह टूर्नामेंट में फैली अव्यवस्था को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया।यह मामला इसलिए भी संवेदनशील माना जा रहा है क्योंकि 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की दावेदारी के लिहाज से यह साल बेहद अहम है और इस तरह की चूक से देश की छवि को

नुकसान पहुंच सकता है। टूर्नामेंट के दौरान कई ऐसी घटनाएं सामने आईं, जिन पर साइ को जवाब देना पड़ सकता है। हालांकि, दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता पर नियंत्रण साइ के हाथ में नहीं है, लेकिन मैचों के दौरान कबूतरों का कोर्ट पर बीट करना, दर्शक दीर्घा में बंदरों की मौजूदगी, वॉशरूम और अभ्यास स्थलों में साफ-सफाई की कमी जैसी शिकायतों ने आयोजकों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए। एक सूत्र ने कहा, 'खेल मंत्री ने इन सभी मुद्दों पर गंभीरता से संज्ञान लिया है और साइ अगले कुछ दिनों में सुधारात्मक कदमों का विस्तृत ब्योरा देगा।'

स्टेडियम के रखरखाव की जिम्मेदारी साइ की होने के कारण संस्था की जमकर आलोचना हो रही है, खासतौर पर इसलिए क्योंकि अगस्त में इसी स्थान पर बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप का आयोजन होना है। डेनमार्क की खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने हालात को अस्वास्थ्यकर बताते हुए विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) से हस्तक्षेप की मांग तक कर दी थी। देश में खेल बुनियादी ढांचे के रखरखाव और राष्ट्रीय शिविरों के संचालन की जिम्मेदारी भी साइ पर ही है। हालांकि, भारतीय बैडमिंटन संघ को टूर्नामेंट से कुछ ही हफ्ते पहले स्टेडियम सौंपा गया था, लेकिन अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की शिकायतों के बाद उसे मीडिया आलोचना का सामना करना पड़ा।

पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में आग लगी

बिग बैश लीग का मैच चल रहा था; किसी को नुकसान नहीं

पर्थ, 20 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में मैच के दौरान स्टेडियम के एक हिस्से में आग लगने से हड़कंप मच गया. पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में मेजबान पर्थ स्कॉर्चर्स और सिडनी सिक्सर्स के मुकाबले के दौरान ये हादसा हुआ. स्टेडियम में जिस वक्त ये मैच खेला जा रहा था, उसी दौरान अचानक आसमान में काला धुआं फैलने लगा. जानकारी के मुताबिक, स्टेडियम के बाहरी हिस्से में किसी कमरे में आग लग गई थी, जिसने हर किसी को चौंका दिया और बचावकर्मी इसे बुझाने में जुट गए. राहत की बात ये रही कि हादसा ज्यादा बड़ा नहीं था और किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई.

मंगलवार 20 जनवरी को पर्थ में शाम के वक्त स्कॉर्चर्स और सिक्सर्स का मैच खेला जा रहा था. इस मैच में पर्थ की ही पहले बल्लेबाजी चल रही थी. इसी दौरान अचानक स्टेडियम के बाहर धुआं उठता दिखा, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया. कुछ ही देर में टीवी स्क्रीन पर दिखा कि स्टेडियम की बिल्डिंग के बाहरी हिस्से में एक कमरे से ये धुआं उठ रहा था, जहां आग लग गई थी. तुरंत ही स्टेडियम के सुरक्षाकर्मी पहुंच गए और आग बुझाने में जुट गए. राहत की बात ये रही कि किसी भी शख्स को किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ. साथ ही मैच पर भी इसका कोई असर नहीं पड़ा और मैदान पर एक्शन चलता रहा. पिछले कुछ दिनों में ये क्रिकेट मैच के दौरान स्टेडियम के पास आग लगने की दूसरी घटना है. इससे पहले साउथ अफ्रीका में SA20 मैच के दौरान जोहानिसबर्ग स्टेडियम की पार्किंग में आग लग गई थी, जिससे अफरा-तफरी मच गई थी. मैच की बात करें तो बीबीएल के इस पहले क्वालिफायर में पर्थ को बड़ा स्कोर बनाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा. उसके लिए ओपनर फिन ऐलन ने एक बार फिर ताबड़तोड़ बैटिंग करते हुए सिर्फ 30 गेंदों में 49 रन की पारी खेली. मगर इनके अलावा अन्य कोई बल्लेबाज ऐसा कमाल नहीं कर सका. कप्तान ऐश्टन टर्नर 21 गेंदों में 29 रन बनाए, जबकि झाय रिचर्डसन ने भी 20 रन बनाए,

शुभमन रणजी ट्रॉफी का दूसरा राउंड खेलेंगे

कल सौराष्ट्र से मुकाबला, रवींद्र जडेजा भी शामिल हो सकते हैं

राजकोट, 20 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल रणजी ट्रॉफी का दूसरा राउंड खेलते नजर आएंगे। गिल इंदौर में न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी वनडे खेलने के बाद राजकोट जाने वाले हैं। जहां उनकी होम टीम पंजाब को सौराष्ट्र के खिलाफ लीग स्टेज में अपना छठा मैच खेलना है। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी इस मुकाबले में सौराष्ट्र से खेल सकते हैं।

18 जनवरी को इंदौर वनडे के बाद शुभमन टीम के कुछ प्लेयर्स के साथ दिल्ली पहुंचे। यहां से वे राजकोट के लिए फ्लाइट में बैठे। पंजाब को ग्रुप-बी में 22 जनवरी को होम टीम सौराष्ट्र से भिड़ना है। टीम की कप्तानी नमन धीर करेंगे।

ग्रुप-बी में पंजाब के 2 ही मैच बचे हैं, टीम को सौराष्ट्र के बाद 29 जनवरी से कर्नाटक के खिलाफ भिड़ना है। टीम को नॉकआउट राउंड में जगह बनाने के लिए आखिरी दोनों मैच जीतने ही होंगे। गिल ने आखिरी रणजी मुकाबला पिछले सीजन कर्नाटक के खिलाफ खेला था।

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के सूत्र ने क्रिकबज को बताया, 'गिल रणजी ट्रॉफी खेलने वाले हैं, वे सौराष्ट्र के खिलाफ खेलते नजर आएंगे। भारतीय कप्तान टूर्नामेंट के लिए कमिटमेंट दे चुके हैं, वे घरेलू मैच के लिए 8 घंटे की हवाई यात्रा करेंगे।'

गिल के साथ वनडे टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी रणजी ट्रॉफी का दूसरा राउंड खेलते नजर आएंगे। वे सौराष्ट्र की ओर से पंजाब का सामना ही करेंगे। दूसरी ओर भारत की टी-20 टीम के खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच के लिए नागपुर पहुंच चुके हैं। मुकाबला 21 जनवरी को शाम 7 बजे से खेला जाएगा।

ग्रुप-बी में 8 टीमें हैं। कर्नाटक और महाराष्ट्र 5 मैच से 2 जीत और 3 ड्रॉ के साथ टॉप-2 पोजिशन पर हैं। मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र, गोवा और पंजाब ने 1-1 मैच जीता है। ज्यादा पॉइंट्स और बेहतर रन रेट के कारण एमपी तीसरे और सौराष्ट्र चौथे नंबर पर हैं। जबकि पंजाब छठे नंबर पर है। सौराष्ट्र और पंजाब को नॉकआउट राउंड में एंट्री के लिए आखिरी दोनों मैच

माइकल ब्रेसवेल हो सकते हैं टी20 सीरीज से बाहर

न्यूजीलैंड ने रिस्टियन क्लार्क को दिया मौका

खेल डेस्क, 20 जनवरी (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ 5 टी20 मैचों की सीरीज से पहले बड़ा झटका लगता दिख रहा है. ऐसा इसलिए क्योंकि उसके स्टार खिलाड़ी माइकल ब्रेसवेल को इंजरी हो गई है. ब्रेसवेल को इंदौर में खेले तीसरे वनडे के दौरान चोट लगी थी. ब्रेसवेल की पिंडली में चोट है. न्यूजीलैंड क्रिकेट की तरफ से

भारत के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम में क्रिस्टियन क्लार्क को शामिल किया गया है. क्लार्क को पहले 3 मैचों के लिए टीम में शामिल किया गया है. इसका मतलब है कि ब्रेसवेल कम से कम 3 मैचों से बाहर रह सकते हैं. वहीं आखिर के 2 मैचों में उनके खेलने पर फैसला इंजरी की रिकवरी पर

हालांकि कहा जा रहा है कि उन्हें हल्की इंजरी हुई है लेकिन उसके बावजूद उनके T20 सीरीज में खेलने पर सस्पेंस है. माइकल ब्रेसवेल, भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड टीम के कप्तान थे. उनकी कप्तानी में ही न्यूजीलैंड ने पहली बार भारत में वनडे सीरीज जीतने का कारनामा किया है. लेकिन, टी20 सीरीज में उनका खेलना इस पर निर्भर करेगा कि उनकी चोट और उसकी रिकवरी कैसी है? फिलहाल, वो मेडिकल टीम की निगरानी में हैं और उनके खेलने पर सस्पेंस है. न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वॉल्टर ने कन्फर्म किया कि ब्रेसवेल टीम के साथ बने रहेंगे. निर्भर कर सकता है.

क्लार्क ने भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में ही अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था. उन्होंने भारत के खिलाफ खेली वनडे सीरीज में 7 विकेट झटके और ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई.

माइकल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, काइल जैमिसन, बेवोन जैकब्स, डैरिल मिचेल, जिमी नीशाम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिन्सन, ईश सोढ़ी, क्रिस्टियन क्लार्क (सिर्फ पहले 3 मैच के लिए)

ऑस्ट्रेलियन ओपन में तेरेजा वैलेंटोवा ने उलटफेर किया

ऑस्ट्रेलिया की नंबर-1 खिलाड़ी माया जॉइंट को हराया

मेलबर्न, 20 जनवरी (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की नंबर-1 महिला टेनिस खिलाड़ी माया जॉइंट को ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा है। वर्ल्ड रैंकिंग 31 की जॉइंट को चेक गणराज्य की 18 साल की खिलाड़ी तेरेजा वैलेंटोवा ने सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। वैलेंटोवा की वर्ल्ड रैंकिंग 54 है। वहीं, विमेंस सिंगल्स की डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज ने भी जीत के साथ शुरुआत की है।

इस हार के साथ जॉइंट न सिर्फ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं, बल्कि दूसरे दौर में पहुंचने पर मिलने वाली 2.25 लाख डॉलर (करीब 1.8 करोड़ रुपए) की इनामी राशि से भी वंचित रह गईं। मंगलवार को मेलबर्न के जॉन केन एरिना में खेले गए मुकाबले में जॉइंट का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। 19 साल की खिलाड़ी ने मैच में 8 डबल फॉल्ट किए, 5 बार उनकी सर्विस ब्रेक हुई और उन्हें कुल 17 ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा।

मैच जीतने के बाद वैलेंटोवा ने कहा- 'यह मेरे लिए अविश्वसनीय है। साल की उम्मीद नहीं की थी। मैं इसकी उम्मीद नहीं की थी। मैं आईटीएफ टूर्नामेंट खेल रही थी और अब ऑस्ट्रेलियन ओपन के मेन ड्रॉ में जीत दर्ज कर रही हूं।

डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज ने शुरुआती दबाव झेलने के बाद पहले दौर में यूक्रेन की ओलेक्सांद्रा ओलीनिकोवा को 7-6 (6), 6-1 से हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली। रॉड लेवर एरीना में खेले गए मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त कीज शुरुआत में लय में नहीं दिखीं।

पहले सेट में वह 0-4 से पीछे हो गईं, लेकिन शानदार वापसी करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक ले गईं। टाईब्रेक में भी ओलीनिकोवा ने 4-0 की बढ़त बना ली थी और उनके पास दो सेट पॉइंट्स भी थे, लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सकीं। यहीं से कीज को वापसी का मौका मिला और उन्होंने पहला सेट अपने नाम कर लिया। यह सेट एक घंटा 12 मिनट तक चला। वहीं,दूसरा सेट उन्होंने आसानी से जीत लिया।

मैच के बाद कीज ने कहा,'शुरुआत में मैं बहुत नर्वस थी। लेकिन मैं खुश हूं कि मैं वापस आई और यह मैच जीत पाई।'

युवा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी टायला प्रेस्टन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनुभवी चीनी खिलाड़ी झांग शुआई को 6-3, 2-6, 6-3 से हराया। यह प्रेस्टन की ग्रैंड स्लैम में पहली एकल जीत है, जो उन्होंने तीसरे प्रयास में हासिल की। 20 साल की प्रेस्टन को टूर्नामेंट में वाइल्डकार्ड एंट्री मिली थी। इससे पहले वह होबार्ट इंटरनेशनल के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं, जहां उन्होंने पूर्व यूएस ओपन चैंपियन एम्मा राडुकानु को हराया था।

मैच के बाद प्रेस्टन ने कहा- 'यह मेरी पहली ग्रैंड स्लैम जीत है और इसका मेरे लिए बहुत मतलब है। मेरे माता-पिता और बहन का यहां होना इसे और खास बनाता है।'

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में 'तेलंगाना राइजिंग' प्रतिनिधिमंडल ज्यूरिख पहुंचा

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में 'तेलंगाना राइजिंग' प्रतिनिधिमंडल स्विट्ज़रलैंड के ज्यूरिख पहुंचा। मुख्यमंत्री के साथ राजस्व एवं आवास, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। आईटी, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री डी. श्रीधर बाबू पहले ही दावोस पहुंच चुके हैं। ज्यूरिख हवाई अड्डे पर स्विट्ज़रलैंड में भारत के राजदूत मृदुल कुमार ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट भी की। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक 2026 में भाग लेने के लिए स्विट्ज़रलैंड पहुंचे इस प्रतिनिधिमंडल का ज्यूरिख हवाई अड्डे पर प्रवासी तेलंगाना निवासियों ने भी भव्य स्वागत किया। रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल डब्ल्यूईएफ के पहले दिन कई उद्योगपतियों से मुलाकात करेगा और विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी वैश्विक कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों की मेजबानी भी करेगा। इसका उद्देश्य 'तेलंगाना राइजिंग 2047' रोडमैप को बढ़ावा देना है। दावोस 2026 में 'तेलंगाना राइजिंग' प्रतिनिधिमंडल वैश्विक नेताओं, सीईओ और उद्योग प्रतिनिधियों के समक्ष राज्य की दीर्घकालिक विकास दृष्टि, प्रगतिशील नीतियों और निवेशक-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र को प्रस्तुत करने पर विशेष ध्यान देगा। यह दिसंबर 2025 में लॉन्च किए गए 'तेलंगाना राइजिंग 2047' विज़न दस्तावेज़ के संदर्भ में होगा।

टीएस इंटर परीक्षाएं 2026

विलंब से आने वाले छात्रों को 5 मिनट की ग्रेस अवधि

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 25 फरवरी से शुरू होने वाली इंटरमीडिएट पब्लिक परीक्षाओं (आईपीई) में शामिल होने वाले छात्रों को यदि वे देर से पहुंचते हैं, तो भी परीक्षा में बैठने की अनुमति दी जाएगी।

तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीजी बीआईई) ने परीक्षा केंद्रों में प्रवेश के लिए छात्रों को केवल पांच मिनट की ग्रेस अवधि देने का निर्णय लिया है। यह पांच मिनट की छूट, जो पिछले वर्ष भी लागू थी, इस वर्ष भी जारी रहेगी। परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होंगी और अंतिम प्रवेश सुबह 9:05 बजे तक अनुमति होगी।

छात्रों को सलाह दी गई है कि वे सुबह 8:45 बजे तक परीक्षा केंद्र पहुंच जाएं। आईपीई परीक्षाएं 25 फरवरी से 18 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए इंटरमीडिएट प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में कुल 10,47,815 छात्र पंजीकृत हैं। इनमें से लगभग 9,96,000 छात्रों ने परीक्षा शुल्क जमा किया है। परीक्षाओं के सुचारु संचालन के लिए कुल 1,495 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। सैद्धांतिक परीक्षाओं से पहले सामान्य और व्यावसायिक दोनों पाठ्यक्रमों के लिए प्रायोगिक परीक्षाएं 2 फरवरी से 21 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी। टीजी बीआईई प्रायोगिक और सैद्धांतिक परीक्षाओं के लिए अलग-अलग हॉल टिकट जारी करेगा, हालांकि दोनों के लिए हॉल टिकट नंबर समान रहेगा। पिछले वर्ष की तरह, इस बार भी सैद्धांतिक परीक्षा के हॉल टिकट पर क्यूआर कोड होगा, जिससे छात्र अपने परीक्षा केंद्र को आसानी से खोज सकेंगे। स्मार्टफोन से क्यूआर कोड स्कैन कर छात्र परीक्षा केंद्र का स्थान, दूरी, अनुमानित यात्रा समय और लाइव ट्रैफिक अपडेट भी प्राप्त कर सकेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मैक्सिको प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया

हैदराबाद/नई दिल्ली, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने मंगलवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट के दौरान मैक्सिको के वरिष्ठ निर्वाचन अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। मैक्सिकन प्रतिनिधिमंडल में मैक्सिको के अंतरराष्ट्रीय मामलों के प्रभाग की प्रमुख मारिसा अर्लीन कैब्राल पोर्चास और निर्वाचन आयुक्त नोर्मा इरीन दे ला क्रूज़ मगान्या शामिल थीं।

इस अवसर पर तेलंगाना के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी वासन वेंकटेश्वर रेड्डी तथा विशेष उप कलेक्टर चिन्नैया और प्रसुना भी उपस्थित रहे। निर्वाचन आयोग, भारत (ईसीआई) द्वारा इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट के माध्यम से आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन 21 से 23 जनवरी तक भारत मंडपम में किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, इस कार्यक्रम में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के नेतृत्व में 36 विषयगत कार्य समूह शामिल हैं।

साथ ही आईआईटी, आईआईएम, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (एनएलयू) और भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के विद्वानों की भागीदारी तथा विश्व भर के निर्वाचन प्रबंधन निकायों के साथ 40 से अधिक द्विपक्षीय बैठकें भी आयोजित की जाएंगी।

श्रीधर बाबू ने वैश्विक निवेशकों से 'तेलंगाना राइजिंग' में साझेदारी का आह्वान किया

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने मंगलवार को दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के दौरान इंडिया पैवेलियन के उद्घाटन अवसर पर वैश्विक उद्योग जगत के नेताओं से तेलंगाना राज्य में निवेश करने और इसकी दीर्घकालिक विकास दृष्टि 'तेलंगाना राइजिंग' में साझेदार बनने का आह्वान किया। प्रमुख उद्योगपतियों और हितधारकों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना 'ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस' में एक राष्ट्रीय आदर्श के रूप में उभरा है और औद्योगिक विकास के लिए अत्यंत अनुकूल, नीति-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करता है। उन्होंने वैश्विक कंपनियों से राज्य की क्षमताओं का लाभ उठाने और इसके विकास सफर में सक्रिय भागीदारी करने का आग्रह किया।

श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार ने 2047 तक भारत की जीडीपी में तेलंगाना का योगदान 10 प्रतिशत तक बढ़ाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का दृष्टिकोण 'भविष्य की प्रतीक्षा करने का नहीं, बल्कि उसे गढ़ने का' है। उन्होंने बताया कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार संस्थागत सुधारों और दूरदर्शी नीतियों के साथ एक सुविचारित एवं दूरदर्शी रणनीति अपना रही है। मंत्री ने जानकारी दी कि विशेषज्ञों, उद्योगपतियों और नागरिकों की भागीदारी से 2047 तक तेलंगाना की अर्थव्यवस्था को 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया गया है। इस विज़न दस्तावेज में फार्मास्यूटिकल्स, लाइफ साइंसेज, बायोटेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर इनोवेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग, आईटी एवं आईटीईएस, एयरोस्पेस एवं रक्षा, वस्त्र एवं परिधान, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि आधारित उद्योग, नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे प्रमुख क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार नए उद्योगों को आकर्षित करने के साथ-साथ राज्य के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में तेलंगाना ने लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश जुटाए हैं और उद्योग-अनुकूल एवं विकासोन्मुखी नीतियों के माध्यम से यह गति आगे भी जारी रहेगी। श्रीधर बाबू ने यह भी घोषणा की कि लाइफ साइंसेज़ पॉलिसी 2.0 और तेलंगाना एआई इनोवेशन हब को दावोस मंच से औपचारिक रूप से लॉन्च किया जाएगा, जिससे तेलंगाना की वैश्विक पहचान को और मजबूत किया जा सके तथा राज्य को अगली पीढ़ी के उद्योगों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित किया जा सके।

फर्जी ट्रैफिक चालान घोटाले बढ़े

पुलिस आयुक्त ने नागरिकों को किया सतर्क

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने बार-बार चेतावनी देने के बावजूद फर्जी ट्रैफिक चालान घोटालों में तेजी से हो रही वृद्धि को लेकर नागरिकों को आगाह किया है। मंगलवार को सोशल मीडिया के माध्यम से आयुक्त ने बताया कि जालसाज एसएमएस के जरिए फिशिंग लिंक भेजकर वाहन चालकों को निशाना बना रहे हैं। इन संदेशों में लंबित यातायात उल्लंघनों का हवाला दिया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार ये लिंक उपयोगकर्ताओं को फर्जी वेबसाइटों पर ले जाते हैं, जो दिखने में सरकारी पोर्टलों जैसी होती हैं। लोग इन्हें असली समझकर अपनी व्यक्तिगत और बैंकिंग जानकारी दर्ज कर देते हैं, जिससे उन्हें तुरंत आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

पुलिस आयुक्त ने जनता से सतर्क रहने और बुनियादी सावधानियां बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकारी वेबसाइटों के पते हमेशा डॉट जीओवी डॉट इन या डॉट ओआरजी से समाप्त होते हैं। एसएमएस के जरिए भेजे गए लिंक से किसी भी प्रकार का भुगतान नहीं करना चाहिए और चालान की जांच केवल आधिकारिक ई-चालान वेबसाइट पर ही करनी चाहिए। हैदराबाद पुलिस ने लोगों को ऐसे फर्जी संदेशों की तुरंत सूचना देने और संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने की सलाह दी है, ताकि आगे की धोखाधड़ी रोकी जा सके।

कांग्रेस और बीआरएस पारिवारिक पार्टियाँ : गौड़

नितिन नबीन के पदभार ग्रहण पर तेलंगाना भाजपा कार्यालय पर समारोह

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन द्वारा पदभार ग्रहण किए जाने के अवसर पर हैदराबाद स्थित भारतीय जनता पार्टी के तेलंगाना राज्य कार्यालय में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर पटाखे फोड़े और मिठाइयाँ बांटते हुए अपनी खुशी व्यक्त की। 'जय भाजपा' के नारों से पार्टी कार्यालय गूंज उठा। इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना राज्य के उपाध्यक्ष डॉ. बूरा नरसैया गौड़ ने पार्टी ध्वज का अनावरण किया। इन समारोहों में भाजपा तेलंगाना राज्य के प्रमुख महासचिव डॉ. एन. गौतम राव, वेमुला अशोक, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री गणेश कुंडे, एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि नायक, भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद गौड़, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शिल्पा रेड्डी, पार्टी के प्रदेश सचिव, वरिष्ठ नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन ने आज आधिकारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। दिल्ली स्थित भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में भव्य रूप से आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.पी. नड्डा, केंद्रीय मंत्री एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। पार्टी के रिटर्निंग ऑफिसर एवं राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण के हाथों नितिन नबीन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र प्राप्त किया। नेताओं ने कहा कि मात्र 45 वर्ष की आयु में भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना केवल भाजपा में ही संभव है।

बिहार राज्य के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से लगातार पाँच बार विधायक चुने गए श्री नितिन नबीन जी ने पार्टी के लिए निरंतर समर्पण भाव से कार्य करते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली है, जो गर्व का विषय है। इस अवसर पर भाजपा तेलंगाना राज्य कार्यालय में भाजपा तेलंगाना राज्य के उपाध्यक्ष डॉ. बूरा नरसैया गौड़ ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ''45 वर्ष की आयु में नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चयन भारतीय जनता पार्टी में मौजूद वास्तविक लोकतंत्र का प्रमाण है। देश हो या राज्य, कांग्रेस और बीआरएस जैसी पार्टियाँ पारिवारिक पार्टियाँ हैं। अन्य क्षेत्रीय दलों की स्थिति भी यही है। वहाँ पद वंशानुगत रूप से और बंद लिफाफों में तय किए जाते हैं।'' उन्होंने कहा कि केवल भारतीय जनता पार्टी में ही एक साधारण कार्यकर्ता भी केंद्रीय मंत्री, पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष बन सकता है। बूथ स्तर का अध्यक्ष भी देश का पार्टी अध्यक्ष बन सकता है, यह केवल भाजपा में ही संभव है। यही सच्चा लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि भारत में 30 करोड़ से अधिक युवा हैं और दुनिया की सबसे अधिक सदस्यता वाली पार्टी भाजपा है। अन्य पार्टियों में युवाओं को अवसर नहीं मिलते, वहाँ परिवार और धन ही काम करता है। लेकिन भाजपा युवाओं और सामान्य कार्यकर्ताओं को अवसर देती है। नितिन नबीन का चयन इसी बात को स्पष्ट करता है।

हरीश राव ने केन्द्रीय मंत्री किशन रेड्डी को लिखा पत्र

एससीसीएल अनियमितताओं पर सीबीआई जांच की मांग

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी. हरीश राव ने मंगलवार को केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी से 2024 के बाद सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) में किए गए सभी टेंडरों और नीतिगत निर्णयों की सीबीआई जांच कराने का आग्रह किया।

हरीश राव ने एसआईटी के समक्ष पेश होने से पहले तेलंगाना भवन में मीडिया को केंद्रीय मंत्री को लिखा गया पत्र साझा किया। बीआरएस विधायक ने बताया कि 2024 के बाद एससीसीएल ने टेंडरों में बोली लगाने के लिए साइट विज़िट सर्टिफिकेट की अनिवार्यता लागू की, जो कंपनी के इतिहास में अभूतपूर्व है और जिसे कोल इंडिया लिमिटेड ने भी कभी लागू नहीं किया।

उन्होंने कहा कि इस नए प्रावधान के बाद कई टेंडर रद्द कर दिए गए और ठेके अपेक्षित दरों से 7 से 10 प्रतिशत अधिक पर दिए गए। यह राष्ट्रीय स्तर के रुझानों के विपरीत है, जहां ओबी कोल ब्लॉक के टेंडर आमतौर पर 10 से 22 प्रतिशत कम दरों पर दिए जाते हैं। ऐतिहासिक रूप से, एससीसीएल में ठेके 7, 8, 10 या यहां तक कि 20 प्रतिशत कम दरों पर दिए जाते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतिस्पर्धात्मक रूप से दिए गए ठेकों को व्यवस्थित रूप से रद्द कर उन्हें अधिक दरों पर पुनः आवंटित करना निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को जानबूझकर कमजोर करने का संकेत देता है, जिससे एससीसीएल को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। बीआरएस विधायक ने यह भी कहा कि आईओसीएल से सीधे थोक डीज़ल खरीदने की लंबे समय से चली आ रही व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया और डीज़ल आपूर्ति की जिम्मेदारी ठेकेदारों को सौंप दी गई। उनके अनुसार, इससे परियोजना लागत बढ़ी और अनावश्यक जीएसटी का बोझ भी पड़ा।

इन निर्णयों के पीछे कोई पारदर्शी औचित्य नहीं है, जिससे कमीशन के आधार पर हेरफेर की आशंका और बढ़ जाती है। चिंताजनक बात यह है कि एससीसीएल बोर्ड में केंद्र सरकार द्वारा नामित निदेशक, जिनका मुख्य कर्तव्य कंपनी के हितों की रक्षा करना है, इस पर मौन हैं। उन्होंने बताया कि सिंगरेणी पिछले दो वर्षों से नियमित चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर के बिना काम कर रही है। हरीश राव ने जोर देकर कहा कि केवल सीबीआई जांच ही साइट विज़िट प्रमाणन प्रणाली, प्रतिस्पर्धी टेंडरों की रद्दीकरण प्रक्रिया, उन्हें अधिक दरों पर पुनः आवंटित करने, थोक डीज़ल खरीद बंद करने और राजनीतिक पदाधिकारियों, ठेकेदारों, एससीसीएल अधिकारियों तथा बोर्ड सदस्यों के बीच किसी संभावित मिलीभगत की निष्पक्ष जांच कर सकती है।

संगारेड्डी में कांग्रेस को झटका

पूर्व पार्षद समेत कई नेता बीआरएस में शामिल

संगारेड्डी, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी नगर निगम के पूर्व पार्षद पोन्ना राजेंद्र रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी के कई प्रमुख नेता नगर निगम चुनावों से पहले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल हो गए। मंगलवार को हैदराबाद में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने नेताओं को पार्टी का स्कार्फ पहनाकर उनका स्वागत किया। संगारेड्डी विधायक चिंथा प्रभाकर की मौजूदगी में कांग्रेस नेता पोन्ना राम रेड्डी, कृष्णा रेड्डी, माणिक रेड्डी, दस्तगिरी, इंतियाज, मधु, जवांगिरी, नरसिम्हुलु और उनके समर्थकों ने औपचारिक रूप से बीआरएस की सदस्यता ग्रहण की।

राजेंद्र रेड्डी ने कहा कि संगारेड्डी में कांग्रेस नेतृत्व वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को उचित प्राथमिकता नहीं दे रहा था, इसी कारण उन्होंने पार्टी छोड़ने का निर्णय लिया। इस घटनाक्रम को नगर निगम चुनावों से पहले कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जबकि बीआरएस को इससे राजनीतिक मजबूती मिली है। विधायक चिंथा प्रभाकर ने दावा किया कि आगामी नगर निगम चुनावों में बीआरएस की जीत तय है। इस अवसर पर बीआरएस नेता कसाला बुची रेड्डी, विजयेंदर रेड्डी, वेंकन्ना सहित अन्य नेता मौजूद रहे।

यूओएच के प्रो. राघवा रेड्डी एनआईएफ सलाहकार समिति में नामित

हैदराबाद, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के सामाजिक विज्ञान संकाय में ज्ञान, संस्कृति और नवाचार अध्ययन केंद्र के प्रमुख प्रोफेसर सी. राघवा रेड्डी को भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन-इंडिया (एनआईएफ) की प्रभाव आकलन और सार्वजनिक नीति प्रभाग की सलाहकार समिति का सदस्य नामित किया गया है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह नामांकन विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज के अंतर्संबंधों तथा समावेशी विकास के लिए संस्थागत तंत्रों में प्रोफेसर रेड्डी की विशेषज्ञता को दर्शाता है। ये क्षेत्र सीकेसीआईएस के उस मिशन के केंद्र में हैं, जिसके तहत ज्ञान, संस्कृति और नवाचार के आपसी संबंधों के माध्यम से सामाजिक चुनौतियों का समाधान तलाशा जाता है।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज अध्ययन, विकलांगता का समाजशास्त्र तथा संगठनों के समाजशास्त्र में विशेषज्ञता रखने वाले प्रोफेसर रेड्डी ने कृषि ज्ञान उत्पादन, विकलांगता समावेशन और प्रौद्योगिकी-समाज के संबंधों पर शोध के जरिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने सोशियोलॉजिकल बुलेटिन, जेंडर, टेक्नोलॉजी एंड डेवलपमेंट और इंडियन एंथ्रोपोलोलॉजिस्ट जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में कई शोध लेख प्रकाशित किए हैं। उनके प्रमुख कार्यों में विकलांगता विमर्श का विश्लेषण, पादप ऊतक संवर्धन में महिलाओं का श्रम और फसल विज्ञान पर सामाजिक रचनावादी दृष्टिकोण शामिल हैं।

भैंसा में कार-कंटेनर की टक्कर, चार की मौत, सरपंच गंभीर घायल

निर्मल, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार देर रात भैंसा कस्बे में एक कार की कंटेनर लॉरी से टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान बोजाराम पटेल (42), राजन्ना (60), बबन्ना (70) और विकास (35) के रूप में हुई है। सभी कुबीर मंडल के कुप्ती गांव के रहने वाले थे। हादसे में नवनिर्वाचित सरपंच गंगाधर घायल हो गए हैं। उन्हें निजामाबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

यह दुर्घटना रात करीब 1 से 2 बजे के बीच एक पुल के पास हुई। बताया गया कि सभी लोग एक बीमार ग्रामीण से मिलकर लौट रहे थे, जिसका इलाज हैदराबाद के एक अस्पताल में चल रहा है। चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भैंसा के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस को आशंका है कि तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। मामले की जांच जारी है।

क्या अमरावती बनेगी दुनिया की सबसे बेहतरीन सिटी?

दावोस में सीएम नायुडू का वैश्विक निवेशकों को न्योता

दावोस, 20 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दावोस में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायुडू ने भारत और राज्य की विकास संभावनाओं पर भरोसा जताते हुए कहा कि उनकी सरकार अमरावती को दुनिया का सबसे बेहतरीन और खूबसूरत शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इस प्रयास में हर किसी को भागीदार बनने का आमंत्रण है।

विश्व आर्थिक मंच के दौरान आंध्र प्रदेश सरकार और उद्योग मंडल सीआईआई द्वारा आयोजित ब्रेकफास्ट सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां दुनिया के अधिकांश देश बढ़ती उम्र की समस्या की चुनौती से जूझ रहे हैं, वहीं भारत अगले 25-30 वर्षों तक जनसांख्यिकीय लाभ उठाता रहेगा।

भारत की एक बड़ी ताकत मजबूत नेतृत्व है :

नायुडू ने कहा कि भारत की एक बड़ी ताकत मजबूत नेतृत्व है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत में अंतर्निहित ताकतें हैं। पहले यह एक सोया हुआ विशालकाय देश माना जाता था और इसकी क्षमता समझाना मुश्किल था, लेकिन अब भारत की ग्रोथ के बारे में किसी को बताने की जरूरत नहीं है।

पहले और अब में क्या अंतर :

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत और आंध्र प्रदेश दोनों ही तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहे हैं। पहले हम व्यापार करने में आसानी की बात करते थे और अब हम व्यापार करने की गति की बात कर रहे हैं।

दावेस की पहली यात्रा ने नायुडू को कैसे प्रेरित किया?

नायुडू ने दावोस से अपने पुराने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि 1990 के दशक में उनकी पहली दावोस यात्रा ने उन्हें यह सोचने के लिए प्रेरित किया कि दुनिया किस दिशा में आगे बढ़ रही है और आंध्र प्रदेश को कैसे आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम यहां मौजूद हर व्यक्ति को आंध्र प्रदेश की ग्रोथ का पार्टनर बनाना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भविष्य में दुनिया प्रतिभा के लिए भारत पर निर्भर होगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.